राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

स्वतंत्र प्रभात

जो लिखेगा, वही टिकेगा

स्वतंत्र प्रभात दैनिक अख़बार तथा ऑनलाइन चैनल से सीधा जुड़ने के लिए संपर्क करें........
9511151254

@swatantraprabhatmedia | @swatantramedia | RNI.No. UPHIN/2019/79073 (epaper.swatantraprabhat.com) | @SwatantraPrabhatonline | news@swatantraprabhat.com

लखनऊ से प्रकाशित एंव अयोध्या ,प्रयागराज ,मिर्जापर ,गोरखपुर , बरेली ,बुंदेलखंड , उत्तराखंड , देहरादून

लखनऊ, शनिवार , 23 मई 2026
वर्ष 07, अंक 227, पृष्ट 12, मूल्य: 03 रुपया
www.swatantraprabhat.com

गाजियाबाद , दिल्ली , हरियाणा , चंडीगढ़ , झारखण्ड , बिहार , मध्य प्रदेश ,असम, तेलंगाना आदि जनपदो में प्रसारित

चवई खुर्द मोड़ पर अवैध मेडिकल स्टोर पर स्वास्थ्य विभाग का बड़ा एक्शन, क्लीनिक सील..02

परमिशन की आड़ में एन जी टी के नियमों को दरकिनार कर दिन रात जारी अवैध खनन..11

हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला: लंबित क्लोजर रिपोर्ट और किशोर इतिहास सरकारी नौकरी की राह में रोड़ा नहीं

● अदालत ने कहा- केवल आपराधिक संलिप्तता का आरोप होने से कोई दोषी नहीं हो जाता, आजीविका के अधिकार से वंचित करना अन्यायपूर्ण

मुकदमों के भारी बोझ के कारण कोर्ट में होने वाली देरी का खामियाजा युवा करियर भुगतने को मजबूर नहीं

विधि संवाददाता, लखनऊ: इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने रोजगार और युवाओं के भविष्य के अधिकार को लेकर एक बेहद महत्वपूर्ण और नजीर बनने वाला ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट रूप से व्यवस्था दी है कि यदि किसी मामले में पुलिस जांच के बाद अंतिम रिपोर्ट (क्लोजर रिपोर्ट) अदालत में लंबित है, तो केवल इस आधार पर किसी योग्य अभ्यर्थी को सरकारी नौकरी में शामिल होने (जॉइनिंग) से नहीं रोका जा सकता। इसके साथ ही, कोर्ट ने दोहराया कि किशोर न्याय प्रणाली के तहत यदि किसी व्यक्ति का कोई अतीत रहा भी है, तो वह उसकी नौकरी के लिए कभी अयोग्यता नहीं बन सकता।

यह आदेश माननीय न्यायमूर्ति श्री प्रकाश सिंह की एकल पीठ ने सुशील त्रिपाठी द्वारा दायर रिट याचिका (WRIT A No. 12130 of 2025) पर सुनवाई करते हुए पारित किया। इस आदेश की महत्ता को देखते हुए हाईकोर्ट ने इसे ए.एफ.आर. (रिपोर्टिंग के लिए अनुमोदित) श्रेणी में सुरक्षित किया है, जिसका सीधा मतलब है कि इस निर्णय का उपयोग भविष्य में देश भर की अन्य अदालतों में एक कानून (नजीर) के रूप में किया जाएगा।

क्या था पूरा मामला?

याचिकाकर्ता सुशील त्रिपाठी ने साल 2021 में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC) द्वारा उत्तर प्रदेश क्षेत्र में निकाली गई मल्टी-टास्किंग स्टाफ (MTS) की भर्ती परीक्षा उत्तीर्ण की थी। प्रारंभिक और मुख्य परीक्षा दोनों में सफलता हासिल करने के बाद उन्हें जुलाई 2024 में नियुक्ति पत्र का प्रस्ताव भी मिल गया था। उन्होंने पूरी ईमानदारी के साथ अटेस्टेशन फॉर्म में अपने खिलाफ दर्ज दो पुराने मामलों की जानकारी दी थी। इसके बाद, अन्य सभी चयनित अभ्यर्थियों को जॉइनिंग दे दी गई, लेकिन सुशील की जॉइनिंग को केवल पुलिस सत्यापन (Police Verification) और इन दो मामलों के आधार पर रोक दिया गया था। विभाग का तर्क था कि जब तक कानूनी राय और पुलिस रिपोर्ट साफ नहीं होती, तब तक जॉइनिंग नहीं दी जा सकती।

हाईकोर्ट की तल्ख और मानवीय टिप्पणी

अदालत ने इस मामले पर बेहद गंभीर रुख अपनाते हुए कहा कि हमारे देश में अदालतों पर मुकदमों का भारी बोझ है, जिसकी वजह से क्लोजर रिपोर्ट पर अंतिम निर्णय आने में लंबा वक्त लग जाता है। ऐसे में किसी भी युवा के करियर को इस प्रशासनिक या न्यायिक देरी के भरोसे अधर में नहीं छोड़ा जा सकता। यदि भविष्य में ट्रायल कोर्ट क्लोजर रिपोर्ट को खारिज कर दोषी मानती है, तो विभाग के पास सेवा समाप्त करने का कानूनी विकल्प हमेशा खुला रहता है।सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों का हवाला देते हुए न्यायमूर्ति श्री प्रकाश सिंह ने कहा, 'किसी आपराधिक मामले में केवल संलिप्तता का आरोप होने का मतलब यह नहीं है कि वह व्यक्ति दोषी है। महज आरोप के आधार पर किसी को उसकी आजीविका से वंचित करना न तो सामान्य समझ (कॉमन सेंस) के दायरे में सही है और न ही कानूनन उचित।'

30 दिनों के भीतर जॉइनिंग का आदेश

हाईकोर्ट ने रिट याचिका को स्वीकार करते हुए क्षेत्रीय निदेशक, कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ESIC), क्षेत्रीय कार्यालय, कानपुर को कड़ा निर्देश दिया है कि वे याचिकाकर्ता के खिलाफ लंबित आपराधिक मामलों को दरकिनार करते हुए, आदेश की प्रमाणित प्रति प्राप्त होने के 30 दिनों के भीतर अनिवार्य रूप से जॉइनिंग लेटर जारी करें।

###अधिवक्ताओं की मेहनत और दमदार बहस से मिली बड़ी कामयाबी

इस बेहद जटिल और युवाओं के भविष्य से जुड़े केस में याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता विजय बहादुर सिंह एवं रोहित कुमार सिंह जी ने पैरवी की। बहस के दौरान दोनों अधिवक्ताओं ने कोर्ट के समक्ष तथ्यों को बेहद मजबूती और तार्किक ढंग से रखा। दोनों अधिवक्ताओं ने कोर्ट को बताया कि याचिकाकर्ता के खिलाफ दर्ज दो मामलों में से पहला मामला (NCR No. 93/2015, थाना-भीटी, अंबेडकरनगर) तब का है जब वह नाबालिग था और जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड द्वारा उसे किशोर घोषित किया जा चुका है? कानून के मुताबिक किशोर इतिहास नौकरी में कोई बाधा नहीं बनता। वहीं, दूसरे मामले (FIR No. 50/2020) में पुलिस जांच पूरी कर फाइनल क्लोजर रिपोर्ट अदालत में दाखिल कर चुकी है, जिससे यह साफ है कि अभ्यर्थी बेकसूर है।

अधिवक्ता विजय बहादुर सिंह जी और रोहित कुमार सिंह जी की इस असाधारण कानूनी समझ, अथक परिश्रम और शानदार बहस का ही परिणाम है कि हाईकोर्ट ने विभाग के मनमाने रवैये को खारिज करते हुए पीड़ित छात्र के पक्ष में यह ऐतिहासिक और तगड़ा आदेश पारित किया। इस बड़ी जीत से न सिर्फ सुशील त्रिपाठी को न्याय मिला है, बल्कि देश भर के उन लाखों युवाओं की उम्मीदें भी जागी हैं जो ऐसी ही तकनीकी और प्रशासनिक कमियों के कारण बेरोजगारी का दंश झेलने को मजबूर होते हैं।

सटायर से सियासत तक... आखिर कैसे ट्रेंड में आई कॉकरोच जनता पार्टी?

देश की राजनीति में सोशल मीडिया के जरिए एक ऐसे प्रतीक की एंट्री हुई है, जिससे करोड़ों भारतीय जुड़ चुके हैं। इसका नाम कॉकरोच जनता पार्टी। इस पार्टी की स्थापना के सिर्फ़ 6 दिन हुए हैं और इंस्टाग्राम पर इसके फॉलोअर्स की संख्या 21 मिलियन को पार कर गई है, यानी 2 करोड़ 10 लाख से ज्यादा लोग कॉकरोच जनता पार्टी के इंस्टाग्राम हैंडल को फॉलो कर चुके हैं. ये संख्या लगातार बढ़ रही है. सोचने वाली बात ये है कि जो कॉकरोच आमतौर पर गंदगी में रहते हैं। घरों में लोग जिसे किसी स्प्रे की मदद से या कुचलकर मार देते हैं, उसके नाम से सोशल मीडिया पर खड़ी की गई पार्टी आखिर इतनी लोकप्रिय कैसे हो गई? कॉकरोच जनता पार्टी की टैगलाइन है युवाओं का, युवाओं द्वारा, युवाओं के लिए एक राजनीतिक फ्रंट। इसकी स्थापना 6 दिन पहले 16 मई को हुई. इसके संस्थापक का नाम है अभिजीत दीपके. अभिजीत बॉस्टन यूनिवर्सिटी के छात्र हैं. पार्टी का मुख्य प्रतीक कॉकरोच या तिलचट्टा है. पार्टी का नारा है- धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी, लोकतांत्रिक और आलसी।

पार्टी के बनने की वजह?

इस पार्टी के बनने की वजह है बेरोजगार युवाओं पर कॉकरोच कटाक्ष. इसकी ट्रिगर घटना है भारत के मुख्य न्यायाधीश चीफ जस्टिस सूर्यकांत की एक टिप्पणी. 𝕏 पर इसके हैंडल का नाम है कॉकरोच इज़ बैक क्योंकि पिछला अकाउंट ब्लॉक कर दिया गया था. इसके ट्विटर अकाउंट के बायो में लिखा है कॉकरोच मरते नहीं. वैसे आपको ये ज़रूर बता दें कि ये पार्टी चुनाव आयोग में रजिस्टर्ड पार्टी नहीं हैं. अभी ये एक डिजिटल सटायर मूवमेंट है यानी एक ऑनलाइन कटाक्ष, एक ऐसा मीम, जो अचानक वायरल हो गया।

इस ऑनलाइन पार्टी के बनने की भी एक कहानी है. 15 मई को भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की एक टिप्पणी वायरल हो गई। उन्होंने कथित तौर पर कहा कि ऐसे युवा जिन्हें रोजगार नहीं मिल रहा, वो कॉकरोच की तरह मीडिया, सोशल मीडिया और एक्टिविज्म में जा रहे हैं और हर किसी पर हमला कर रहे हैं. फिर CJI ने अपने बयान पर विवाद बढ़ने के बाद सफाई दी. उन्होंने कहा कि उनकी टिप्पणी को गलत तरीके से पेश किया गया। इसके अगले दिन ही कॉकरोच जनता पार्टी का जन्म हुआ. इंस्टाग्राम पर अकाउंट बनते ही लोग इसे follow करते चले गए. अब इस पार्टी का सदस्य बनने की जो योग्यता मांगी गई है वो भी जान लीजिए।

बेरोजगार

आलसी

हमेशा ऑनलाइन रहना

पेशेवर तरीके से भड़ास निकालने की क्षमता

अभिजीत दीपके के बारे में

इस पार्टी की स्थापना करने वाले अभिजीत दीपके बॉस्टन यूनिवर्सिटी से पब्लिक रिलेशन में मास्टर्स कर रहे हैं. रिपोर्ट्स में कहा गया है कि अभिजीत 2020 से 2022 तक अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी के सोशल मीडिया स्ट्रैटजिस्ट रहे हैं। बाद में वो पार्टी से अलग होकर अमेरिका पढ़ाई करने चले गए. वैसे कॉकरोच जनता पार्टी के भविष्य के बारे में किसी को नहीं पता. कोई ये भी नहीं जानता कि भविष्य में ये पार्टी चुनाव आयोग में खुद को रजिस्टर कराएगी या फिर चुनाव चिन्ह के लिए आवेदन करेगी लेकिन जिस तेजी से युवा इस पार्टी से जुड़ रहे हैं, वो सबको हैरान कर रहा है। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष सभी इसे लेकर सावधान मुद्रा में हैं. वैसे इसके अनोखे नाम की वजह से भी लोग इस पार्टी के बारे में ज्यादा सर्च कर रहे हैं. इसके कारण गूगल ट्रेंड्स में कॉकरोच शब्द भी लोकप्रिय हो गया है।

मेट्रो स्टेशनों के पास किराये पर मिलेंगी APP आधारित साइकिलें

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने मेट्रो वाले शहरों में आमजन का सफर और आसान व सुविधाजनक बनाने की तैयारी शुरू कर दी है। मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने में होने वाली दिक्कतों को खत्म करने के लिए सरकार ने 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। मुख्य सचिव एसपी गोयल की अध्यक्षता में हुई प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग ग्रुप की बैठक में मेट्रो यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए। यात्रियों को पर्यावरण अनुकूल और सस्ती सुविधा उपलब्ध कराने के लिए मेट्रो स्टेशनों के पास मोबाइल एप आधारित साइकिल और ई-साइकिल किराए पर उपलब्ध कराने की व्यवस्था विकसित की जाएगी। इससे खासकर छात्रों, नौकरीपेशा लोगों और दैनिक यात्रियों को राहत मिलने की उम्मीद है। **प्रदूषण कम करने में मिलेगी मदद**

बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने और वहां से गंतव्य तक जाने की सुविधा जितनी बेहतर होगी, उतना ही आम जनता का रुझान मेट्रो की ओर बढ़ेगा। इसके लिए मेट्रो स्टेशनों के आसपास पार्किंग की पर्याप्त व्यवस्था विकसित करने, अंडरग्राउंड पार्किंग की संभावनाएं तलाशने और खाली भूखंडों पर पीपीपी मॉडल के तहत पार्किंग निर्माण की योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

संक्षिप्त ख़बरें

अब यूपी बोर्ड की किताबों की होम डिलीवरी करेगा Amazon, 5% तक मिलेगा कैशबैक

प्रयागराज। अप्रैल-2026 से शुरू हुए नए शैक्षिक सत्र से पहले ही एनसीईआरटी की तुलना में कक्षा छह से नौ तक की यूपी बोर्ड की सस्ती पाठ्यपुस्तकें पहली बार बाजार में उपलब्ध कराने के बाद सचिव भगवती सिंह ने अब प्रत्येक छात्र-छात्राओं तक पुस्तकें पहुंचाया जाना सुनिश्चित किया है। इसके लिए पहली बार यूपी बोर्ड की पाठ्यपुस्तकों की अमेजन के माध्यम से ऑनलाइन होम डिलीवरी भी शुरू की गई है। इसके लिए कोई डिलीवरी चार्ज नहीं लिया जाएगा। शुक्रवार को यूपी बोर्ड मुख्यालय में बोर्ड सचिव एवं अमेजन के प्रतिनिधि के बीच कुछ बिंदुओं पर वार्ता हुई। अमेजन प्रतिनिधि ने बताया कि कक्षा नौ व 10 की पुस्तकों का सेट ऑनलाइन मंगाने पर अमेजन आईसीआईसीआई कार्ड से भुगतान करने पर प्राइम मेंबर को पांच प्रतिशत कैश बैक दिया जाएगा। नॉन प्राइम मेंबर को तीन प्रतिशत कैश बैक दिया जाएगा। इंटरमीडिएट की किताबें निर्धारित मूल्य पर मंगाई जा सकेंगी। कक्षावार पुस्तकों का सेट खोजने एवं आर्डर प्रक्रिया को सरल बनाने के लिए आनलाइन पोर्टल pioneerbooks.in विकसित कराया गया है।

अमेजन की वेबसाइट पर ऐसे करें सर्च

छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावकों को अमेजन की वेबसाइट पर सर्च बार में जाकर कक्षा नौ की पुस्तकों का सेट खरीदने के लिए लिखना होगा- 'यूपी बोर्ड एनसीईआरटी क्लास-9 बुक्स'। इसी तरह कक्षा 10 के लिए- 'यूपी बोर्ड एनसीईआरटी क्लास-10 बुक्स' लिखना होगा। कक्षा नौ की किताबों के सेट का मूल्य 393 रुपये तथा कक्षा 10 की किताबों के सेट का मूल्य 440 रुपये है। यह किताबें दो से सात दिन के भीतर घर तक बिना किसी डिलीवरी चार्ज के पहुंचा दी जाएंगी।

कक्षा 11 और 12 की पुस्तकों के सेट के संबंध में बोर्ड सचिव भगवती सिंह ने बताया कि अलग-अलग वर्ग होने के कारण अलग-अलग सेट होंगे। ऐसे में छात्र-छात्राएं पुस्तकों के निर्धारित मूल्य पर ऑनलाइन मंगा सकेंगे। इस तरह छात्र-छात्राओं के पास दुकानों से किताबें खरीदने का तथा ऑनलाइन होम डिलीवरी का भी विकल्प मिल गया है।

ललितपुर में विजिलेंस का बड़ा ट्रैप

» आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी और लिपिक एक लाख की रिश्वत लेते गिरफ्तार

ललितपुर। भ्रष्टाचार के खिलाफ उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान झांसी की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी और उनके लिपिक को एक लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया। विजिलेंस टीम ने दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर कोतवाली पुलिस के सुपुर्द कर दिया, जहां भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। शिकायतकर्ता डा.उदयराम वर्मा निवासी ग्राम बांसी थाना जखौरा ने उत्तर प्रदेश सतर्कता अधिष्ठान झांसी से शिकायत की थी कि उनका लाइसेंस संबंधी कार्य कराने के एवज में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डा. अर्जुन लाल अहिरवार और कार्यालय के कनिष्ठ सहायक रामकृष्ण गुप्ता द्वारा एक लाख रुपये रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायत की पुष्टि होने के बाद विजिलेंस टीम ने ट्रैप की योजना बनाई। विजिलेंस निरीक्षक पीयूष पांडेय के नेतृत्व में टीम ने 21 मई 2026 को होटल आर्यन इन में शिकायतकर्ता को बुलाकर ट्रैप की कार्रवाई शुरू की।

डीएम द्वारा नामित स्वतंत्र गवाहों की मौजूदगी में शिकायतकर्ता से पांच-पांच सौ रुपये के 200 नोट यानी कुल एक लाख रुपये लेकर उन पर फीनॉलफ्थेलिन पाउडर लगाया गया। पूरी कार्रवाई की वीडियोग्राफी भी कराई गई। इसके बाद टीम शिकायतकर्ता के साथ क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी कार्यालय पहुंची। वहां शिकायतकर्ता ने रिश्वत की रकम डा.अर्जुन लाल अहिरवार को दी। आरोप है कि डा.अहिरवार ने 50 हजार रुपये अपनी मेज की दराज में रख लिए जबकि बाकी 50 हजार रुपये अपने लिपिक रामकृष्ण गुप्ता को दे दिए। संकेत मिलते ही विजिलेंस टीम ने कार्यालय में दबिश देकर दोनों को रंगे हाथ पकड़ लिया। तलाशी के दौरान डा.अर्जुन लाल अहिरवार की मेज की दराज से 50 हजार रुपये तथा लिपिक रामकृष्ण गुप्ता की अलमारी से 50 हजार रुपये बरामद किए गए। जांच में रिश्वत का नोट वही पाए गए जिन पर पहले से केमिकल लगाया गया था। आरोपियों और शिकायतकर्ता के हाथ धुलवाने पर घोल गुलाबी हो गया, जिससे रिश्वत लेने की पुष्टि हुई।

विजिलेंस टीम ने मौके से कई दस्तावेज, रजिस्टर और अन्य अभिलेख भी कब्जे में लिए हैं। कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोग कार्यालय परिसर में जमा हो गए, जिससे कुछ देर अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। इस मामले में आरोपियों डा.अर्जुनलाल अहिरवार निवासी झांसी तथा कनिष्ठ सहायक रामकृष्ण गुप्ता निवासी बांदा के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 (संशोधित 2018) की धारा 7 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले की विवेचना कोतवाली ललितपुर पुलिस को सौंपी गई है।

समय से बिजली न मिलने से बाजार वासियों में आक्रोश

● पूरा दिन रोस्टिग दिखाकर बिजली विभाग के कर्मचारी झाडते हैं अपना पल्ला।

विभागीय लापरवाही के चलते नहीं मिल पा रहा है क्षेत्र विसियों को बिजली।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया मीरजापुर। विभागीय लापरवाही के चलते नहीं मिल पा रही क्षेत्र वासियों को बिजली क्षेत्र के लोगों ने आक्रोश जताते हुए बताया कि जिस दिन बिजली बिल की वसूली करना होता है उस दिन सुबह से लेकर शाम तक बिजली मिलती है बाकी दिन लोग बिजली के लिए विभाग में फोन करते रहते हैं नहीं उठाता विभागीय अधिकारियों का फोन जहां एक तरफ लोग मीटर से परेशान थे वहीं अब दूसरी तरफ बिजली के लिए लिए तरस रहे ग्रामीण फिडर पर लाइन होने के बावजूद भी नहीं मिल पा रहा ग्रामीणों को बिजली विभागीय अधिकारियों से पूछने पर तरह-तरह की कहानी बताते हैं बिजली विभाग के अधिकारी ग्रामीण आक्रोश जताते हुए बताया कि नहीं मिलेगी बिजली तो नहीं देंगे आगे से बिल ग्रामीणों ने बताया कि इतनी विकराल गर्मी के बाद भी लोग बिजली के लिए तड़प रहे हैं बिजली न होने से घरों के बाहर निकल पा रहे हैं आदमी ना तो घर के अंदर रह पा रहे हैं बिजली को लेकर लंबा संकट छाया ग्रमिणो मे।

सीएमओ ने पीएचसी रेहरा बाजार का किया औचक निरीक्षण, ग्यारह कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर। जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ एवं व्यवस्थित बनाए रखने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने शुक्रवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रेहरा बाजार का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ग्यारह कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए, जिस पर सीएमओ ने नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान अशोक कुमार (चपरासी), प्रदीप कुमार (एनएमए), शरद कुमार श्रीवास्तव (वरिष्ठ सहायक), अनिल कुमार डेंटल हाइजनिस्ट , राजाराम (सफाई कर्मचारी), विकास शर्मा , शुभम सिंह माया देवी (वार्ड आया), गिरीश त्रिपाठी (लैब टेक्नीशियन), निशा वर्मा ए एन एम, डॉ रवि कांत चिकित्सा अधिकारी अनुपस्थित पाए गए।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अनुपस्थित पाए गए सभी कर्मचारियों के प्रति कड़ा रुख अपनाते हुए अनुपस्थित अवधि का वेतन रोकने के निर्देश दिए। उन्होंने यह निर्देश प्रभारी चिकित्सा अधिकारी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र रेहरा बाजार डॉ. विजय भान को दिए। सीएमओ डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने कहा कि जनपद में स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुलभ एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए ऐसे नियमित औचक निरीक्षण जारी रहेंगे। उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और मरीजों को बेहतर उपचार उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है।

प्रचंड गर्मी और मांग बढ़ने के बावजूद यूपी में बिजली व्यवस्था सुचारु,तय शेड्यूल के अनुसार हो रही आपूर्ति

लखनऊ। प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी और विद्युत मांग बढ़ने के बावजूद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश की बिजली व्यवस्था लगातार सुचारु बनी हुई है। उ.प्र. पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) द्वारा सभी क्षेत्रों में निर्धारित शेड्यूल के अनुरूप विद्युत आपूर्ति कर रहा है। ट्रासफार्मर आदि को लेकर आने वाली शिकायतों का शीघ्र निस्तारण किया जा रहा है। इससे आम जनता को बड़ी राहत मिल रही है। प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों को 18 घंटे, तहसील मुख्यालयों एवं नगर पंचायतों को साढ़े 21 घंटे तथा जिला मुख्यालयों को 24 घंटे विद्युत आपूर्ति देने का शेड्यूल है। प्रदेश में विद्युत मांग रात्रि में लगभग 32 से 33 हजार मेगावाट तक पहुंच रही है। जिस मांग को पूर्ण करने के लिए उप्र. पावर कारपोरेशन दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक अनुबंधों, ऊर्जा एक्सचेंजों और विभिन्न राज्यों से ऊर्जा बैंकिंग के माध्यम से व्यापक प्रयास कर रहा है। उ.प्र. पावर कारपोरेशन के निदेशक वितरण ज्ञानेन्द्र धर द्विवेदी ने बताया कि भीषण गर्मी को देखते हुए यूपीपीसीएल प्रदेश की जनता को राहत पहुंचाने के लिए दिन में सभी को रोस्टरिंग मुक्त बिजली मुहैया कर रहा है। 21 मई को दोपहर में 2 बजे लोड 29,493 मेगावाट के सर्वकालिक उच्च स्तर (ऑल-टाइम हाई) पर पहुंच गया।

करोड़ो की पानी टंकी बनी, CM ने किया उद्घाटन... फिर भी सूखे नल; टेकुआपाती में ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

● तीन साल बाद नहीं शुरू हुई जलापूर्ति,

● बदहाल पड़ी योजना के खिलाफ ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवा- गोरखपुर जिले के सहजनवा क्षेत्र में सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना के तहत हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने का दावा किया जा रहा है, लेकिन सहजनवा ब्लॉक के ग्राम पंचायत टेकुआपाती में यह योजना ग्रामीणों के लिए अब तक सिर्फ कागजों और वादों तक ही सीमित नजर आ रही है। करीब 3 करोड़ रुपये की लागत से बनी पानी की टंकी तैयार होने और मुख्यमंत्री द्वारा उद्घाटन किए जाने के बावजूद आज तक गांव में जलापूर्ति शुरू नहीं हो सकी है। इसे लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा और उन्होंने प्रदर्शन कर जल्द पानी आपूर्ति शुरू कराने की मांग उठाई।

ग्रामीणों का कहना है कि जल जीवन मिशन के तहत गांव में पानी की टंकी का निर्माण कराया गया था और 20 जून 2023 को मुख्यमंत्री द्वारा इसका उद्घाटन भी किया गया। निर्माण कार्य के दौरान जल निगम की ओर से गांव के घरों तक तेजी से पाइप लाइन बिछाने का काम किया गया था। लोगों को उम्मीद थी कि जल्द ही घर-घर पानी पहुंचेगा, लेकिन तीन साल बीतने के बाद भी नलों से एक बूंद पानी नहीं निकला।

ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि करोड़ों रुपये की लागत से बनी योजना अब बदहाली की शिकार हो चुकी है। पानी की टंकी परिसर का मुख्य गेट टूट चुका है, जिसे रस्सी से बांधकर किसी तरह रोका गया है। दरवाजों में जंग लग चुकी है, चारदीवारी जगह-जगह क्षतिग्रस्त हो गई है और परिसर के अंदर गंदगी का अंबार लगा हुआ है। सुरक्षा के नाम पर परिसर के भीतर कांटेदार अवरोध लगा दिए गए हैं।

ग्रामीणों ने प्रशासन से तत्काल जलापूर्ति शुरू कराने और योजना की जांच कर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की है। इस संबंध में अधिशासी अभियंता अखिल कुमार ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है और जानकारी मिलने के बाद जल्द ही जलापूर्ति शुरू कराने की कार्रवाई की जाएगी। प्रदर्शन में संतराज चौधरी, मोतीलाल, मोहब्ती देवी, शारदा देवी, सतेंद्र चौधरी, अशोक चौधरी, संजय, रामचंद्र यादव, दीनानाथ, श्रीराम, पन्नेलाल, अमरनाथ समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबरें

अतिक्रमण कर यातायात बाधित करने वालों पर बड़ी कार्यवाही, वाहन स्वामियों को अंतिम चेतावनी

कानपुर। आज दिनांक 22.05.2026 को पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार के निर्देशन में सुगम यातायात योजना 'Reducing Traffic Congestion (RTC) Scheme' के अंतर्गत शहर में यातायात व्यवस्था को सुगम, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने हेतु विशेष अभियान चलाया गया । अभियान के दौरान शहर के विभिन्न प्रमुख मार्गों पर सड़क किनारे नो पार्किंग जोन में खड़े वाहनों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। यातायात पुलिस कर्मियों द्वारा लाउड हेलर के माध्यम से वाहन स्वामियों/चालकों को सूचित करते हुए अपने वाहनों को तत्काल नो पार्किंग क्षेत्र से हटाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके बावजूद भी जिन वाहन स्वामियों द्वारा अपने वाहन नहीं हटाए गए, उनके वाहनों को क्रेन के माध्यम से कुल 14 चार पहिया वाहनों को यातायात पुलिस लाइन कानपुर नगर भेजा गया। वाहन स्वामियों को यातायात नियमों का पालन करने हेतु अंतिम चेतावनी देते हुए नियमानुसार उनके वाहन सुपुर्द किए गए। यातायात पुलिस कानपुर नगर द्वारा आमजन से अपील कि जाती है कि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थलों पर ही खड़े करें तथा नो पार्किंग जोन में वाहन खड़ा कर यातायात व्यवस्था बाधित न करें। यातायात नियमों का पालन कर शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम एवं सुरक्षित बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें। सभी नागरिकों से अपील कि जाती है कि वे यातायात नियमों का पालन करें एवं किसी भी असुविधा की स्थिति में ट्रैफिक कन्ट्रोल/ हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

बाल विवाह कराने पर पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

ललितपुर। बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के खिलाफ प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई जारी है। डीएम सत्य प्रकाश के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान के तहत बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम का उल्लंघन करने पर पांच लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। प्रोबेशन अधिकारी नंदलाल के निर्देशन में बाल कल्याण समिति एवं चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम ने थाना बानपुर में शिकायत दर्ज कराते हुए दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई कराई। बाल कल्याण समिति अध्यक्ष राजकुमार, सदस्य अर्चना सक्सेना, वासुदेव, रविनारायण चौबे एवं प्रताप नारायण गोस्वामी की सहमति पर चाइल्ड हेल्पलाइन के को-ऑर्डिनेटर अजय कुशवाहा और पर्यवेक्षक शुभम शुक्ला ने पुलिस को तहरीर दी। शिकायतकर्ता म.प्र.छतरपुर के थाना धुवारा अंतर्गत ग्राम नयाखेड़ा निवासी चन्द्रपाल पुत्र मथुरा पाल ने बताया कि उसने 5 मई को 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन पर 17 वर्षीय बालिका के बाल विवाह की सूचना दी थी। शिकायत के अनुसार बालिका के माता-पिता द्वारा 12 मई 2026 को उसका विवाह थाना जखौरा अंतर्गत ग्राम धुरवारा निवासी कमल सिंह पुत्र श्यामलाल पाल के साथ करा दिया गया। सूचना मिलने पर बाल कल्याण समिति ने बालिका एवं उसके परिजनों को समझाइश दी थी। परिजनों ने समिति के समक्ष शपथ पत्र देकर बालिका की 18 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद ही विवाह कराने का आश्वासन भी दिया था, लेकिन इसके बावजूद विवाह करा दिया गया। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने बालिका के पिता-माता, लड़के के पिता श्यामलाल पाल, माता तथा एक सक्रिय सदस्य के खिलाफ बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 की धारा 10 एवं 11 के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रशासन ने कहा है कि बाल विवाह रोकने के लिए जिले में लगातार अभियान चलाया जाएगा तथा इस प्रकार के मामलों में दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर में बच्चें सीख रहे धार्मिक संस्कार

श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर द्वारा आयोजित किया जा रहा शिविर

ललितपुर। समाधिस्थ आचार्य श्रेष्ठ 108 विद्यासागर महाराज,नवाचार्य श्री 108 समय सागर महाराज के मंगल आशीर्वाद एवं तीर्थचक्रवर्ती जगतपूज्य निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108 सुधासागर महाराज के मंगल आशीर्वाद व प्रेरणा से श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर,जयपुर द्वारा आयोजित शिक्षण शिविर दिगम्बर जैन समाज मड़ावरा के तत्वावधान में नगर की ह्दयस्थली श्री महावीर विद्याविहार में 17 से 25 मई तक आयोजित किया जा रहा है। शिविर के स्थानीय संयोजक डा0 राकेश जैन सिंघई ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतिदिन शिक्षण शिविर विदुषी राशि जैन,विदुषी सिमी जैन के मार्गदर्शन में आयोजित किया जा रहा है।शिविर के माध्यम से बच्चे धार्मिक शिक्षा प्राप्त कर ज्ञान अर्जन कर रहे हैं।

चवई खुर्द मोड़ पर अवैध मेडिकल स्टोर पर स्वास्थ्य विभाग का बड़ा एक्शन, क्लीनिक सील

● सीएमओ से शिकायत के बाद हुई छापेमारी, दस्तावेज न दिखाने पर कार्रवाई

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीदत्तगंज/बलरामपुर। जनपद में अवैध रूप से संचालित मेडिकल स्टोर और झोलाछाप क्लीनिकों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग ने सख्त रुख अपनाना शुरू कर दिया है। इसी क्रम में गुरुवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र श्रीदत्तगंज की टीम ने चवई खुर्द मोड़ पर अवैध रूप से संचालित मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक पर छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मौके पर आवश्यक अभिलेख न मिलने पर मेडिकल स्टोर को सील कर दिया। यह कार्रवाई गोंडा निवासी आजाद शरीफ द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर से की गई शिकायत के आधार पर की गई। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि चवई खुर्द मोड़ पर शाबान अली नामक व्यक्ति बिना वैध लाइसेंस और अनुमति के मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक संचालित कर रहा है, जिससे लोगों की सेहत के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए अधीक्षक डॉ. आनंद प्रकाश तिवारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। जांच के दौरान टीम को मेडिकल स्टोर संचालित मिलता पाया गया, जहां शाबान अली मौजूद था। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जब मेडिकल स्टोर से संबंधित लाइसेंस, पंजीकरण एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज मांगे गए तो संचालक कोई भी वैध कागजात प्रस्तुत नहीं कर सका।

टीम ने मौके का निरीक्षण किया, जहां किसी प्रकार की वैध चिकित्सीय व्यवस्था या मरीज नहीं मिले। दस्तावेजों के अभाव और प्रथम दृष्टया अनियमितता पाए जाने पर स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल मेडिकल स्टोर को सील कर दिया। साथ ही संचालक को एक सप्ताह के भीतर सभी वैध अभिलेख प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित मेडिकल स्टोर एवं क्लीनिक चलाने वालों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने विभाग की कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अवैध क्लीनिकों पर सख्त कार्रवाई जरूरी है, ताकि ग्रामीणों की जिंदगी के साथ खिलवाड़ न हो सके। छापेमारी टीम में अधीक्षक डॉ. आनंद प्रकाश तिवारी, स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी मिश्रा, विजय प्रताप सिंह एवं प्रमोद कुमार यादव शामिल रहे।

पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा रिजर्व पुलिस लाइन अमेठी में शुक्रवार परेड की सलामी ली गई

● एवं निरीक्षण कर दिए गए आवश्यक निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। पुलिस अधीक्षक अमेठी सरवणन टी. के द्वारा पुलिस लाइन परेड ग्राउंड में शुक्रवार परेड की सलामी ली गई तथा परेड का निरीक्षण किया गया । इस दौरान पुलिस बल के शारीरिक व मानसिक रूप से फिट रहने के लिए समस्त पुलिसकर्मियों के साथ स्वयं दौड़ लगायी गयी एवं अनुशासन व एकरूपता बनाए रखने के लिए ड्रिल करवाया गया। परेड में पुलिस लाइन, पुलिस कार्यालय व जनपद के विभिन्न थानों व शाखाओं के अधिकारी/कर्मचारीगण सम्मिलित हुये। निरीक्षण के पश्चात पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा परेड में शामिल समस्त पुलिसकर्मियों को साफ- सुथरी एवं अच्छी वर्दी धारण करने हेतु निर्देशित किया गया। तत्पश्चात पुलिस अधीक्षक अमेठी द्वारा पुलिस लाइन का मुआयना करते हुए बैरक, शस्त्रागार, मेस, बैरिक, कैश कार्यालय, परिवहन शाखा, आदि क निरीक्षण किया गया तथा 112-पीआरवी व थानों के वाहनों में आवश्यक भीड़ व दंगा नियंत्रण उपकरणों को चेक किया गया एवं संबंधित को आवश्यक आदेश-निर्देश दिए गए। तत्पश्चात पुलिस लाइन में विभिन्न रजिस्टरों एवं अभिलेखों को चेक कर अद्यावधिक रखने हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। इस दौरान क्षेत्राधिकारी लाइन्स श्वेताभ भास्कर, क्षेत्राधिकारी गौरीगंज अखिलेश वर्मा, प्रतिसार निरीक्षक अमेठी व अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण मौजूद रहे।

जय अंबे रक्तदान समिति ने चार जरूरतमंदों को दिलाया जीवनदान

वैवाहिक वर्षगांठ पर कमलेश एड. ने किया रक्तदान, शिवम श्रीवास्तव ने 30वीं बार किया रक्तदान

ललितपुर। जय अंबे रक्तदान समिति द्वारा जरूरतमंद मरीजों की लगातार मदद करते हुए चार लोगों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया गया। समिति के प्रयासों से गंभीर अवस्था में भर्ती मरीजों को नया जीवन मिलने की उम्मीद जगी। जानकारी के अनुसार सीता एवं ज्योति पवार नामक दो महिलाओं ने समिति अध्यक्ष दीपक राठौर को सूचना देकर बताया कि उनकी मां जमुना देवी मेडिकल कॉलेज में गंभीर हालत में भर्ती हैं और उन्हें तत्काल ओ नेगेटिव ब्लड की आवश्यकता है। परिजनों का ब्लड ग्रुप मैच नहीं हुआ तथा ब्लड बैंक में भी पिछले तीन दिनों से ओ नेगेटिव ब्लड उपलब्ध नहीं था। डॉक्टरों द्वारा लगातार रक्त की व्यवस्था करने के लिए कहा जा रहा था। समिति पिछले तीन दिनों से लगातार रक्त की व्यवस्था के प्रयास में जुटी हुई थी। इसी दौरान समिति के माध्यम से सूचना मिलने पर शिवम श्रीवास्तव ने अपने निजी कार्य छोड़कर तत्काल ब्लड बैंक पहुंचकर 30वीं बार रक्तदान किया और जमुना देवी के लिए बहुमूल्य ओ नेगेटिव ब्लड उपलब्ध कराया।

अमेठी में जनगणना 2027 का आगाज, घर-घर पहुंचकर शुरू हुई मकानों की गणना

● जनगणना 2027: अमेठी में मकान सूचीकरण अभियान शुरू, प्रशासन ने मांगा जनसहयोग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अमेठी। भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत प्रथम चरण में शुक्रवार, 22 मई 2026 से जनपद अमेठी में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य विधिवत रूप से प्रारंभ कर दिया गया। इस महत्वपूर्ण अभियान के तहत नियुक्त प्रगणक (Enumerator) एवं सुपरवाइजर घर-घर जाकर मकानों का सर्वेक्षण करते हुए सूचीकरण और गणना का कार्य कर रहे हैं। जिला प्रशासन ने इस कार्य को गंभीरता एवं शत-प्रतिशत सफलता के साथ संपन्न कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि कोई भी मकान गणना से वंचित न रह जाए। जिला प्रशासन के अनुसार, जनगणना देश के विकास की आधारभूत प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से जनसंख्या, आवासीय स्थिति, संसाधनों और सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों से संबंधित महत्वपूर्ण आंकड़े संकलित किए जाते हैं। इन आंकड़ों का उपयोग भविष्य की योजनाओं, सरकारी नीतियों तथा जनहितकारी कार्यक्रमों के निर्माण में किया जाता है। ऐसे में मकान सूचीकरण एवं गणना कार्य की सटीकता अत्यंत महत्वपूर्ण है।जनपद में नियुक्त प्रगणक और सुपरवाइजरों ने आज से अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में पहुंचकर मकानों का सत्यापन, सूचीकरण एवं गणना का कार्य प्रारंभ कर दिया है। इस दौरान टीम द्वारा प्रत्येक मकान की स्थिति, उपयोग, संरचना सहित निर्धारित प्रारूप के अनुसार आवश्यक विवरण संकलित किए जा रहे हैं। जिला प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि सर्वेक्षण के दौरान कोई भी मकान छूटने न पाए तथा पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, व्यवस्थित एवं समयबद्ध तरीके से संपन्न हो।

जिला प्रशासन ने सभी प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों से विशेष अपील करते हुए कहा है कि वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी और तेज धूप को ध्यान में रखते हुए वे अपने स्वास्थ्य एवं सुरक्षा का भी विशेष ध्यान रखें। प्रशासन ने निर्देशित किया है कि सभी कर्मचारी अपने साथ पेयजल, ओआरएस (ORS) का पैकेट, गमछा अथवा सिर ढंकने के आवश्यक साधन अनिवार्य रूप से रखें, जिससे लू एवं गर्मी से बचाव किया जा सके और कार्य प्रभावित न हो।इसके अतिरिक्त जिला प्रशासन ने जनपदवासियों से भी सहयोग की अपील की है। प्रशासन का कहना है कि जब प्रगणक अथवा सुपरवाइजर उनके घर पहुंचें तो नागरिक उन्हें आवश्यक जानकारी उपलब्ध कराएं और सर्वेक्षण कार्य में पूरा सहयोग दें। प्रशासन ने कहा कि जनगणना केवल सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश के विकास से जुड़ा एक महत्वपूर्ण दायित्व है, जिसमें आमजन की सहभागिता आवश्यक है।

युग कृष्णा गैस एजेंसी बढ़नी की लापरवाही से उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश

● ट्रांसफर बाउचर व गैस सेवा के लिए घंटों भटकने को मजबूर लोग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बलरामपुर जनपद में संचालित युग कृष्णा गैस एजेंसी बढ़नी सिद्धार्थनगर की कार्यप्रणाली को लेकर उपभोक्ताओं में लगातार नाराजगी बढ़ती जा रही है। एजेंसी पर ट्रांसफर बाउचर बनवाने और गैस संबंधी कार्य कराने पहुंचे लोगों को महीनो इंतजार करना पड़ रहा है, लेकिन इसके बावजूद भी उनका काम समय से नहीं हो पा रहा। एजेंसी की अव्यवस्था और कर्मचारियों के मनमानी रवैये से आम जनता परेशान दिखाई दे रही है। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले उपभोक्ताओं का आरोप है कि सुबह से लाइन में लगने के बावजूद उन्हें बार-बार दूसरे दिन आने के लिए कहा जाता है। कई लोगों ने बताया कि एजेंसी पर पर्याप्त व्यवस्था न होने के कारण महिलाओं, बुजुर्गों और दूर-दराज से आने वाले उपभोक्ताओं को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी में घंटों खड़े रहने के बाद भी लोगों को राहत नहीं मिल पा रही। उपभोक्ताओं ने आरोप लगाया कि ट्रांसफर बाउचर बनाने की प्रक्रिया बेहद धीमी है, जिससे लोगों का पूरा दिन बर्बाद हो जाता है। एजेंसी पर भीड़ अधिक होने के बावजूद व्यवस्थाएं नाकाफी हैं। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था में सुधार नहीं किया गया तो उपभोक्ताओं का आक्रोश और बढ़ सकता है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारियों से एजेंसी की कार्यप्रणाली की जांच कराने तथा उपभोक्ताओं को हो रही समस्याओं का तत्काल समाधान कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि गैस जैसी आवश्यक सेवा में लापरवाही सीधे आम जनता को प्रभावित कर रही है, जिसे किसी भी हाल में नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए।

रवि सीजन 2026 के फसल बीमा क्लेम में अनियमितता का आरोप

किसानों ने डीएम से की शिकायत

ललितपुर। तहसील पाली क्षेत्र के ग्राम पंचायत बालाबेहट के किसानों ने रवि सीजन 2026 के फसल बीमा क्लेम में अनियमितता का आरोप लगाते हुए जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपा है। किसानों का आरोप है कि बालाबेहट स्थित बैंक के कर्मचारियों एवं दलालों की मिलीभगत से नियमों के विपरीत कुछ किसानों के खातों में लाखों रुपये का बीमा क्लेम भेज दिया गया, जबकि अधिकांश किसानों को एक भी पैसा नहीं मिला। शिकायत पत्र में बताया गया कि कई किसानों के खातों से बीमा प्रीमियम काटा गया था और समय पर नुकसान की सूचना भी दी गई थी, इसके बावजूद उन्हें बीमा क्लेम की राशि नहीं दी गई। वहीं कुछ चुनिंदा किसानों के खातों में दो लाख, पांच लाख और आठ लाख रुपये तक की राशि भेजे जाने का आरोप लगाया गया है। भारतीय किसान यूनियन लोक शक्ति जिलाध्यक्ष सुनील शर्मा एवं क्षेत्रीय किसानों ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा वंचित किसानों को बीमा क्लेम की राशि दिलाने की मांग की है।

ट्रैक्टर पलटने से युवक की दर्दनाक मौत

बस्ती। बस्ती जिले के छावनी थाना क्षेत्र के गोड़सरा तिवारी गाँव निवासी सनोज यादव (24 वर्ष) की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, सनोज यादव अपनी महिंद्रा ट्रैक्टर से परस रामपुर थाना क्षेत्र के नेदुला गाँव अपने रिश्तेदारों के यहां गन्ने की जोताई करने गए थे। इसके बाद कंकरा गाँव में जोताई करके वापस लौटते समय मखौड़ा के पास ट्रैक्टर असंतुलित होकर सड़क किनारे गहरे गड्ढे में पलट गया। हादसे में ट्रैक्टर के नीचे दबकर सनोज यादव की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर परस रामपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बस्ती भेज दिया। मृतक की मौत की खबर घर पहुँचते ही परिवार में कोहराम मच गया। राम सागर यादव के चार बेटों में सनोज तीसरे नंबर पर था। परिवार पहले से ही बीमार चल रहे पिता के साथ इस दुखद घटना से बुरी तरह सदमे में है।

लखनऊ-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित मार्केट में तड़के लगी भीषण आग से 17 गाड़ी जलकर हुई खाक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। एक तो भीषण गर्मी ऊपर से आग का कहर। मार्केट में मौजूद इलेक्ट्रिक स्कूटी शोरूम में आग लगने के बाद देखते ही देखते लपटों ने विकराल रूप ले लिया। कई ई-स्कूटी जलकर खाक हो गई और बिल्डिंग को भी भारी नुकसान पहुंचा। राहत की बात यह रही कि आग से कोई जनहानि नहीं हो पाई।

आपको बता दे लखनऊ कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोहरामऊ में स्थित भाजपा नेता हरिकेश सिंह की मार्केट है जिसमें एक ई स्कूटी का शोरूम संचालित था। सुबह तड़के किन्हीं कारणों से शोरूम में आग लग गई देखते ही देखते कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना पर पहुंची थाना सोहरामऊ पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम की सूझ बूझ से जल्द ही आग पर काबू पा लिया गया। सोहरामऊ पुलिस ने साहस दिखाते हुए जलती दुकान में अंदर घुसकर आग पर काबू पाने का काम किया। जिससे बड़ी जनहानि टल गई। विशेषज्ञों के अनुसार इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाली लिथियम-आयरन बैटरियों में आग लगने पर स्थिति अधिक खतरनाक हो सकती है। ऐसे मामलों में सामान्य पानी की बजाय फोम या ड्राई केमिकल आधारित फायर सिस्टम अधिक प्रभावी माना जाता है। आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट या बैटरी से जुड़े तकनीकी कारणों की जताई जा रही है, हालांकि वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। भीषण गर्मी के मौसम में दुकानदारों और गोदाम संचालकों को वायरिंग, बैटरी स्टोरेज और फायर सेफ्टी उपकरणों की नियमित जांच करानी चाहिए ताकि ऐसे हादसों से बचा जा सके।

एएलएस एंबुलेंस सेवा यूपी के मरीजों के लिए जीवन रक्षक हो रही साबित

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती- उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित की गई एएलएस एंबुलेंस का संचालन जेन प्लस 365 मैड केयर के द्वारा किया जा रहा है। बस्ती जिला हॉस्पिटल में बोलोरो और ट्रेलर के टक्कर से बोलेरो में आग लग जाने की वजह से उसमें बैठे पीडब्लूडी के कर्मचारी गंगाराम 42 निवासी आटा खुर्द जिला-संतकबीरनगर के खजौला पुलिस चौकी बस्ती के पास एक्सीडेंट हो गया था घायल को वहां से लाकर जिला अस्पताल बस्ती में भर्ती किया गया था घायल गंगाराम के हाथ सिर व शरीर में ज्यादा चोट लगने एवं आग लगने से उनके शरीर का कुछ पार्ट जल गया था जिला अस्पताल में प्राथमिक ट्रीटमेंट करने के बाद डा0 विजय शंकर सिंह द्वारा केजीएमसी लखनऊ रेफर कर दिया गया था डॉक्टर के द्वारा एएलएस एंबुलेंस पर कॉल लगवाया जाता है जिसमें मरीज को यूपी 32 ईजी 6392 गाड़ी मिलती है मरीज को एंबुलेंस स्टाफ ईएमटी संतोष यादव के द्वारा गाड़ी में शिफ्ट किया गया था मरीज की देखभाल करते हुए मरीज को लगातार ड्रिप और आक्सीजन लगाकर मरीज को केजीएमयू लखनऊ में सुरक्षित पहुंचाया गया और तत्काल भर्ती करवाया गया। घायल मरीज को सुरक्षित मानक स्पीड और एसी की सुविधा देते हुए पायलट जामवंत राय भी सहयोग करते रहे। समय से निःशुल्क सुविधा मिलने पर मरीज के घर वाले उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित एएलएस एंबुलेंस सेवा

और स्टाफ की सेवा से बहुत प्रभावित थे बोल रहे थे गंभीर मरीजों के लिए ये अच्छी सेवा है और इस एंबुलेंस के स्टाफ कुशल एवं अच्छे है पीड़ित परिवार ने एंबुलेंस की बेहतर सुविधा व्यवस्था मिलने पर एंबुलेंस पर कार्यरत कर्मचारियों व प्रदेश सरकार के प्रति आभार जताया।

गांव की चौपाल में सुनी गई ग्रामीणों की समस्याएं, मौके पर हुआ निस्तारण

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

तुलसीपुर, बलरामपुर। प्रदेश सरकार की पहल 'गांव की समस्या, गांव में समाधान' अभियान के तहत विकासखंड तुलसीपुर की ग्राम पंचायत दादव में पंचायत भवन पर चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व ग्राम विकास अधिकारी मीनाक्षी राव एवं ग्राम प्रधान द्वारा किया गया। चौपाल में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिनमें विधवा पेंशन, वृद्धा पेंशन, आवास, राशन कार्ड एवं अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं। अधिकारियों द्वारा कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया, जबकि शेष समस्याओं के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया।

इस दौरान ग्राम पंचायत की आय बढ़ाने को लेकर भी चर्चा की गई तथा पंचायत की आय के नए स्रोत विकसित करने की योजना बनाई गई। ग्राम विकास अधिकारी ने पंचायत सहायक को निर्देशित किया कि पंचायत भवन में नियमित रूप से उपस्थित रहकर ग्रामीणों की विधवा एवं वृद्धा पेंशन सहित अन्य योजनाओं से संबंधित ऑनलाइन फीडिंग कार्य करें तथा निर्धारित शुल्क ग्राम पंचायत के खाते में जमा कराया जाए। चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई और उन्हें योजनाओं का लाभ लेने के लिए जागरूक किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के कर्मचारी, ग्रामीण एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने माँ बेल्हा देवी धाम के निर्माणाधीन कॉरिडोर का किया स्थलीय निरीक्षण

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी अभिषेक पाण्डेय ने गुरुवार की सायंकाल माँ बेल्हा देवी धाम के निर्माणाधीन कॉरिडोर का स्थलीय निरीक्षण कर कार्यों की प्रगति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से तैयार किये जा रहे विभिन्न प्रस्तावों की जानकारी प्राप्त की तथा सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।जिलाधिकारी ने कहा कि माँ बेल्हा देवी धाम जिले का प्रमुख धार्मिक एवं आस्था का केन्द्र है, जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिये पहुंचते हैं। ऐसे में कॉरिडोर निर्माण कार्य को योजनाबद्ध ढंग से तेजी के साथ पूर्ण कराया जाना आवश्यक है, ताकि आने वाले श्रद्धालुओं को सुगम एवं बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हो सकें। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कॉरिडोर निर्माण की गुणवत्ता, सौन्दर्यीकरण, मार्ग व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, स्वच्छता, पेयजल, बैठने की व्यवस्था एवं अन्य यात्री सुविधाओं का निरीक्षण किया।

व्हाट्सएप कॉल कर कंपनी मालिक बन बैंक मैनेजरों को झांसे में लेने वाले साइबर गैंग का सदस्य गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बस्ती। बस्ती जिले की पुलिस अपराध रोकने में नाकाम साबित हो रही है कहीं हत्या हो रही है तो कहीं चोरी हो रही है और कहीं चाकू बाजी हो रही है नहीं संभाल रहा जिला पुलिस से लोग अपनी सुरक्षा स्वयं करें क्योंकि रात में ग्रस्त का काम बंद हो गया है जिससे चोरी की घटनाओं में बाढ़ आ गई

ताजा मामलासाइबर थाना बस्ती पुलिस ने प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रोपराइटर, डायरेक्टर और सीईओ बनकर बैंक अधिकारियों को व्हाट्सएप कॉल और मैसेज के जरिए झांसे में लेकर साइबर ठगी करने वाले गैंग के एक शातिर सदस्य को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से फर्जी मोहर, चेकबुक, डेबिट कार्ड, मोबाइल फोन, सिम कार्ड और बैंक दस्तावेज बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार 5 जुलाई 2025 को बालकराम महादेव प्रसाद सर्राफ फर्म के मालिक प्रज्ज्वल गुप्ता पुत्र संजय कुमार गुप्ता निवासी पिकौरा बक्स, गांधी नगर थाना कोतवाली बस्ती ने साइबर थाना में तहरीर देकर बताया था कि दो अज्ञात व्यक्तियों ने उनकी दुकान से 10-10 ग्राम के सोने के सिक्के खरीदकर करीब 2 लाख 6 हजार 650 रुपये का ऑनलाइन भुगतान किया था। बाद में ट्रांजेक्शन संदिग्ध पाए जाने पर खाते को फ्रीज कराया गया। मामले में साइबर क्राइम थाना बस्ती पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई।पुलिस अधीक्षक बस्ती डॉ. यशवीर सिंह के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक श्यामकांत तथा क्षेत्राधिकारी सदर सत्येन्द्र भूषण तिवारी के पर्यवेक्षण में साइबर थाना प्रभारी राम कुमार राजभर की टीम ने जांच और सर्विलांस के जरिए 22 मई 2026 को अमहट फोरलेन के पास से आरोपी विशाल वर्मा पुत्र सालिक राम वर्मा निवासी थाना धानेपुर जनपद गोण्डा को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक यह गिरोह गूगल और अन्य ओपन सोर्स माध्यमों से नामी कंपनियों और उनके मालिकों, डायरेक्टरों तथा सीईओ की जानकारी जुटाता था। इसके बाद गिरोह के सदस्य फर्जी मोबाइल नंबर से व्हाट्सएप अकाउंट बनाकर संबंधित कंपनी प्रमुख की फोटो डीपी में लगाते थे और बैंक मैनेजर को कॉल कर खुद को कंपनी का मालिक बताकर खाते से रकम ट्रांसफर करने के लिए कहते थे।

कई बार बैंक अधिकारी झांसे में आकर बताए गए खातों में रकम ट्रांसफर कर देते थे। गिरोह के सदस्य बाद में एटीएम, चेक और यूपीआई के जरिए रकम निकाल लेते थे। कुछ मामलों में रकम से सोने के सिक्के खरीदकर पैसों को खपाया जाता था।

गिरफ्तार आरोपी के पास से खुशी इंटरप्राइजेज और मुस्कान इंटरप्राइजेज के नाम की दो मोहरें, बंधन बैंक की चेकबुक, एचडीएफसी बैंक का डेबिट कार्ड, एयरटेल सिम, एंड्रॉयड मोबाइल फोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड और बैंक पासबुक बरामद की गई है। पुलिस ने बताया कि मामले में गिरोह के दो अन्य आरोपी श्रीकांत वर्मा और सोनू कुमार को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

प्रेम प्रसंग में युवक पर जानलेवा हमला, 6 आरोपी गिरफ्तार

बस्ती। बस्ती जिले के थाना हर्रैया पुलिस, एसओजी एवं सर्विलांस टीम की संयुक्त कार्रवाई में हत्या के प्रयास की सनसनीखेज घटना का सफल खुलासा करते हुए पुलिस ने 6 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त एक लोहे की रॉड तथा एक लकड़ी का डंडा भी बरामद किया है।पुलिस के अनुसार थाना हर्रैया में दर्ज मुकदमा संख्या 105/2026 धारा 109(1)/190/ 191(2)/191(3)/115(2)/352/351(3)/324(4) बीएनएस के तहत कार्रवाई करते हुए अभियुक्त विपुल, संजीत, अभिषेक, शाहबान, छोटू उर्फ विक्रम तथा मन्टू उर्फ रजनीश को अलग-अलग स्थानों से गिरफ्तार किया गया। पहली गिरफ्तारी संसारीपुर से त्रिलोकपुर तिवारी मार्ग स्थित खैरी ओझा मोड़ से तथा दूसरी गिरफ्तारी रजौली मोड़ से की गई।पुलिस जांच में सामने आया कि 24/25 अप्रैल 2026 की रात कुछ लोगों ने नीरज पुत्र रामानंद निवासी ग्राम छपिया थाना पैकोलिया पर जानलेवा हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। घायल नीरज को पहले सीएचसी हर्रैया, फिर जिला अस्पताल बस्ती और बाद में बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर रेफर किया गया, जहां वह कई दिनों तक अचेतावस्था में रहा। वर्तमान में भी उसका उपचार जारी है। छानबीन में यह तथ्य सामने आया कि नीरज का एक युवती से प्रेम संबंध था। इसी युवती के संपर्क में अभियुक्त विपुल भी आ गया था। प्रेम प्रसंग को लेकर उत्पन्न रंजिश के चलते विपुल ने अपने साथियों के साथ मिलकर नीरज को रास्ते से हटाने की साजिश रची और उस पर हमला कराया।पुलिस ने गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय भेज दिया है। मामले के खुलासे में प्रभारी निरीक्षक तहसीलदार सिंह, एसओजी प्रभारी विकास यादव, सर्विलांस टीम तथा हर्रैया थाना पुलिस की अहम भूमिका रही।

संक्षिप्त खबरें

आंधी में गिरा ट्रांसफार्मर अभी तक नहीं बदला, 40 घरों की बिजली ठप

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र के बाजपेईखेड़ा मजरे बेहटा कला गांव में आंधी के दौरान ट्रांसफार्मर गिर जाने से करीब 40 घरों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई है। दस दिनों से बिजली न आने के कारण ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी में हालात और खराब हो गए हैं। ग्रामीणों का कहना है कि आंधी आने के बाद से गांव का ट्रांसफार्मर जमीन पर गिरा पड़ा है। इसके चलते पूरे मोहल्ले की बिजली बाधित है। बिजली न मिलने से पेयजल संकट भी गहरा गया है। मोटर और पंप नहीं चल पा रहे हैं। गर्मी के कारण छोटे बच्चों और बुजुर्गों की तबीयत भी खराब हो रही है। गांव के लोगों ने बताया कि कई बार बिजली विभाग से शिकायत की गई, लेकिन अब तक ट्रांसफार्मर नहीं बदला गया। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है। ग्रामीण सोनू बाजपेई, सुरजू, दिलीप बाजपेई, दीपक बाजपेई, सौरभ बाजपेई, अनिल सोनी और पूनम देवी समेत अन्य लोगों ने बिजली विभाग के अधिकारियों से जल्द ट्रांसफार्मर बदलकर विद्युत आपूर्ति बहाल कराने की मांग की है।

अतिक्रमण हटाओ अभियान विफल, हटते ही फिर सजीं फुटपाथ पर दुकानें

लालगंज (रायबरेली)। नगर पंचायत प्रशासन ने बृहस्पतिवार को कस्बे में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया। अगले दिन से फिर दुखने सड़क पर सज गई। स्थानीय लोग इसे प्रशासनिक विफलता मान रहे हैं। बृहस्पतिवार को अभियान शुरू होते ही बाजार में अफरा तफरी का माहौल बन गया। कई दुकानदारों ने खुद ही सड़क किनारे रखा सामान हटा लिया। वहीं कुछ स्थानों पर जेसीबी से अतिक्रमण हटाया गया।अभियान की शुरुआत रायबरेली रोड स्थित रेलवे क्रॉसिंग के पास से हुई। नगर पंचायत की टीम भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। नई बाजार मोहल्ला से अस्पताल मोड़ तक सड़क के दोनों तरफ ठेला और दुकानदारों ने अपनी दुकानें हटा लीं।हालांकि अभियान खत्म होते ही कई दुकानदारों ने दोबारा सड़क पर दुकानें सजा लीं। इससे कार्रवाई की पर सवाल उठने लगे। नगर पंचायत के अधिशासी अधिकारी राजभान शुक्ला ने बताया कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। दोबारा अतिक्रमण करने वालों से जुर्माना वसूला जाएगा। उन्होंने कहा कि एसडीएम, सीओ और नगर पंचायत प्रशासन के समन्वय से एक समिति गठित की जा रही है जो अभियान की निगरानी करेगी।

बरम बाबा मंदिर की कुटिया में लगी आग, सामान राख, गाय की जलकर मौत

सिंगाही-खीरी। थाना क्षेत्र के शीतलापुर गांव के पास स्थित बरम बाबा मंदिर परिसर में बनी कुटिया में गुरुवार रात करीब 8 बजे अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी कुटिया को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे वहां रखा सामान जलकर राख हो गया। हादसे में अनाज, कपड़े और घरेलू सामान सहित एक गाय की भी जलकर मौत हो गई।ग्रामीणों के अनुसार आग लगने की सूचना मिलते ही मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास के लोगों ने पानी और अन्य संसाधनों की मदद से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक कुटिया में रखा अधिकांश सामान जल चुका था। आग इतनी तेज थी कि वहां बंधी एक गाय भी उसकी चपेट में आ गई और उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। आशंका जताई जा रही है कि शॉर्ट सर्किट या किसी अन्य कारण से आग लगी हो सकती है। घटना से क्षेत्र में दुख और चिंता का माहौल है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की जांच कर उचित सहायता दिलाए जाने की मांग की है।

बिना अनुमति चल रहे नाइट क्रिकेट टूर्नामेंटों पर उठे गंभीर सवाल, क्रिकेट की आड़ में शराब, जुआ और सट्टेबाजी के आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मलिहाबाद/ रहीमाबाद। थाना रहीमाबाद और थाना मलिहाबाद क्षेत्र में इन दिनों बिना अनुमति आयोजित किए जा रहे नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट चर्चा और विवाद का विषय बने हुए हैं। क्षेत्रीय लोगों का आरोप है कि खेल के नाम पर आयोजित होने वाले इन टूर्नामेंटों में प्रशासनिक नियमों की अनदेखी की जा रही है, जबकि जिम्मेदार विभागों की ओर से प्रभावी निगरानी दिखाई नहीं दे रही। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो आने वाले समय में यह स्थिति किसी बड़ी घटना या कानून-व्यवस्था की समस्या का कारण बन सकती है। स्थानीय ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों के अनुसार कई स्थानों पर नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट बिना आवश्यक प्रशासनिक अनुमति और पर्याप्त सुरक्षा इंतजामों के आयोजित किए जा रहे हैं। देर रात तक चलने वाले इन आयोजनों में बड़ी संख्या में युवक और दर्शक जुटते हैं, लेकिन सुरक्षा और निगरानी की व्यवस्था न के बराबर दिखाई देती है। लोगों का आरोप है कि प्रशासन की लचर कार्यप्रणाली और समय पर कार्रवाई न होने के कारण ऐसे आयोजन लगातार बढ़ते जा रहे हैं। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि इन नाइट क्रिकेट प्रतियोगिताओं के दौरान आए दिन मारपीट, कहासुनी और चोरी जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। कई बार मामूली विवाद भी बड़ा रूप ले लेते हैं, जिससे क्षेत्र में तनाव और भय का माहौल बन जाता है। लोगों के अनुसार मैचों के दौरान टीमों के बीच प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ दर्शकों और बाहरी लोगों की भीड़ के कारण विवाद की स्थिति पैदा हो जाती है, जो बाद में हिंसक झगड़ों में बदल जाती है। मलिहाबाद क्षेत्र के नबीनगर में वर्तमान समय में चल रहे नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर भी तरह-तरह की चर्चाएं और आरोप सामने आ रहे हैं। स्थानीय लोगों का दावा है कि खेल मैदान के आसपास देर रात तक भीड़ लगी रहती है और इसी माहौल का फायदा उठाकर कुछ लोग कथित रूप से अवैध गतिविधियों को अंजाम देते हैं। आरोप है कि नाइट क्रिकेट के नाम पर अवैध तरीके से शराब की बिक्री और तस्करी तक की जाती है। ग्रामीणों का कहना है कि प्लेग्राउंड के आसपास ही शराब उपलब्ध कराई जाती है, जिससे युवाओं और किशोरों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है। इतना ही नहीं, लोगों का आरोप है कि क्रिकेट टूर्नामेंटों की आड़ में जुआरियों ने भी अपने अड्डे जमा लिए हैं। मैचों के परिणाम और खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर सट्टा लगाए जाने की बातें क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि मैचों के दौरान कुछ लोग सट्टेबाजी में सक्रिय रहते हैं और हार-जीत को लेकर विवाद की स्थिति बन जाती है। यही विवाद कई बार गाली-गलौज और मारपीट तक पहुंच जाते हैं, जिससे माहौल खराब होता है और बड़ी घटनाओं की आशंका बनी रहती है। क्षेत्रीय नागरिकों का कहना है कि खेल प्रतियोगिताओं का उद्देश्य युवाओं को सकारात्मक दिशा देना और खेल प्रतिभा को आगे बढ़ाना होना चाहिए, लेकिन यदि इन्हीं आयोजनों की आड़ में शराब, जुआ और सट्टेबाजी जैसी गतिविधियों के आरोप सामने आने लगें तो यह चिंता का विषय बन जाता है। लोगों ने सवाल उठाया है कि आखिर बिना अनुमति और पर्याप्त निगरानी के ऐसे आयोजन किस प्रकार संचालित हो रहे हैं और जिम्मेदार विभाग इस पर सख्ती क्यों नहीं दिखा रहे। ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन को ऐसे आयोजनों की अनुमति प्रक्रिया, सुरक्षा व्यवस्था और मैदान के आसपास होने वाली गतिविधियों की गंभीरता से जांच करनी चाहिए।

लोगों ने मांग की है कि यदि किसी नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में नियमों का उल्लंघन या अवैध गतिविधियां पाई जाती हैं तो संबंधित लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि खेल का माहौल खराब न हो और कानून-व्यवस्था बनी रहे। हालांकि, शराब तस्करी, जुआ और सट्टेबाजी से जुड़े आरोपों की प्रशासनिक या पुलिस स्तर पर आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। ऐसे में मामले की निष्पक्ष जांच के बाद ही वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

लहरपुर कोतवाली में अपर पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं नगर के संभ्रांत नागरिक भी रहे उपस्थित लहरपुर कोतवाली परिसर में अपर पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार सिंह की अध्यक्षता में अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल एवं नगर के संभ्रांत नागरिकों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य लहरपुर नगर के प्रमुख चौराहों, मुख्य मार्गों एवं बाजारों को सीसीटीवी कैमरों से जोड़कर सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाना है। इस दौरान नगर में होने वाली सभी आपराधिक गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने तथा अपराधियों की पहचान और निगरानी को आसान बनाने पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ने कहा कि प्रमुख स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने से अपराध नियंत्रण में काफी सहायता मिलेगी तथा किसी भी घटना की त्वरित जांच संभव हो सकेगी श। बैठक में व्यापार मंडल के पदाधिकारियों एवं नगर के गणमान्य लोगों ने भी सुरक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव दिए ।

बैठक में मौजूद व्यापार मंडल पदाधिकारियों एवं नगर के गणमान्य लोगों से प्रशासन ने पूर्ण सहयोग देने की अपेक्षा की जिस पर सभी लोग ने पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया। बैठक में प्रमुख रूप से पुलिस क्षेत्राधिकारी अभिषेक कुमार सिंह, कोतवाली प्रभारी अरविंद सिंह, व्यापार मंडल अध्यक्ष रियाज अहमद बबलू, हरीश रस्तोगी गोलू, वीरेंद्र पुरी, रजीउद्दीन रज्जू, जावेद अंसारी, हाशिम अंसारी, दीपक रस्तोगी, इकरामुल हसन, बीलू शुक्ला, समेत व्यापार मंडल के पदाधिकारी एवं नगर के संभ्रांत लोग मौजूद रहे।

पत्नी ने होटल में पति को प्रेमिका संग पकड़ा, जमकर हुआ हंगामा प्रेमिका की जमकर पिटाई

स्वतंत्र प्रभात ब्रेकिंग न्यूज़

लालगंज (रायबरेली)। कस्बे के बृजेंद्र नगर स्थित एक होटल में प्रेमिका के साथ ठहरे युवक को उसकी पत्नी ने रंगे हाथ पकड़ लिया। इसके बाद मौके पर जमकर हंगामा हुआ। सूचना पर पहुंची पुलिस दोनों पक्षों को कोतवाली ले गई, जहां काउंसलिंग कराई गई। लखनऊ निवासी महिला ने बताया कि उसका पति जाजमऊ कानपुर की रहने वाली एक महिला के संपर्क में था। जानकारी मिलने पर वह पति की तलाश में नगर के कई होटलों में पहुंची। आखिरकार बृजेंद्र नगर स्थित एक होटल में उसने पति को दूसरी महिला के साथ पकड़ लिया। इस दौरान पत्नी ने पति की प्रेमिका की पिटाई कर दी, जिससे होटल परिसर में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों पक्षों को कोतवाली ले आई। पुलिस मामले की जांच कर दोनों पक्षों से बातचीत कर रही है।

चिलचिलाती गर्मी में संडीला के सेवक अजय आदित्य का सत्तू बना अमृत

● भाजपा नेता अजय सिंह आदित्य ने गर्मी से निजात दिलाने को देशी सत्तू वितरण के लिए चलाई मुहिम

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भरावन। भीषण गर्मी और लू के प्रकोप से निजात दिलाने के लिए संडीला के जनसेवक भाजपा नेता अजय कुमार सिंह 'आदित्य' ने शुक्रवार से देशी सत्तू वितरण के लिए वाहन चलाये। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर वाहन क्षेत्र के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों के लिए रवाना किये। लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भरावन से मीठा एवं नमकीन देसी सत्तू वितरण वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।इन दिनों क्षेत्र में तापमान 43 से 44 डिग्री सेल्सियस के बीच पहुंचने से आम जनजीवन प्रभावित है। तेज धूप और लू भरी हवाओं के चलते लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में अजय कुमार सिंह ने स्वास्थ्य केंद्र पहुंचकर मरीजों, तीमारदारों एवं राहगीरों को स्वयं सत्तू पिलाया।उन्होंने कहा कि देसी सत्तू गर्मी और लू से बचाव का पारंपरिक एवं लाभकारी पेय है। इसके सेवन से शरीर को ठंडक मिलती है तथा ऊर्जा बनी रहती है। उन्होंने लोगों से गर्मी के मौसम में अधिक से अधिक देसी सत्तू का सेवन करने की अपील की। और बताया संडीला विधानसभा क्षेत्र के गांव चौराहा बाजार सभी जगह सत्तू पिलाया जाएगा इस मौके पर अनीता गौतम, रमेश गौतम,ज्ञानेंद्र सिंह,संतोष पाल, शोभित शुक्ला, सरवन सैनी, केशन कुमार रहे।

तीन महीने से मानदेय न मिलने पर अधीक्षक को सौंपा ज्ञापन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सीतापुर: जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेउसा क्षेत्र में कार्यरत आशा एवं आशा संगिनी कार्यकर्ताओं ने तीन महीने से लंबित मानदेय भुगतान और अप्रैल 2026 से बढ़ाए गए मानदेय के भुगतान न होने के विरोध में अनिश्चितकालीन हड़ताल करने की चेतावनी दी है। कार्यकर्ताओं द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रेउसा के प्रभारी को संबोधित एक पत्र में बताया गया कि प्रदेश सरकार द्वारा आशा कार्यकर्ताओं के हित में कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन वास्तविकता में उन्हें समय पर भुगतान नहीं हो रहा है।

पत्र में प्रमुख रूप से निम्नलिखित मुद्दे उठाए गए हैं:

- 1 अप्रैल 2026 से आशा व आशा संगिनी का बढ़ा हुआ मानदेय अब तक नहीं मिला है।
- पिछले तीन महीनों से किसी भी प्रकार का मानदेय या भत्ता प्राप्त नहीं हुआ है, जिससे कार्यकर्ताओं को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है।
- आशा कार्यकर्ताएं दिन-रात 24 घंटे उपलब्ध रहती हैं, लेकिन उन्हें अत्यधिक कम और अनियमित भुगतान मिलता है।

कार्यकर्ताओं ने मांग की है कि उनका लंबित मानदेय तथा बढ़ा हुआ मानदेय तत्काल जारी किया जाए। यदि शीघ्र भुगतान नहीं किया गया तो 15 मई 2026 से सभी आशा एवं आशा संगिनी कार्यकर्ताएं काम बंद कर हड़ताल पर चली जाएंगी। पत्र में आशा कार्यकर्ताओं के हस्ताक्षर हैं। इस पत्र की प्रतिलिपि उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री कार्यालय, परिवार कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक को भी भेजी गई है। यह घटना उत्तर प्रदेश में आशा कार्यकर्ताओं की लंबित समस्याओं को एक बार फिर उजागर करती है। आशा कार्यकर्ताएं ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ मानी जाती हैं, लेकिन लगातार भुगतान संबंधी समस्याओं के कारण उनका मनोबल प्रभावित हो रहा है।

अधिकारियों की प्रतिक्रिया:

अभी तक स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की ओर से इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। जिला प्रशासन से इस संबंध में शीघ्र समाधान की मांग की जा रही है।

बिजली संकट पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा, विद्युत वितरण उपखंड कार्यालय का घेराव

● ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से पहुंचे आक्रोशित ग्रामीण, घेराव कर जमकर की नारेबाजी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज (रायबरेली)। क्षेत्र में खराब बिजली व्यवस्था को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। बड़ी संख्या में ग्रामीण ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से विद्युत वितरण खंड कार्यालय पहुंचे और घेराव कर जमकर नारेबाजी की। भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप के बीच प्रदर्शनकारी घंटों डटे रहे। ग्रामीणों ने साफ कहा कि जब तक उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचकर समाधान का भरोसा नहीं देंगे, तब तक धरना जारी रहेगा। कुम्भडौरा गांव के ग्रामीणों का आरोप है कि करीब दस दिन पहले आए आंधी-तूफान में कई गांवों के बिजली खंभे टूट गए थे। इसके बाद से अब तक बिजली आपूर्ति बहाल नहीं हो सकी है। गांव के कई मोहल्ले अंधेरे में डूबे हुए हैं। बिजली न मिलने से पेयजल संकट भी गहरा गया है। लोगों को पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि भीषण गर्मी में छोटे-छोटे बच्चे बीमार पड़ रहे हैं। रात में लोगों को जागकर समय बिताना पड़ रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद विभाग की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। आरोप है कि अधिकारी फोन नहीं उठाते और एसडीओ फोन पर दुर्व्यवहार करते हैं। कुछ लोगों के कहने पर ही लाइन जोड़ी जा रही है, जबकि कई जगह बिजली के तार जमीन पर लटके हुए हैं, जिससे हादसे की आशंका बनी हुई है। इसी नाराजगी के चलते ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में कुम्भडौरा गांव के प्रधान जितेंद्र बहादुर सिंह 'बच्चा', ऊगाभाद गांव के प्रधान वीरेंद्र सिंह, चांदा के रणविजय और गहरी प्रधान सोनू कुमार समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। उन्होंने कहा कि बिजली विभाग की लापरवाही से गांवों के लोग परेशान हैं। जल्द व्यवस्था ठीक नहीं हुई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। बाद में सूचना पर पहुंचे एसडीएम राजेश कुमार श्रीवास्तव और नायब तहसीलदार ऋतुराज ने ग्रामीणों को विद्युत व्यवस्था बहाल करने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने अधिकारियों को 8 सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर कार्रवाई की मांग की। एसडीएम ने तहसील क्षेत्र में बिजली व्यवस्था को सुचारु करने का भरोसा दिलाया। इस मौके पर महेश प्रधान, अवधेश बहादुर सिंह, सपना पासी, विवेक सिंह, गौरव सिंह, सूरज, विशुना देवी और केकती समेत बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

भीषण धूप में दो महिलाएं बेहोश

धरना-प्रदर्शन के दौरान तेज धूप और गर्मी के कारण दो महिलाओं की हालत बिगड़ गई। अमृत का पुरवा निवासी शगुनी और सूरजीपुर निवासी मइका अचानक धरना स्थल पर मूर्छित होकर गिर पड़ीं। मौजूद लोगों ने तुरंत उन्हें उठाकर छाया में पहुंचाया और पानी के छींटे मारकर होश में लाया।

भारतीय जन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता डॉ. अजय पाल सिंह द्वारा क्षेत्र की जनता की समस्या को लेकर कड़ा बयान जारी किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में भारतीय जन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता *डॉ. अजय पाल सिंह* ने सरोजिनी नगर क्षेत्र की जनता की समस्या को लेकर कड़ा बयान जारी किया। डॉ. अजय पाल सिंह ने कहा, 'सरोजिनी नगर क्षेत्र, एलडीए कॉलोनी, पराग चौराहे पर बालाजी रेस्टोरेंट के पास रिहायशी कॉलोनी में बिना मानक के देसी शराब का कारोबार खुलेआम चल रहा है। प्रशासन मौन है।' उन्होंने बताया कि 'शराब की दुकान के कारण दिन-रात नशेड़ी और मनचले इलाके में जमावड़ा लगाए रहते हैं। महिलाओं और बहन-बेटियों से छींटाकशी, छेड़खानी की घटनाएं आम हो गई हैं। स्कूल-कॉलेज जाने वाली बच्चियां और कामकाजी महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं।' डॉ. सिंह ने कहा, 'रिहायशी कॉलोनी में शराब का ठेका नियमों के खिलाफ है। इससे क्षेत्र का माहौल खराब हो रहा है। छोटे बच्चे गलत संगत में पड़ रहे हैं। शरीफ परिवारों का जीना दूभर हो गया है। क्षेत्रीय जनता में भारी आक्रोश है। 'भारतीय जन समाज पार्टी की माँगः इस अवैध देसी शराब के ठेके को तत्काल यहाँ से हटाया जाए। थाना सरोजिनी नगर, लखनऊ इस मामले में तुरंत मुकदमा दर्ज कर दोषियों पर कार्रवाई करे। महिलाओं की सुरक्षा के लिए इलाके में पुलिस गश्त बढ़ाई जाए। आबकारी विभाग बताए कि रिहायशी इलाके में लाइसेंस कैसे दिया गया। जिम्मेदार अफसरों पर कार्रवाई हो। डॉ. अजय पाल सिंह ने चेतावनी दी, 'अगर 7 दिन के अंदर इस अवैध शराब के अड्डे को नहीं हटाया गया और मनचलों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो भारतीय जन समाज पार्टी क्षेत्रीय जनता के साथ मिलकर पराग चौराहे पर बड़ा आंदोलन करेगी। इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और थाना सरोजिनी नगर की होगी।' 'बाँसुरी अब अन्याय के खिलाफ बजेगी। बहन-बेटियों की इज्जत से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। '

विधवा और उसकी दो बेटियों को लाठी-डंडों से जमकर पिटाई, पीडिता के परिवार को जान से मारने की धमकी दहशत में महिला

लालगंज (रायबरेली)। कोतवाली क्षेत्र के मधुकरपुर गांव में मामूली विवाद को लेकर एक विधवा महिला और उसकी दो बेटियों की गांव के ही तीन लोगों ने बेरहमी से पिटाई कर दी। घटना के बाद महिला व उसका परिवार दहशत में है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। गांव निवासिनी माधुरी पत्नी स्व. बाबादीन ने बताया कि बृहस्पतिवार शाम गांव के ही रामसेवक, रजनीश और सतीश किसी बात को लेकर गाली गलौज कर रहे थे। विरोध करने पर आरोपी भड़क गए और मारपीट पर उतारू हो गए। आरोप है कि उन्होंने जान से मारने की धमकी भी दी। पीड़िता के मुताबिक बृहस्पतिवार को वह मामले की शिकायत लेकर पुलिस के पास गई थी। शाम को घर लौटने के कुछ देर बाद आरोपी उसके घर पहुंच गए। आरोपियों ने लाठी डंडों से उस पर हमला कर दिया। बीच बचाव करने पहुंचीं उसकी दोनों बेटियों ऊषा और लक्ष्मी को भी पीटा। मारपीट में तीनों घायल हो गईं। पीड़िता ने बताया कि पिटाई से उनके शरीर पर गंभीर चोटें आई हैं। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

काग़ज़ों में दफन होकर रह गई हाटकुक्ड योजना-आरोप

● हरीपुर मे चल रही आंगनवाड़ी कार्यकर्ती के आने-जाने का कोई समय निर्धारित नहीं

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बांकेगंज खीरी। विकास खंड बांकेगंज की ग्राम पंचायत ग्रांट नंबर 10 और 11 के गांव में स्थित दर्जनों आंगनवाड़ी केंद्रों पर, हॉट कुक्ड योजना के तहत बच्चों को पौष्टिक भोजन नहीं दिया जा रहा है। इसमें आंगनवाड़ी कर्मियों, सीडीपीओ और सुपरवाइजरों की मिलीभगत बताई जा रही है, जिसके कारण भोजन तैयार नहीं किया जाता। जबकि केंद्रों को गैस चूल्हा, बरतन, और कच्चा राशन जैसे सभी संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, लेकिन आंगनवाड़ी कर्मी इन सब सामग्री को अपने घर ले जाकर उपयोग करती हैं, जिससे बच्चों को समय पर भोजन नहीं मिल पाता। यह एक गंभीर लापरवाही है, और प्रशासन को तत्काल हस्तक्षेप करके बच्चों के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। गांव में स्थित आंगनबाड़ी केंद्रों पर बच्चों को सरकार द्वारा दिया जाने वाला पौष्टिक आहार न मिलने के कारण बहुत कम संख्या में बच्चे केंद्र पर आते हैं बच्चों को भोजन न मिलने के कारण ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है उच्च अधिकारियों को संज्ञान में लेकर तत्काल प्रभाव से कार्यवाही की जानी चाहिए।

काम अपूर्ण होते हुए लाखों का भुगतान निकाले जाने के आरोप

विकास खंड पसगवां की ग्राम पंचायत महमूदपुर नाजीर में विकास कार्यों को लेकर ग्रामीणों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। ह्यूम पाइप, नल मरम्मत, पेयजल व्यवस्था समेत कई कार्यों में लाखों रुपये के भुगतान की चर्चा है, लेकिन जमीनी स्तर पर कई काम अधूरे बताए जा रहे हैं।ग्रामीणों का आरोप है कि कुछ कार्य सिर्फ कागजों में पूरे दिखाए गए, जबकि गांव में मूलभूत सुविधाओं की स्थिति जस की तस बनी हुई है। वहीं 25 मई 2026 को प्रस्तावित विकास कार्यों और भुगतानों से पहले जल्दबाजी में फाइलें तैयार किए जाने की भी चर्चा है।स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि स्थलीय सत्यापन कराया जाए तो कई अनियमितताओं का खुलासा हो सकता है।

उम्मीद पोर्टल पर 31 हजार से ज्यादा वक्फ संपत्तियों का रजिस्ट्रेशन रद, दस्तावेजों में मिलीं खामियां

● उत्तर प्रदेश में उम्मीद पोर्टल पर 31 हजार से अधिक वक्फ संपत्तियों का पंजीयन रद कर दिया गया है। दस्तावेजों में त्रुटियों और तकनीकी खामियों के कारण यह कार्रवाई हुई है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश में कई कब्रिस्तानों, दरगाहों और मस्जिदों की संपत्ति वक्फ श्रेणी से बाहर भी हो सकती है। डाटा में विसंगति, दस्तावेज में त्रुटि और तकनीकी खामियां पाए जाने पर 'उम्मीद' पोर्टल पर अब तक दर्ज 1,18,302 संपत्तियों में से 31,328 का पंजीयन रद कर दिया गया है। केंद्रीय अल्पसंख्यक मंत्रालय ने वक्फ संपत्तियों को पिछले वर्ष पांच जून से 'उम्मीद' पोर्टल पर दर्ज कराने का निर्णय लिया था। पहले तो छह माह का समय दिया गया था लेकिन उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड और शिया सेंट्रल वक्फ बोर्ड ने यूपी वक्फ ट्रिब्यूनल में अपील कर 'उम्मीद' पर संपत्ति दर्ज कराने का समय बढ़ाने की मांग की थी। ट्रिब्यूनल ने अधिकतम छह माह का समय और दे दिया जिसकी अवधि पांच जून को पूरी हो रही है। पोर्टल पर अब तक दर्ज 1,18,302 संपत्तियों में से 53,711 संपत्तियों को ही स्वीकृति दी गई है। 20,546 संपत्तियों के दस्तावेजों का परीक्षण अंतिम चरण में हैं। गौर करने की बात यह है कि 31,192 संपत्तियों के वक्फ दावे को रद कर दिया गया है। इनमें से कई संपत्तियों का खसरा नंबर वक्फ बोर्ड में दर्ज नंबर से मिलान नहीं हो पाया। कई का रकबा ज्यादा है। कई का राजस्व अभिलेखों में रकबा बदल गया है। कुछ कब्रिस्तानों, दरगाह का खसरा दो-दो वक्फ में दर्ज पाया गया है। इस तरह की ज्यादा समस्या मुजफ्फरनगर, बाराबंकी, जौनपुर जिलों में मिली है। ऐसे में जब एक पखवाड़े से कम समय बचा है, तब राजस्व और वक्फ बोर्डों से वक्फ संपत्तियों के दस्तावेजों का मिलान और उन्हें दुरुस्त करना कठिन चुनौती है। वक्फ के विशेषज्ञ अधिवक्ता आफताब अहमद का कहना है कि एक्ट में सिर्फ छह माह के समय बढ़ाने की व्यवस्था है। सुप्रीम कोर्ट के एक आदेश से एकीकृत वक्फ प्रबंधन सशक्तीकरण दक्षता और विकास अधिनियम-1995 की कुछ धाराओं पर स्टे है। मगर तकनीकी तौर पर यूपी वक्फ ट्रिब्यूनल पहले ही अधिकतम छह माह का समय दे चुका है। अब व्यक्तिगत आधार पर मुतवल्ली ट्रिब्यूनल जरूर जा सकते हैं। सबको अलग-अलग अपील करनी पड़ेगी। यह कठिन कानूनी प्रक्रिया है। वक्फ बोर्ड के अधिकारियों का कहना है कि मुतवल्लियों को सही दस्तावेजों के साथ संपत्ति दोबारा अपलोड करने का पांच जून तक का समय है। यदि इस तिथि तक कमियां दूर नहीं की गई तो संपत्तियां पोर्टल से बाहर हो सकती हैं।

माओवाद की ढलती परछाई और मुख्यधारा की ओर लौटता जंगल

झारखंड में 27 हार्डकोर माओवादियों का एक साथ आत्मसमर्पण केवल एक प्रशासनिक घटना नहीं है, बल्कि यह उस लंबे संघर्ष का महत्वपूर्ण मोड़ है जिसमें भारत दशकों से नक्सलवाद और माओवादी हिंसा के खिलाफ लड़ाई लड़ता रहा है। राजधानी रांची में झारखंड पुलिस के महानिदेशक के समक्ष जब हथियारों से लैस माओवादी मुख्यधारा में लौटने का संकल्प लेकर पहुंचे, तब यह साफ संकेत मिला कि जंगलों में हिंसा का रास्ता अब तेजी से कमजोर पड़ रहा है। सबसे भावुक दृश्य वह था जब एक महिला माओवादी अपने एक साल के बच्चे को गोद में लेकर मंच पर पहुंची। यह दृश्य केवल आत्मसमर्पण नहीं था, बल्कि हिंसा से विकास की ओर बढ़ते भारत की तस्वीर भी था।

देश में माओवादी आंदोलन कभी बड़ी वैचारिक चुनौती माना जाता था। छत्तीसगढ़, झारखंड, बिहार, ओडिशा, महाराष्ट्र और आंध्र प्रदेश के कई इलाके लंबे समय तक लाल आतंक की गिरफ्त में रहे। सरकारी आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2010 के आसपास देश के लगभग 220 जिलों में माओवादी गतिविधियों का प्रभाव था। उस समय हजारों सक्रिय उग्रवादी हथियारबंद दस्तों में शामिल थे। लेकिन बीते दस वर्षों में सुरक्षा बलों की लगातार कार्रवाई, सड़क और संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार, युवाओं के लिए रोजगार योजनाएं और सबसे महत्वपूर्ण पुनर्वास नीति ने माओवादी नेटवर्क को गहरी चोट पहुंचाई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की हाल की रिपोर्टों के अनुसार अब देश में माओवादी हिंसा का प्रभाव घटकर लगभग 38 से 45 जिलों तक सीमित रह गया है। सक्रिय कैडरों की संख्या भी लगातार कम हुई है। सुरक्षा एजेंसियों के अनुमान के मुताबिक इस समय देशभर में करीब 1200 से 1500 के बीच सक्रिय हार्डकोर माओवादी बचे हो सकते हैं, जबकि सहायक नेटवर्क और स्थानीय समर्थकों को मिलाकर यह संख्या कुछ हजार तक मानी जाती है। कभी हजारों की संख्या में सक्रिय रहने वाले संगठनों का इतना सिमट जाना यह दर्शाता है कि माओवादी आंदोलन अपनी वैचारिक और संगठनात्मक ताकत खो चुका है।

झारखंड में हुए हालिया आत्मसमर्पण की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें केवल छोटे कार्यकर्ता नहीं बल्कि शीर्ष कमांडर स्तर के लोग शामिल हैं। इनमें केंद्रीय कमेटी, सब जोनल कमेटी और एरिया कमेटी से जुड़े सदस्य भी हैं। ये वही लोग हैं जो कोल्हान और सारंडा जैसे घने जंगलों में वर्षों तक सुरक्षा बलों के लिए चुनौती बने रहे। इनके पास से इंसास एलएमजी, इंसास राइफल, एसएलआर और हजारों जिंदा कारतूस बरामद होना यह साबित करता है कि संगठन अभी भी हथियारबंद ढांचे में मौजूद था, लेकिन अब उसके भीतर भरोसा टूट रहा है।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने लगातार यह कहते रहे हैं कि वर्ष 2026 तक देश को माओवाद मुक्त बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उन्होंने कई बार जंगलों में छिपे उग्रवादियों से अपील की कि वे हथियार छोड़कर लोकतांत्रिक व्यवस्था में विश्वास जताएं और विकास की मुख्यधारा से जुड़ें। हाल के वर्षों में सरकार ने केवल सैन्य कार्रवाई पर जोर नहीं दिया बल्कि आत्मसमर्पण करने वालों के लिए पुनर्वास नीति को भी मजबूत बनाया। कई राज्यों में सरेंडर करने वाले माओवादियों को आर्थिक सहायता, घर, नौकरी, प्रशिक्षण और सुरक्षा प्रदान की जा रही है। यही कारण है कि अब बड़ी संख्या में उग्रवादी हथियार छोड़ने को तैयार हो रहे हैं।

माओवादी आंदोलन के कमजोर होने का सबसे बड़ा कारण यह भी है कि जिन आदिवासी और ग्रामीण इलाकों के नाम पर यह संघर्ष शुरू हुआ था, वहीं के लोग अब हिंसा से थक चुके हैं। दशकों तक विकास कार्य बाधित रहे। स्कूल उड़ाए गए, सड़क निर्माण रोका गया, मोबाइल टावर जलाए गए और आम ग्रामीणों को दोनों तरफ के संघर्ष का नुकसान झेलना पड़ा। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। सड़कें बन रही हैं, गांवों तक बिजली पहुंच रही है, युवाओं को शिक्षा और रोजगार के अवसर मिल रहे हैं। इससे स्थानीय समाज में यह भावना मजबूत हुई है कि बंदूक से ज्यादा ताकत विकास में है। महिला माओवादी का अपने छोटे बच्चे के साथ आत्मसमर्पण करना इस बदलाव का सबसे बड़ा प्रतीक है। कोई भी मां अपने बच्चे का भविष्य हिंसा और जंगलों में नहीं देखना चाहती। वह शिक्षा, सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन चाहती है। यह दृश्य उन हजारों परिवारों का प्रतिनिधित्व करता है जो वर्षों से भय और अस्थिरता में जी रहे थे। जब संगठन के भीतर के लोग ही अपने बच्चों के लिए बेहतर भविष्य की तलाश में बाहर आने लगें तो यह स्पष्ट संकेत होता है कि आंदोलन की वैचारिक जमीन खिसक रही है।

हालांकि यह भी सच है कि केवल आत्मसमर्पण से समस्या पूरी तरह समाप्त नहीं होगी। जिन क्षेत्रों में गरीबी, बेरोजगारी, विस्थापन और प्रशासनिक उपेक्षा रही है वहां सरकार को और अधिक संवेदनशीलता के साथ काम करना होगा। माओवाद केवल कानून व्यवस्था का मुद्दा नहीं रहा बल्कि सामाजिक और आर्थिक असमानताओं से भी जुड़ा रहा है। इसलिए सुरक्षा अभियान के साथ विकास योजनाओं की निरंतरता जरूरी है। आदिवासी क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, जल, वन अधिकार और स्थानीय रोजगार के अवसर बढ़ाना ही स्थायी समाधान का आधार बनेगा।

आज देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि भटके हुए युवाओं को दोबारा हिंसा के रास्ते पर जाने से रोका जाए। इसके लिए पुनर्वास नीति को केवल कागजों तक सीमित नहीं रखना होगा। आत्मसमर्पण करने वालों को समाज में सम्मानजनक पुनर्स्थापन मिलना चाहिए। यदि उन्हें रोजगार, शिक्षा और सामाजिक स्वीकार्यता मिलेगी तो वे लोकतांत्रिक व्यवस्था के समर्थक बनेंगे और दूसरे युवाओं को भी हिंसा से दूर रहने की प्रेरणा देंगे।

झारखंड की यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह उस मनोवैज्ञानिक परिवर्तन को दर्शाती है जिसमें बंदूक की शक्ति पर विश्वास घट रहा है और संविधान तथा लोकतंत्र पर भरोसा बढ़ रहा है। कभी जो लोग राज्य व्यवस्था को अपना दुश्मन मानते थे, वे अब उसी व्यवस्था में अपने भविष्य की संभावना देख रहे हैं। यह केवल सरकार की सफलता नहीं बल्कि भारतीय लोकतंत्र की ताकत का प्रमाण भी है।

देश ने वर्षों तक माओवादी हिंसा में हजारों जवानों, ग्रामीणों और निर्दोष नागरिकों को खोया है। अब यदि जंगलों से बंदूकें निकलकर विकास की राह पर लौट रही हैं तो यह पूरे समाज के लिए राहत और उम्मीद की खबर है। माओवाद का अंत केवल सुरक्षा बलों की जीत नहीं होगा बल्कि यह उन गांवों की जीत होगी जहां बच्चे बिना डर स्कूल जा सकेंगे, जहां सड़कें और अस्पताल पहुंचेंगे और जहां युवाओं के हाथों में हथियार नहीं बल्कि रोजगार और शिक्षा होगी।

झारखंड में हुआ यह सामूहिक आत्मसमर्पण इसी बदलते भारत की कहानी कहता है। यह बताता है कि हिंसा का रास्ता अंततः विनाश की ओर ले जाता है जबकि लोकतंत्र और विकास ही स्थायी समाधान देते हैं। अब जरूरत इस बात की है कि सरकार, समाज और प्रशासन मिलकर इस परिवर्तन को स्थायी बनाएं ताकि आने वाले वर्षों में भारत वास्तव में माओवाद मुक्त और विकास केंद्रित राष्ट्र बन सके।

कांतिलाल मांडोत

टाइम बम बन रही धरती: कब जागेगा इंसान?

संपादक/लेखक: राजीव शुक्ला

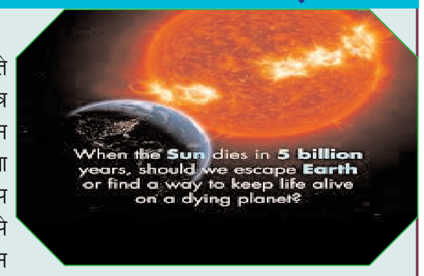

धरती आज एक टाइम बम बन चुकी है। हर गुजरते दिन के साथ जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, जीव विविधता का ह्रास और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हमें चेतावनी दे रहा है कि यदि इंसान ने अभी जागा नहीं तो विनाश अपरिहार्य है। 2025 के आंकड़े इस सच्चाई को और स्पष्ट करते हैं - 2025 तीसरा सबसे गर्म वर्ष रहा, जिसमें वैश्विक औसत तापमान औद्योगिक क्रांति से पहले के स्तर से 1.44 डिग्री सेल्सियस से 1.47 डिग्री सेल्सियस ऊपर रहा।

तथ्य जो चुप्पी तोड़ते हैं

2023 से 2025 के तीन वर्षों का औसत 1.5 डिग्री सेल्सियस की सीमा को पार कर चुका है। विभिन्न वैज्ञानिक संगठनों की रिपोर्टें एक स्वर में कहती हैं कि पिछले 11 वर्ष सबसे गर्म रहे हैं। ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन रिकॉर्ड स्तर पर है, जबकि पेरिस समझौते के लक्ष्य दूर होते जा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की उत्सर्जन अंतर रिपोर्ट 2025 के अनुसार, वर्तमान नीतियों के तहत इस सदी के अंत तक तापमान 2.3 से 2.5 डिग्री सेल्सियस बढ़ सकता है।

भारत में स्थिति और गंभीर है। 2025 के पहले 9 महीनों में चरम मौसम घटनाओं (लू, बाढ़, भूस्खलन) से 4000 से अधिक मौतें हुईं - पिछले वर्षों की तुलना में 48 प्रतिशत अधिक। दिल्ली जैसे शहरों में वायु प्रदूषण से 15 प्रतिशत मौतें जुड़ी हुई हैं। देश के कई हिस्सों में सूक्ष्म कण स्तर दुनिया में सबसे खराब श्रेणी में है। *पारा 48 पार* कर चुका है - उत्तर प्रदेश के बांदा में तापमान 48.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जबकि कई जगहों पर 48 डिग्री से ऊपर रिकॉर्ड दर्ज किए गए। जल संकट बढ़ रहा है - अनुमान है कि 2030 तक 60 करोड़ लोग इससे प्रभावित होंगे। समुद्र स्तर बढ़ रहा है, हिमनद पिघल रहे हैं, और चरम मौसम घटनाओं (तूफान, बाढ़, सूखा) की संख्या और तीव्रता बढ़ गई है। 2025 में अमेरिका में अकेले अरब डॉलर वाली आपदाओं की संख्या रिकॉर्ड स्तर पर रही, जबकि यूरोप में लू से हजारों मौतें हुईं।

###मानव गतिविधियों का दुष्चक्र

अंतर सरकारी जलवायु परिवर्तन पैनल की रिपोर्टें स्पष्ट करती हैं कि मानव-प्रेरित ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन मुख्य कारण है। जीवाश्म ईंधन, वन कटाई, औद्योगिक प्रदूषण और असंतुलित उपभोग ने धरती को संतुलन से बाहर कर दिया है। प्लास्टिक प्रदूषण, नाइट्रोजन चक्र का असंतुलन और सूक्ष्म प्लास्टिक अब मिट्टी, पानी और हमारे शरीर तक पहुंच चुके हैं। भारत, जहां आबादी और विकास की चुनौतियां बड़ी हैं, फिर भी नवीकरणीय ऊर्जा में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। 2025 तक गैर जीवाश्म ऊर्जा क्षमता 50 प्रतिशत पार कर गई, जो 2030 के लक्ष्य से पहले हासिल हुई। वन संरक्षण में भी सुधार हुआ है। लेकिन ये प्रयास पर्याप्त नहीं हैं जब उत्सर्जन कम करने की गति धीमी है और शहरी प्रदूषण अनियंत्रित है।

जागने का टाइम

यह कोई दूर भविष्य की समस्या नहीं है। आज के बच्चे कल की पीढ़ी को विरासत में एक असंतुलित धरती पाएंगे - जहां फसलें सूखेंगी, बीमारियां बढ़ेंगी (डेंगू, मलेरिया, जलजनित रोग), और लाखों लोग विस्थापित होंगे। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, 2030 से 2050 के बीच जलवायु परिवर्तन से हर साल 2.5 लाख अतिरिक्त मौतें हो सकती हैं।

क्या करना चाहिए?

व्यक्तिगत स्तर पर: ऊर्जा बचत, प्लास्टिक कम करना, स्थानीय उत्पादों का उपयोग, वृक्षारोपण और जागरूकता।

सरकारी स्तर पर: उत्सर्जन में तेज कटौती, राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम को मजबूत करना, जल संरक्षण, सतत कृषि और हरित प्रौद्योगिकी में निवेश।

वैश्विक स्तर पर: विकसित देशों को ऐतिहासिक जिम्मेदारी मानते हुए विकासशील राष्ट्रों को जलवायु वित्त उपलब्ध कराना।

धरती टाइम बम नहीं, बल्कि हमारी मां है। यदि इंसान अब नहीं जागा- अपनी लालच, असंतुलित विकास और छोटी-छोटी सुविधाओं की खातिर - तो आने वाली पीढ़ियां हमें माफ नहीं करेंगी।

जागो इंसान, वरना बहुत देर हो जाएगी।

टाइम अभी है। कल शायद बहुत देर हो चुकी होगी।

यह तय करना कठिन है कि कब कहां आगे मेरा अंत है और कहां समुद्र का आरंभ?

हितकर कठिन

> नदी कहती हैं कि यह तय करना कठिन है कि कब कहां आगे मेरा अंत है और कहां समुद्र का आरंभ? वह आज मेरा स्वरुप बदल रहा है। मेरे तटवर्ती प्रदेश बदल गए हैं। मुझ पर कई बांध नालें आदि- आदि बांधे जा रहे हैं। वह कितनों - कितनों को मेरे द्वारा पानी मिल रहा है वह खेतों में सिंचाई आदि हो रही हैं । मेरा यह काम कठिन जरूर हैं पर हितकर हैं। इसका मुझे आत्मतोष हैं। हमारा मन अच्छे कर्मों में लगे। वह धर्म कमाई करने से मन शांत हो जाता हैं । हम सद्कर्मों से जीवन में अच्छे बीज बोएं।

> वह जब चिंतन में हम गहरे डूब जाते हैं तब हमको उसका नया हल मिल जाता हैं। हमारे मन में छिपी हुई हर हलचल समूची

> मिट जायेगी। वह हमारा आत्मिक सुख की ओर बढ़ने का मार्ग प्रशस्त बनता हैं। आसान काम करना अच्छा है पर आसान हो या कठिन जो काम हितकर हो उस पर हमको ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। नदी की तरह हमारे जीवन में भी कुछ काम कठिन तो होते हैं लेकिन वह बड़े लाभकारी होते हैं । हम काम करते हैं तो हमको चुनौतियां भी आती हैं वह उस समय धैर्य रखकर आगे बढ़ जायें यह सबसे महत्वपूर्ण हैं। परिस्थिति तो अपने आप मे एक ही होती है,सबके अलग- अलग नजरिये होते है कि वो उसको किस रूप में लेता है। वैसे काफी हद तक इसमें हमारे कर्म-संस्कार के कारण हमारे भावों से वो प्रभावित होती है, हम अपने होश में रहते हुए हर परिस्थिति के अनुकूल अपने आपको ढालने की कोशिश करें तो हम शान्तचित्त होकर आवश्यक कठिन काम में भी उसके मनोनुकूल हितकर परिणाम पाने में काफी हद तक सक्षम हो पाते हैं।हम कभी परिस्थिति को दोष देंकर,उसके सामने घुटने न टेकें। हम उस कार्य के प्रति अपने सम्यक् पुरुषार्थ के द्वारा परिस्थिति के अनुसार अपने आपको सम्यक् नियोजन करें तो हमको सफलता मिलेगी। वह हम अगर उस काम में सफल न भी हो पाएं तो हम निराश न होयें, बल्कि अपने सम्यक् पुरुषार्थ से संतुष्ट होकर शान्तचित्त रहने का अवश्य प्रयास करें,उसे नियति समझकर। हालांकि मैं यह मानता हूं कि कई बार अपने आपको समझाना बहुत कठिन होता है । हमारे जीवन में कई बार परिस्थिति ऐसी बन जाती है कि वो हम पर हावी होने लगती है , तो हमारा धैर्य डगमगाने लगता है । वह उस समय मन में चिंतन आता हैं कि उलझन बड़ी कठिन हैं इसका समाधान नहीं आया , जिस पर इतना मोह, उसे कैसे मैं छोडूं , इसको कैसे अब जोडूं आदि - आदि ।

कोई बिरला ही उस परिस्थिति में शरीर और आत्मा के भेदविज्ञान को समझते हुए शरीर की नश्वरता को समझकर उस समय शांत रह पाता है,लेकिन बहुत जल्दी सम्भल जाना ही ,ऐसी परिस्थिति से ,हमारे लिए ,बहुत जरूरी है। हम में से आगे कल का दिन किसने देखा है,आज अभी के जीवन में कार्य की हम बात करे । हम नकारात्मक सोच को मन से त्याग,सत्य को आत्मसात करे। वह महत्वपूर्ण हैं। तभी तो कहा हैं कि अरे! जिन घड़ियों में हम हंस सकते हैं,क्यों तड़पें संताप करे, सुख-दुःख तो है आना-जाना,कष्टों में क्यों विलाप करें। वह जीवन के दृष्टिकोणों को,हमारे द्वारा नया आयाम मिले । वह हमारी सोच सकारात्मक हो तो मन को पूर्ण विराम मिल सकता हैं । हम अपने मन की हिम्मत कभी न हारे , स्वयं पर अटूट विश्वास रखे, हमारे पास मंजिल खुद पहुंचेगी । हम उस लक्ष्य तक,मन में सोच खास रखे। वह जीवन में महत्वपूर्ण कठिन हितकर कार्य करते जायें। हमारे द्वारा सही दिशा पर सोच,संकल्पों का रथ संग हो । वह हम दृढ़ निश्चय कर लक्ष्य को भेदे चाहे कितना कठिन पथ हो। हम अपने कर्तृत्व को ऐसे उछ्छले कि,आसमान को छेद सके और मन की गहराई में डुबे तो,अंतरतम को भेद सके। वह हम इतना दुनिया में फैले जैसे सूरज की रोशनाई हो । वह हमारा जीवन इतना मधुर हो की हमारे जीवन में,हर दिल की शहनाई हो। हम भावों को सर्वदा प्रतिदिन ज्यादा से ज्यादा शुद्धतम बनाते जाएं। वह कठिन हितकर काम में पुनः हम आगे बढ़ करते जायें। वह सफलता को प्राप्त करें क्योंकि हमारे भावों में बहुत ज्यादा शक्ति होती है,इसका हर समय हमें स्मरण रहें,हम उसे कभी भी कम समझने की भूल न करें। अतः हमारे द्वारा हितकर और कठिन काम को करने का प्रयास होना चाहिए । वह आत्मा का लक्ष्य मोक्ष में हम पहुंच जायें यही हमारे लिए काम्य हैं।

› प्रदीप छाजेड़

इंजेक्शन और सर्जरी से सुंदरता पाने की बढ़ती सनक

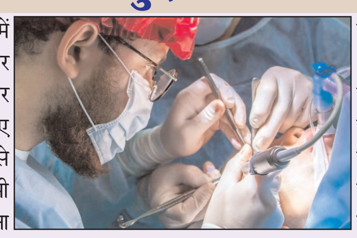

केंद्रीय औषधि नियामक ने हाल ही में कॉस्मेटिक उत्पाद कानून के तहत देशभर में संचालित हो रहे ब्यूटी क्लिनिकों और वेलनेस सेंटरों को कड़ी चेतावनी देते हुए स्पष्ट किया है कि इंजेक्शन के माध्यम से चेहरे की चमक बढ़ाने में प्रयुक्त किसी भी उत्पाद को सौंदर्य प्रसाधन नहीं माना जाएगा। साथ ही किसी भी ब्यूटी क्लिनिक या वेलनेस सेंटर को इस प्रकार के इंजेक्शन लगाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। यदि इसके बावजूद चोरी-छिपे ऐसे उपचार किए जाते हैं, तो संबंधित क्लिनिकों और सेंटरों के संचालकों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई और दंड का प्रावधान भी है। दरअसल, भारत सहित पूरी दुनिया में युवा पीढ़ी के बीच सुंदर और आकर्षक दिखने की सनक तेजी से बढ़ती जा रही है। अब सुंदरता का अर्थ केवल चेहरे की चमक तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि आधुनिक डिजिटल और ग्लैमर प्रधान दौर में शरीर की बनावट, त्वचा की रंगत और अंगों की कृत्रिम आकर्षक संरचना को भी सुंदरता का पैमाना माना जाने लगा है। महानगरों से शुरू हुई यह प्रवृत्ति अब छोटे शहरों और गांवों तक पहुंच चुकी है।

विदेशों की तर्ज पर भारत में भी युवाओं के बीच कॉस्मेटिक सर्जरी, स्किन ट्रीटमेंट और ब्रेस्ट ऑग्मेंटेशन जैसी प्रक्रियाओं का चलन तेजी से बढ़ रहा है। देशभर में बड़ी संख्या में ऐसे कॉस्मेटिक और प्लास्टिक सर्जरी सेंटर तथा अस्पताल संचालित हो रहे हैं, जहां लाखों रुपये लेकर मनचाहा चेहरा और शरीर देने के दावे किए जाते हैं। कृत्रिम सुंदरता के इस बाजार ने युवाओं की मानसिकता को इस हद तक प्रभावित कर दिया है कि प्राकृतिक सौंदर्य अब उन्हें पर्याप्त नहीं लगता। बेशक, सुंदरता ईश्वर की अनुपम देन है। प्राकृतिक रूप से प्राप्त सौंदर्य ही वास्तविक, स्थायी और मनमोहक होता है, जबकि कृत्रिम सुंदरता क्षणिक होने के साथ-साथ शरीर के लिए घातक भी साबित हो सकती है। आज युवा वर्ग आकर्षक दिखने की होड़ में अनेक प्रकार की बीमारियों और मानसिक तनाव को स्वयं आमंत्रित कर रहा है।

रासायनिक उत्पादों से भरपूर क्रीम, इंजेक्शन, हेयर कलर और त्वचा उपचारों का अत्यधिक उपयोग युवाओं के स्वास्थ्य पर गंभीर दुष्प्रभाव डाल रहा है। कम उम्र में बालों का सफेद होना, त्वचा संबंधी रोग, मानसिक तनाव, चिड़चिड़ापन और हार्मोन संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। शरीर की प्राकृतिक संरचना के विपरीत जाकर उसे कृत्रिम रूप से बदलने की प्रवृत्ति भविष्य में गंभीर स्वास्थ्य संकट खड़ा कर सकती है। आज आवश्यकता इस बात की है कि युवा पीढ़ी कृत्रिम सुंदरता के भ्रमजाल से बाहर निकले। केवल बाहरी आकर्षण को ही सुंदरता मान लेना एक बड़ी भूल है। वास्तविक सुंदरता व्यक्ति के विचारों, व्यवहार, संस्कार और चरित्र में होती है। मन, वचन और कर्म से सुंदर व्यक्ति ही समाज में वास्तविक सम्मान प्राप्त करता है। इसलिए आधुनिकता और फैशन की अंधी दौड़ में स्वास्थ्य और प्राकृतिक सौंदर्य से खिलवाड़ करने के बजाय आत्मविश्वास, सादगी और व्यक्तित्व विकास को महत्व देना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

अरविंद रावल

दैनिक राशिफल

मेष राशि कल का दिन आत्मविश्वास से भरा रहेगा। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यापार में रुका धन वापस मिलने के संकेत हैं। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। **शुभ रंग:** लाल **शुभ अंक:** 9

वृषभ राशि धैर्य और समझदारी से काम लेने का दिन है। आर्थिक मामलों में लाभ मिलेगा। पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है। दांपत्य जीवन मधुर रहेगा। स्वास्थ्य में हल्की थकान महसूस हो सकती है। **शुभ रंग:** सफेद **शुभ अंक:** 6

मिथुन राशि कल नई योजनाओं पर काम शुरू हो सकता है। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा रहेगा। नौकरीपेशा लोगों को अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं। **शुभ रंग:** हरा **शुभ अंक:** 5

कर्क राशि भावनाओं में बहकर कोई निर्णय न लें। परिवार का सहयोग मिलेगा। धन खर्च बढ़ सकता है लेकिन जरूरी कार्य पूरे होंगे। प्रेम संबंधों में मजबूती आएगी। **शुभ रंग:** सिल्वर **शुभ अंक:** 2

सिंह राशि कल आपका प्रभाव बढ़ेगा। समाज में मान-सम्मान मिलेगा। करियर में सफलता के संकेत हैं। व्यापार में लाभ हो सकता है। किसी शुभ समाचार से मन प्रसन्न रहेगा। **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ अंक:** 1

कन्या राशि कामकाज में व्यस्तता अधिक रहेगी। मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। स्वास्थ्य को लेकर लापरवाही न करें। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। **शुभ रंग:** हरा **शुभ अंक:** 7

तुला राशि कल भाग्य का साथ मिलेगा। रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं। नौकरी में उन्नति के अवसर मिलेंगे। प्रेम जीवन में खुशियां आएंगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। **शुभ रंग:** गुलाबी **शुभ अंक:** 6

वृश्चिक राशि गुस्से पर नियंत्रण रखें। किसी करीबी से विवाद हो सकता है। व्यापार में सोच-समझकर निवेश करें। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। **शुभ रंग:** मैरून **शुभ अंक:** 8

धनु राशि कल का दिन उत्साह से भरा रहेगा। करियर में नई संभावनाएं बनेंगी। यात्रा लाभदायक हो सकती है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। **शुभ रंग:** पीला **शुभ अंक:** 3

मकर राशि धन लाभ के अच्छे योग हैं। नौकरी में पदोन्नति की चर्चा हो सकती है। पुराने विवाद खत्म होने की संभावना है। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। **शुभ रंग:** नीला **शुभ अंक:** 10

कुंभ राशि रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में लाभ मिलेगा। नए लोगों से संपर्क भविष्य में फायदा देगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें। **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ अंक:** 4

मीन राशि कल मानसिक शांति बनी रहेगी। परिवार के साथ अच्छा समय बितेगा। व्यापार में लाभ और नौकरी में सराहना मिल सकती है। धार्मिक यात्रा के योग हैं। **शुभ रंग:** नारंगी **शुभ अंक:** 7

जनगणना के नाम पर साइबर हमला और डिजिटल ठगी का बढ़ता जाल

डिजिटल भारत के इस दौर में जहां हर सरकारी सेवा तेजी से ऑनलाइन हो रही है वहीं साइबर अपराधियों ने भी लोगों को ठगने के नए तरीके खोज लिए हैं। अब जनगणना जैसी महत्वपूर्ण सरकारी प्रक्रिया को भी साइबर ठग अपने हथियार के रूप में इस्तेमाल कर रहे हैं। गुजरात सहित देश के कई राज्यों में ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें लोगों को जनगणना अधिकारी बनकर फोन किए गए और मोबाइल लिंक भेजकर बैंक खाते खाली कर दिए गए। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि पुलिस को विशेष एडवाइजरी जारी करनी पड़ी। यह केवल आर्थिक अपराध नहीं बल्कि लोगों की निजी जानकारी और डिजिटल सुरक्षा पर सीधा हमला है।

भारत तेजी से डिजिटल व्यवस्था की ओर बढ़ रहा है। सरकारी योजनाएं बैंकिंग सेवाएं स्वास्थ्य सुविधाएं और पहचान से जुड़ी लगभग हर प्रक्रिया अब मोबाइल और इंटरनेट पर आधारित हो चुकी है। ऐसे में आम नागरिकों के मोबाइल फोन में उनकी निजी जिंदगी का बड़ा हिस्सा सुरक्षित रहता है। बैंक खाते यूपीआई एप पासवर्ड फोटो दस्तावेज और पहचान संबंधी जानकारी सब कुछ मोबाइल में मौजूद रहता है। साइबर अपराधी इसी कमजोरी का फायदा उठाकर लोगों को जाल में फंसाने की कोशिश कर रहे हैं।

हाल के दिनों में साइबर ठग जनगणना अधिकारी बनकर लोगों को कॉल कर रहे हैं। वे खुद को सरकारी कर्मचारी बताकर नागरिकों से कहते हैं कि जनगणना प्रक्रिया पूरी करने के लिए कुछ जानकारी अपडेट करनी होगी। इसके बाद लोगों के मोबाइल पर एक लिंक भेजी जाती है। कई बार यह लिंक व्हाट्सएप मैसेज एसएमएस या ईमेल के जरिए आती है। लिंक पर क्लिक करते ही व्यक्ति को एक एपीके फाइल डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है। सामान्य व्यक्ति को यह समझ नहीं आता कि यह फाइल कितनी खतरनाक हो सकती है।

एपीके यानी एंड्रॉइड पैकेज किट एक ऐसा फॉर्मेट होता है जिसके जरिए मोबाइल में एप इंस्टॉल किया जाता है। साइबर अपराधी नकली एपीके फाइल बनाकर उसमें वायरस या स्पाइवेयर छिपा देते हैं। जैसे ही कोई व्यक्ति उसे डाउनलोड करता है वैसे ही मोबाइल की सुरक्षा कमजोर पड़ जाती है। कई मामलों में मोबाइल की स्क्रीन तक साइबर अपराधियों के नियंत्रण में चली जाती है। इसके बाद वे बैंकिंग एप और यूपीआई तक पहुंच बना लेते हैं और कुछ ही मिनटों में खाते से पैसे निकाल लेते हैं।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि कई लोग सरकारी प्रक्रिया समझकर आसानी से भरोसा कर लेते हैं। ठग सरकारी भाषा और अधिकारिक अंदाज में बात करते हैं जिससे व्यक्ति को शक नहीं होता। कई बार वे आधार कार्ड पैन कार्ड बैंक खाता और ओटीपी जैसी गोपनीय जानकारी मांगते हैं। कुछ लोग डर या जल्दबाजी में यह जानकारी साझा कर देते हैं और बाद में उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ता है।

गुजरात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि केंद्र या राज्य सरकार कभी भी फोन पर ओटीपी पासवर्ड बैंक डिटेल या गोपनीय जानकारी नहीं मांगती। जनगणना प्रक्रिया के लिए किसी भी व्यक्ति को मोबाइल एप डाउनलोड करने के लिए मजबूर नहीं किया जाता। यदि कोई व्यक्ति ऐसा कर रहा है तो वह निश्चित रूप से संदिग्ध है। पुलिस ने लोगों से सतर्क रहने और किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक न करने की अपील की है।

साइबर अपराध केवल बैंक खाते तक सीमित नहीं है। मोबाइल हैक होने के बाद अपराधी सोशल मीडिया अकाउंट ईमेल और निजी फोटो तक पहुंच बना सकते हैं। कई बार लोगों की निजी तस्वीरों का दुरुपयोग कर ब्लैकमेलिंग भी की जाती है। कुछ मामलों में अपराधी पीड़ित के नाम से दोस्तों और रिश्तेदारों से पैसे मांगने लगते हैं। इस तरह एक छोटी सी गलती व्यक्ति की आर्थिक और सामाजिक दोनों सुरक्षा को खतरे में डाल सकती है।

डिजिटल ठगी की घटनाएं लगातार इसलिए बढ़ रही हैं क्योंकि इंटरनेट का उपयोग तेजी से बढ़ा है लेकिन डिजिटल जागरूकता उतनी तेजी से नहीं बढ़ पाई है। गांवों और छोटे शहरों में कई लोग पहली बार ऑनलाइन सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। उन्हें साइबर सुरक्षा के नियमों की पर्याप्त जानकारी नहीं होती। यही कारण है कि अपराधी आसानी से लोगों को अपना शिकार बना लेते हैं।

आज जरूरत केवल तकनीक की नहीं बल्कि डिजिटल साक्षरता की भी है। लोगों को यह समझना होगा कि मोबाइल फोन अब केवल बातचीत का साधन नहीं बल्कि एक डिजिटल तिजोरी बन चुका है। जिस तरह कोई व्यक्ति अपने घर की चाबी किसी अनजान व्यक्ति को नहीं देता उसी तरह मोबाइल की जानकारी और ओटीपी भी किसी को नहीं देना चाहिए।

साइबर ठगी से बचने के लिए सबसे जरूरी है सतर्कता। किसी भी अनजान नंबर से आए फोन पर तुरंत भरोसा नहीं करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति खुद को सरकारी अधिकारी बताता है तो उसकी पहचान की पुष्टि करनी चाहिए। किसी भी अनजान लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए और केवल गूगल प्ले स्टोर या अधिकृत प्लेटफॉर्म से ही एप डाउनलोड करना चाहिए। मोबाइल में मजबूत पासवर्ड और स्क्रीन लॉक रखना भी जरूरी है। समय समय पर मोबाइल और एप्स को अपडेट करते रहना चाहिए ताकि सुरक्षा संबंधी खामियां दूर हो सकें।

यदि किसी व्यक्ति को जनगणना या किसी सरकारी प्रक्रिया के नाम पर संदिग्ध कॉल या मैसेज मिले तो तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत करनी चाहिए। नजदीकी पुलिस स्टेशन या साइबर सेल से भी संपर्क किया जा सकता है। समय पर शिकायत करने से कई बार आर्थिक नुकसान को रोका जा सकता है। इसके अलावा परिवार के बुजुर्गों और बच्चों को भी डिजिटल सुरक्षा के बारे में जागरूक करना जरूरी है क्योंकि साइबर अपराधी अक्सर कम जागरूक लोगों को निशाना बनाते हैं।

सरकार और पुलिस लगातार लोगों को जागरूक करने के प्रयास कर रही हैं लेकिन केवल सरकारी प्रयास पर्याप्त नहीं हैं। समाज के हर व्यक्ति को डिजिटल सुरक्षा की जिम्मेदारी समझनी होगी। स्कूल कॉलेज और सामाजिक संस्थाओं को भी साइबर सुरक्षा पर जागरूकता अभियान चलाने चाहिए। मीडिया की भी महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि समाचार और जागरूकता अभियान लोगों को सतर्क बना सकते हैं।

डिजिटल युग ने जहां जीवन को आसान बनाया है वहीं नए खतरे भी पैदा किए हैं। साइबर अपराधियों की चालाकी और तकनीकी समझ लगातार बढ़ रही है इसलिए नागरिकों को भी सतर्क और जागरूक रहना होगा। एक छोटी सी लापरवाही जीवनभर की कमाई को खतरे में डाल सकती है। जनगणना के नाम पर हो रही साइबर ठगी इस बात का बड़ा उदाहरण है कि अपराधी किस तरह लोगों के विश्वास का फायदा उठा रहे हैं।

आज सबसे बड़ा हथियार जागरूकता है। यदि लोग सतर्क रहें सही जानकारी रखें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत शिकायत करें तो साइबर अपराधों पर काफी हद तक रोक लगाई जा सकती है। डिजिटल सुरक्षा केवल सरकार या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं बल्कि हर नागरिक की जिम्मेदारी है। जागरूक नागरिक ही सुरक्षित डिजिटल भारत का आधार बन सकते हैं।

कांतिलाल मांडोत

स्वामी-स्वतंत्र प्रभात मीडिया, मुद्रक एवं प्रकाशक प्रीती शुक्ला द्वारा अनवर ऑफसेट एम- 58, 59 बेसमेंट विकासदीप बिल्डिंग स्टेशन रोड लखनऊ से मुदित ई-4 सेक्टर-एम/29 अपोजिट उमान एन्क्लेव अलीगंज लखनऊ 226024 से प्रकाशित संपादक-राजीव कुमार शुक्ला , मो0-9511151254 Mail: news@swatantraprabhat.com, RNI No: UPHIN/2019/79073 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी आर वी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। किसी भी कानूनी विवाद का निपटारा न्यायलय जनपद लखनऊ ही होगा।

संक्षिप्त खबरें

सुप्रीम कोर्ट में विशेष लोक अदालत का आयोजन 21 से 23 अगस्त तक

देवरिया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव अर्चना ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया में 21 से 23 अगस्त तक विशेष लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन समाधान समारोह के अंतर्गत किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य सर्वोच्च न्यायालय में लंबित मामलों का सुलह-समझौते के माध्यम से निस्तारण करना है। उन्होंने बताया कि अभियान की शुरुआत 21 अप्रैल 2026 से हो चुकी है। विशेष लोक अदालत में शामिल होने के लिए सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट ह्यष्द्ब.द्दश1.द्बठ्ठ? पर उपलब्ध गूगल फॉर्म भरना होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई 2026 निर्धारित की गई है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय स्थित मध्यस्थता केंद्र में पूर्व सुलह बैठकों का आयोजन भी किया जाएगा। सचिव ने अधिवक्ताओं, वादकारियों और संबंधित पक्षों से अधिक से अधिक भागीदारी की अपील की है।

नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती युवक की मौत, पुलिस जांच में जुटी

देवरिया। जनपद के कोतवाली थाना क्षेत्र के तिलई बेलवां निवासी 38 वर्षीय सुरेश यादव की नशा मुक्ति केंद्र में इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस के अनुसार सुरेश यादव को परिजनों ने नशे की लत छुड़ाने के लिए केंद्र में भर्ती कराया था। 21 मई को केंद्र से उनके पुत्र अनिकेत यादव को पिता की तबीयत खराब होने की सूचना दी गई। परिजन उन्हें जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मृतक के पुत्र की तहरीर पर पुलिस ने पोस्टमार्टम कराकर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। मामले में क्षेत्राधिकारी नगर संजय रेड्डी ने जांच की बात कही है। वहीं दूसरी ओर पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर. शंकर के निर्देशन में जनपद भर में 'मिशन शक्ति फेज-5.0' और 'शक्ति दीदी' अभियान चलाया गया। पुलिस टीमों ने महिलाओं और बालिकाओं को हेल्पलाइन नंबरों व महिला सुरक्षा योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक किया। विभिन्न थाना क्षेत्रों में पम्पलेट वितरित कर डायल-112, वुमेन पावर लाइन-1090, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 और साइबर हेल्पलाइन-1930 समेत कई सेवाओं के बारे में बताया गया।

सिद्धार्थनगर में प्रेमी संग मिल महिला ने पति पर डाल दिया पेट्रोल, जिंदा जलाने का प्रयास, केस दर्ज

सिद्धार्थनगर। थाना डुमरियागंज क्षेत्र के रेहरा गांव में एक युवक को कथित रूप से चारपाई से बांधकर पेट्रोल डालकर आग लगाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की पत्नी और उसके कथित प्रेमी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम रेहरा निवासी घम्मल प्रसाद गौतम ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया है कि उनके पुत्र लालजी गौतम (28) की पत्नी पूजा गौतम का गोरखपुर जनपद के पीपीगंज थाना क्षेत्र स्थित बगही बारी निवासी फिरोज पुत्र मुख्तार से प्रेम संबंध था। आरोप है कि 21 मई की रात करीब 10 बजे फिरोज उनके घर आया और पूजा गौतम के साथ मिलकर लालजी गौतम को चारपाई में बांध दिया। इसके बाद दोनों ने पेट्रोल छिड़ककर उसे आग के हवाले कर दिया।

परिजनों के अनुसार लालजी के चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर घर वाले मौके पर पहुंचे और किसी तरह आग बुझाई। गंभीर रूप से झुलसे लालजी गौतम को पहले सीएचसी बेवा ले जाया गया, जहां हालत नाजुक देखते हुए चिकित्सकों ने उसे कैली अस्पताल बस्ती रेफर कर दिया। वहां उसका इलाज चल रहा है और हालत गंभीर बताई जा रही है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि तहरीर के आधार पर पत्नी पूजा गौतम और फिरोज के खिलाफ सुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

भीषण गर्मी से सड़के पड़ी सूनी, बढ़ते तापमान ने बढ़ाई लोगों की मुश्किलें

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोलाबाजार गोरखपुर: कड़ाके की धूप और भारी उमस के साथ चल रहे गर्म हवा से गोला क्षेत्र के लोगों का आम जनजीवन को पूरी तरह प्रभावित दिख रहा है। लगातार बढ़ते तापमान और तेज धूप के कारण दिन दस बजे से सड़कों पर सन्नाटा पसरा दिखाई दे रहा है। आवश्यक कार्य होने पर ही लोग घरों से बाहर निकल रहे हैं, जबकि बाजारों और प्रमुख चौराहों पर भी सामान्य दिनों की अपेक्षा काफी भीड़ कम देखने को मिल रही है। प्राप्त विवरण के अनुसार भीषण गर्मी अपना भयंकर रूप धारण कर पूरी तरह तबाही का मंजर फैला दिया है। लोग अपने घरों से बाहर निकलने में पूरी तरह भय खा रहे है। मृत्यु दर की भी बढ़ोत्तरी हो गई है। हृदय पक्षाघात से लोग काल कवलित हो रहे है।

गर्मी का प्रभाव स्थानीय दुकानदारों पर भी साफ दिखाई दे रहा है। बाजारों में ग्राहकों की संख्या घटने से व्यापार प्रभावित हो रहा है। दुकानदारों का कहना है कि तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोग घरों में रहना ही सुरक्षित समझ रहे हैं, जिससे बिक्री में लगातार गिरावट आ रही है। उधर, लगातार बढ़ रही गर्मी के चलते लोगों के स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। क्षेत्र में सर्दी, खांसी, बुखार, डिहाइड्रेशन और वायरल संक्रमण के मरीजों की संख्या बढ़ती नजर आ रही है। सी एच सी गोला के अधीक्षक डा ए एन ठाकुर ने लोगों को भीषण गर्मी से बचाव के लिए विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बिना आवश्यक कार्य के तेज धूप में बाहर न निकलें, अधिक मात्रा में पानी, नींबू पानी, छाछ और ओआरएस का सेवन करें तथा शरीर को हाइड्रेट रखें। साथ ही बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखने की अपील किया है।

डॉक्टर ठाकुर ने बताया कि तेज धूप और लू के कारण लोगों में कमजोरी, चक्कर आना, बुखार और वायरल संक्रमण जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। उन्होंने लोगों को हल्के और सूती कपड़े पहनने, सिर को ढककर बाहर निकलने तथा तली-भुनी चीजों से परहेज करने की सलाह दिया है। स्थानीय लोगों ने शासन और प्रशासन से सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल व्यवस्था, छायादार स्थानों और राहत के अन्य इंतजाम बढ़ाने की मांग की है, ताकि भीषण गर्मी के बीच लोगों को कुछ राहत मिल सके।

देवरिया को योगी की सौगात, 655 करोड़ रूपये की परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

देवरिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 655.45 करोड़ रुपये की 19 विकास परियोजनाओं की सौगात दी। इनमें देवरिया-कसया फोरलेन और देवरिया-हाटा मार्ग चौड़ीकरण जैसी बड़ी सड़क परियोजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास, सुशासन और रोजगार को नई गति देने के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर जरूरी है और सरकार इसी दिशा में तेजी से काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने देवरिया-कसया मार्ग को पूर्वांचल एक्सप्रेसवे और गोरखपुर-सिलीगुड़ी एक्सप्रेसवे से जोड़ने की योजना का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इससे पूर्वांचल की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक, आवास की चाबी, ट्रैक्टर और प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कानून व्यवस्था, महिला सुरक्षा, किसानों की आय, कौशल विकास और स्वास्थ्य सुविधाओं पर सरकार की प्राथमिकताओं को गिनाया। उन्होंने कहा कि देवरिया में मेडिकल कॉलेज संचालित हो रहा है और नए जिला अस्पताल के लिए जमीन चिन्हित करने के निर्देश दिए गए हैं। आईटीआई को स्किल डेवलपमेंट सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि युवाओं को उद्योगों में रोजगार मिल सके। कार्यक्रम में सांसद शशांक मणि त्रिपाठी , कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, प्रभारी मंत्री दयाशंकर सिंह, विधायक शलभ मणि त्रिपाठी, दीपक मिश्र, सभा कुंवर, सुरेंद्र चौरसिया, जय प्रकाश निषाद, रतन पाल सिंह, अलका सिंह, स्वेता जायसवाल समेत कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

नगर पंचायत में साफ- सफाई व्यवस्था को लेकर बैठक सम्पन्न

सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बिस्कोहर कार्यालय में सभी कार्यरत कार्यालय स्टॉफ तथा वार्डो में कार्यरत सुपरवाइजर, इलेक्ट्रीशियन,ड्राइवर व सफ़ाई कर्मचारियों के साथ नगर अध्यक्ष अजय गुप्ता ने प्रधान लिपिक सुधीर कुमार रावत के उपस्थिति में शुक्रवार को कार्यालय सभागार में बैठक कर सुपरवाईजरों तथा सफाई कर्मचारियों को निर्धारित वार्ड में समय से पहुँचना व विशेष रूप से साफ़-सफ़ाई समस्या के लिए विशेष दिशा निर्देश दिया तथा उनके कार्य क्षेत्र में बदलाव किया एवं समस्त कर्मचारियों को अपने कार्य को जिम्मेदारी से निर्वाहन करने के लिए दिए निर्देश। इस मौके पर पिंकू मोदनवाल, अटल प्रजापति, लालू , भारत प्रजापति, अमन चौरसिया, मिंटू मिश्रा,गणेश वरुण,राहुल कुमार लल्लू गौतम, चिंकू गौतम, आदि लोग मौजूद रहे।

लकड़ी माफिया की दबंगई! सहजनवा में फलदार आम के पेड़ों पर चला आरा, पीड़ित ने सीएम पोर्टल पर की शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सहजनवा। तहसील क्षेत्र के मईला गांव में फलदार आम के पेड़ों की कटाई का मामला सामने आया है। आरोप है कि एक कथित लकड़ी माफिया ने खेत में खड़े वर्षों पुराने आम के पेड़ों को निशाना बनाते हुए एक पेड़ को काटकर उठा लिया, जबकि दूसरे पेड़ को काटकर गिरा दिया गया। मामले को लेकर पीड़ित ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर शिकायत दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। मईला निवासी अशोक कुमार पुत्र राम संवार ने शिकायत में आरोप लगाया है कि उनके गाटा संख्या 411 क और 411 ख में तीन विशाल फलदार आम के पेड़ लगे हुए हैं। उनका कहना है कि एक व्यक्ति काफी समय से इन पेड़ों को कटवाने की कोशिश में लगा था। इसी दौरान एक पेड़ को काटकर मौके से उठा लिया गया, जबकि दूसरा पेड़ काटकर धराशायी कर दिया गया है।

पीड़ित के अनुसार मामले की शिकायत वन विभाग से भी की गई थी, लेकिन कार्रवाई के नाम पर केवल मामूली जुर्माना लगाकर मामला छोड़ दिया गया। उनका आरोप है कि अब तीसरे पेड़ को भी काटने की तैयारी की जा रही है, जिससे उन्हें शेष पेड़ के सुरक्षित रहने की चिंता है। ग्रामीणों का कहना है कि क्षेत्र में फलदार और छायादार वृक्षों की अवैध कटाई पर्यावरण के लिए गंभीर खतरा बनती जा रही है। ऐसे मामलों पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से अवैध कटान करने वालों के हौसले बुलंद हो रहे हैं।

पीड़ित ने मुख्यमंत्री पोर्टल के माध्यम से मामले की जांच कर दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई और शेष पेड़ों की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है। इस संबंध में वन विभाग के वन दरोगा आशुतोष तिवारी ने बताया कि एक पेड़ के कटान के मामले में जुर्माना लगाया गया है। यदि अन्य पेड़ों की कटाई की पुष्टि होती है तो नियमानुसार आगे की कार्रवाई की।

पात्र लोगों को मिले सरकारी योजनाओं का लाभ: जिलाधिकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिव शरणप्पा जीएन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह की उपस्थिति में विकास खण्ड नौगढ़ के अन्तर्गत ग्राम पंचायत बर्डपुर नं0-14 में ग्राम चौपाल- गांव की समस्या गांव में समाधान कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा ग्राम चौपाल-गांव की समस्या गांव में समाधान कार्यक्रम के अन्तर्गत ग्रामीणों से विभिन्न योजनाओ के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी तथा समीक्षा की गयी।

जिलाधिकारी द्वारा ग्रामीणों से जानकारी प्राप्त किया गया कि शासन की योजनाओ की जानकारी मिल रही है। ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि शासन की योजनाओ का लाभ मिल रहा है। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित अधिकारियो को निर्देश दिया कि पात्र लाभार्थियों को सभी योजनाओ का लाभ मिलना चाहिए। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि भारत सरकार/प्रदेश सरकार द्वारा चलायी जा रही सभी योजनाओं का लाभ पात्र लाभार्थियों तक पहुँचाये। इसके किसी भी प्रकार की हीलाहवाली करने पर संबधित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। जिलाधिकारी ने ग्रामवासियों से अपील करते हुए कहा कि जनगणना में लगे प्रगणक का सहयोग करें। ग्राम चौपाल में सम्बन्धित विभाग द्वारा स्टाल लगाकर लोगों को योजनाओं के बारे जानकारी दिया गया। ग्राम चौपाल के दौरान जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कार्यक्रम विधिवत रूप से सम्पन्न कराया गया। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी नौगढ राहुल सिंह, पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा, डीसीमनरेगा सन्दीप सिंह, डीसी एन आरएलएम देवनन्दन दूबे, जिला पूर्ति अधिकारी देवेन्द्र प्रताप सिंह, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी गणेश प्रसाद, जिला समाज कल्याण अधिकारी महिपाल सिंह, जिला दिव्यांग जनसश्क्तीकरण अधिकारी सन्दीप मौर्य, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी नीरज अग्रवाल, खण्ड विकास अधिकारी नौगढ़ सर्वेश मोहन, ग्राम प्रधान व अन्य ब्लाक स्तरीय अधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

अत्यधिक तापमान एवं लू के कारण जनगणना कार्य जुलाई में कराए जाने की मांग को लेकर यूटा ने प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा ज्ञापन

सिद्धार्थनगर। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) सिद्धार्थनगर के प्रतिनिधिमंडल द्वारा प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी, तीव्र धूप एवं मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनी को दृष्टिगत रखते हुए जनगणना कार्य जुलाई माह में कराए जाने की मांग को लेकर शुक्रवार को जिलाधिकारी आवास पर उपस्थित प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि वर्तमान समय में अत्यधिक तापमान एवं लू के कारण शिक्षकों एवं कर्मचारियों के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना बनी हुई है। ऐसे मौसम में जनगणना जैसे व्यापक मैदानी कार्य कराने से शिक्षकों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए शिक्षक हित एवं मानव स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए जनगणना कार्य जुलाई माह में कराया जाना अधिक उपयुक्त एवं सुरक्षित रहेगा। ज्ञापन कार्यक्रम में मंडल अध्यक्ष बस्ती यूटा हरिमोहन सिंह श्रीनेत, जिला महामंत्री प्रकाश नाथ त्रिपाठी, ब्लॉक अध्यक्ष खुनियांव कुलदीप भार्गव तथा यूटा सिद्धार्थनगर के जिलाध्यक्ष अभय कुमार पांडेय उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहे भाकियू नेताओं को पुलिस ने रोका

देवरिया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम स्थल भीमपुर पोखरभिंडा में शुक्रवार को उस समय हलचल मच गई जब भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने पहुंचे। भाकियू के प्रदेश उपाध्यक्ष किसान नेता विनय सिंह सैंथवार और जिलाध्यक्ष गिरीश नारायण शाही के नेतृत्व में पहुंचे प्रतिनिधिमंडल को पुलिस ने मुख्य गेट पर ही रोक दिया। किसान नेताओं ने पुलिस प्रशासन से कहा कि वे शांतिपूर्वक मुख्यमंत्री को अपनी समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपना चाहते हैं, लेकिन पुलिस ने किसी को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी। मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनंद पांडेय, क्षेत्राधिकारी नगर संजय रेड्डी, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली समेत भारी पुलिस बल मौजूद रहा। काफी देर तक चली बातचीत के बाद अपर पुलिस अधीक्षक उत्तरी आनंद पांडेय ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन स्वीकार किया। इस दौरान भाकियू जिला उपाध्यक्ष श्यामदेव राय, हरेंद्र सिंह, जिला कोषाध्यक्ष चंद्रदेव सिंह, युवा जिला उपाध्यक्ष बृजेश यादव, सत्याग्रह सरोज, विजय चौरसिया, उमाशंकर सिंह, हदीश अंसारी, दुखी प्रसाद, सुनील राय और ज्ञानेश्वर राय सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गांव में अचानक बद्वस की खुंठी में आग लगने से ग्रामीणों में अफरा तफरी

● दमकल मौके पर न पहुंचकर महादेवा बाजार से ही वैरन वापस लौट गई ग्रामीणों में काफी आक्रोश।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

खजनी, गोरखपुर। खजनी तहसील क्षेत्र के भदार खास टोला बिशनपुरा गांव में गुरुवार को अचानक बांस की खूंटी में आग लगने से पूरे गांव में अफरा-तफरी मच गई। तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना के बावजूद दमकल वाहन मौके तक नहीं पहुंचा और बीच रास्ते से ही वापस लौट गया, जिससे लोगों में भारी आक्रोश है। जानकारी के अनुसार गांव स्थित आराजी संख्या 157 व 158, जो राजस्व अभिलेखों में प्रयाग नारायण उपाध्याय, तारा देवी और अर्चना देवी के नाम दर्ज है, वहां 21 मई को करीब शाम 3:30 बजे अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग तेजी से फैलने लगी और गांव की ओर बढ़ने लगी, जिससे बड़ी दुर्घटना की आशंका पैदा हो गई।

घटना की सूचना ग्रामीणों ने तत्काल डायल-112 पर दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान ग्रामीण अपने निजी संसाधनों से आग बुझाने में जुटे रहे। बताया जा रहा है कि पुलिस की ओर से दमकल विभाग को सूचना दी गई, लेकिन

करीब डेढ़ घंटे बाद पहुंची दमकल टीम गांव तक नहीं पहुंची। ग्रामीणों का आरोप है कि दमकल वाहन गांव के बाहर महादेवा बाजार के पास पहुंचा और किसी व्यक्ति से आग बुझ जाने की जानकारी लेकर बिना मौके का निरीक्षण किए वापस लौट गया। इससे लोगों में भारी नाराजगी देखने को मिली।

पीड़ित पक्ष का कहना है कि यदि ग्रामीण एकजुट होकर आग पर काबू नहीं पाते तो पूरा गांव आग की चपेट में आ सकता था। तेज गर्मी और सूखे हालात के कारण आग पेट्रोल की तरह तेजी से फैल रही थी। ग्रामीणों ने दमकल विभाग की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए इसे गंभीर लापरवाही बताया है। उनका कहना है कि यदि आपदा की स्थिति में भी राहत टीमें मौके पर नहीं पहुंचेंगी तो भविष्य में बड़ी जनहानि हो सकती है। इस संबंध में थाना अध्यक्ष सिकरीगंज से दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका, जिससे उनका पक्ष प्राप्त नहीं हो पाया।

गोरखपुर: राप्ती में डूबा हाई स्कूल का टॉपर,'एनडीआरएफ कर रही तलाश,स्थानीय पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

गोरखपुर के झंगहा थाना क्षेत्र में राप्ती नदी में 11वीं के छात्र अंश मौर्या के राप्ती में डूबने की सूचना पर परिवार में मातम पसरा हुआ है। गुरुवार को दोस्तों के साथ नदी पर गया छात्र वापस नहीं लौटा। आशंका जताई जा रही है कि वह नदी में डूब गया है। शुक्रवार सुबह से एनडीआरएफ और पुलिस की टीम छात्र की तलाश में रेस्क्यू अभियान चला रही है, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उसका पता नहीं चल सका था।

जानकारी के अनुसार, अंश मौर्या मूल रूप से रामगढ़ताल थाना क्षेत्र के महेवा का रहने वाला था। वह झंगहा क्षेत्र के रामनगर स्थित अपने मामा के घर रहकर पढ़ाई करता था। उसकी मां प्रतिमा मौर्या भी वहीं रह रही थीं। अंश झंगहा स्थित आदित्य पब्लिक स्कूल का छात्र था और इस वर्ष हाईस्कूल परीक्षा में उसने स्कूल टॉप किया था। वर्तमान में वह 11वीं की पढ़ाई कर रहा था। परिजनों के मुताबिक, गुरुवार दोपहर अंश अपने पांच दोस्तों के साथ घर से निकला था। शाम करीब तीन बजे उसके राप्ती नदी में डूबने की सूचना परिवार को मिली। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी गई।

घटना के बाद मां प्रतिमा मौर्या का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बेटे के साथ गए दोस्तों की भूमिका संदिग्ध है। उनका कहना है कि अंश पढ़ाई में बहुत तेज था और स्कूल में टॉपर रहा था। इसी वजह से कुछ लोग उससे जलते थे। उन्होंने दोस्तों पर बेटे को डुबाने का आरोप लगाया है। अंश के पिता राम प्रवेश मौर्या पंजाब में टाइल्स ठेकेदारी का काम करते हैं। घटना की सूचना मिलने के बाद वे गोरखपुर के लिए रवाना हो गए हैं। परिवार में अंश से छोटा भाई अरूष भी है, जिसका रो-रोकर बुरा हाल है।

पुलिस जांच में नदी किनारे झाड़ियों से छात्र के कपड़े और चप्पल बरामद हुए हैं। वहीं दोस्तों से पूछताछ में मिले हुई ,दोस्तों का कहना है कि नहाते समय अंश गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा, जिसे बचाने की कोशिश की गई, लेकिन सफलता नहीं मिली। झंगहा थाना प्रभारी अनूप सिंह ने बताया कि एनडीआरएफ और पुलिस की टीम लगातार रेस्क्यू अभियान चला रही है। छात्र की तलाश के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

सोनौली पुलिस पर एनबीडब्ल्यू की तामील न करने का आरोप

● पीड़ित ने जनसुनवाई पोर्टल पर की सोनौली पुलिस की शिकायत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

रतनपुर/महराजगंज। सोनौली कोतवाली क्षेत्र के महुअवा गांव निवासी रामसमुझ पुत्र गौरीशंकर ने स्थानीय पुलिस पर न्यायालय द्वारा जारी गैर जमानती वारंट की तामील में लापरवाही बरतने का गंभीर आरोप लगाया है। इस संबंध में पीड़ित ने मुख्यमंत्री के जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। जनसुनवाई पोर्टल पर की गई शिकायत के अनुसार पीड़ित के भाई से जुड़े एक मामले में महुअवा गांव के ही निवासी के खिलाफ वर्ष 2008 में मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने के आरोपों में मुकदमा दर्ज हुआ था। इस मामले की सुनवाई मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट महराजगंज की अदालत में चल रही है। पीड़ित का कहना है कि अदालत ने बीती 5 अप्रैल 2025 को दोनों आरोपियों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया था। आरोप है कि कोतवाली पुलिस ने लंबे समय तक न तो वारंट की तामील कराई और न ही इस संबंध में न्यायालय को कोई रिपोर्ट भेजी। इसके बाद अदालत ने संज्ञान लेते हुए 14 मई 2026 को दोबारा एनबीडब्ल्यू जारी कर कार्रवाई के निर्देश दिए लेकिन इसके बावजूद पुलिस मौन साधे रही। रामसमुझ ने आरोप लगाया है कि सोनौली थाना पुलिस आरोपियों को कथित तौर पर संरक्षण दे रही है, जिसके कारण उन्हें न्याय मिलने में देरी हो रही है। पीड़ित ने मुख्यमंत्री और उच्चाधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर संबंधित पुलिस कर्मियों के खिलाफ सख्त प्रशासनिक एवं कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है।

श्रीमद्भागवत कथा के दौरान श्रीकृष्ण बाल लीला का हुआ भव्य आयोजन

प्रतापगढ़। ग्राम सभा परियांवा में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के दौरान श्रीकृष्ण बाल लीला, गोवर्धन पूजा एवं छप्पन भोग कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कथा स्थल पर भगवान श्रीकृष्ण की आकर्षक झांकियां सजाई गई, जिसे देखने के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कथा व्यास शैलेन्द्र शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का मनमोहक वर्णन करते हुए कहा कि बाल गोपाल की लीलाएं मानव जीवन को प्रेम, करुणा और धर्म का संदेश देती हैं। उन्होंने माखन चोरी, गोप-गोपियों के साथ बाल लीलाओं तथा इंद्र के अभिमान को तोड़ने के लिए भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत धारण करने की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा स्थल पर भजन-कीर्तन एवं संगीतमय प्रस्तुति ने माहौल को और भी भक्तिमय बना दिया।कथा आयोजन के मुख्य यजमान शिवाकांत ओझा एवं संदीप ओझा रहे। आयोजन में अमित ओझा, क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग एवं ग्रामीणों द्वारा सहयोग किया जा रहा है।

नौतनवा में 40 लाख का मनरेगा घोटाला मामला: मुख्य विकास अधिकारी ने 7 को ठहराया था दोषी

● पुलिस ने 6 को दे दी क्लीन चिट , सिर्फ एक बना बलि का बकरा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नौतनवा, महराजगंज। महाव नाले के तटबंध पर मनरेगा के नाम पर 40 लाख के घोटाले की फाइल फिर से खुलेगी। हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व जिलाध्यक्ष व पूर्व जिला पंचायत सदस्य नरसिंह पाण्डेय ने इस बंद पड़े मामले को नए सिरे से उठाने का ऐलान किया है। उनके हस्तक्षेप के बाद 10 साल पुराने इस घोटाले की दोबारा जाँच शुरू होने की संभावना तेज हो गई है।

मुख्य विकास अधिकारी ने पकड़ा, पुलिस ने छोड़ा

वर्ष 2013 में महाव नाले के तटबंध निर्माण में मनरेगा के तहत 40 लाख के सरकारी धन के दुरुपयोग का खुलासा मुख्य विकास अधिकारी की जाँच में हुआ था। जाँच में तत्कालीन ब्लॉक प्रमुख भोली देवी, खंड विकास अधिकारी तारा देवी समेत 7 लोगों को दोषी पाया गया। मुख्य विकास अधिकारी के सख्त निर्देश पर परियोजना निदेशक भानु प्रताप सिंह ने नौतनवा थाने में भारतीय दंड संहिता की धारा 419, 420, 406, 467, 468, 471 के तहत मुकदमा दर्ज कराया था।

ये थे 7 आरोपी जिन पर लगी थी दोष की मुहर:

1. तारा देवी- तत्कालीन खंड विकास अधिकारी
2. भोली देवी- तत्कालीन ब्लॉक प्रमुख
3. राम अवध प्रसाद- सहायक विकास अधिकारी
4. आर. एस. लाल- अवर अभियंता, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग
5. शेषनाथ मिश्रा- सहायक लेखाकार
6. संतलाल- सहायक लेखाकार
7. संतोष कुमार गुप्ता- ग्राम विकास अधिकारी

पुलिस के खेल में सिर्फ एक ग्राम विकास अधिकारी बलि का बना बकरा

पुलिस ने सिर्फ ग्राम विकास अधिकारी संतोष कुमार गुप्ता को गिरफ्तार कर जेल भेजा। 2014 में विवेचक ने हैरतअंगेज तरीके से बाकी 6 बड़े नामों को मुकदमे से ही निकाल दिया। 27 मई 2014 को न्यायालय में दाखिल आरोप पत्र में केवल संतोष कुमार गुप्ता को आरोपी बनाया गया। यानी 40 लाख का घोटाला हुआ और जिम्मेदार सिर्फ एक ग्राम विकास अधिकारी? बाकी 6 अफसर-नेता पाक-साफ?

अब होगी नए सिरे से जाँच?

मामले को अब हिंदू युवा वाहिनी के पूर्व जिलाध्यक्ष नरसिंह पाण्डेय ने उठाया है। पाण्डेय का कहना है कि मुख्य विकास अधिकारी की रिपोर्ट के बावजूद पुलिस द्वारा 6 आरोपियों को बचाना गंभीर मामला है। वे जल्द ही इस मामले में उच्च अधिकारियों से मिलकर दोबारा जाँच और विरोध याचिका दाखिल करने की तैयारी में हैं। नरसिंह पाण्डेय के इस मामले को उठाने के बाद प्रशासनिक हलके में हड़कंप है। अगर दोबारा जाँच शुरू होती है तो कई रसूखदारों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं।

संक्षिप्त खबरें

एनएच-39 पर पुलिस का बड़ा ऑपरेशनः लावारिस ट्रक से 75 पैकेट गांजा बरामद, कीमत 15 लाख

लातेहार, झारखंडः- लातेहार जिले के चंदवा थाना क्षेत्र में पुलिस ने मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एनएच-39 से भारी मात्रा में गांजा बरामद किया है। बरामद गांजा की अनुमानित कीमत करीब 15 लाख रुपये बताई जा रही है। कार्रवाई के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक कुमार गौरव को गुप्त सूचना मिली थी कि देवनद नदी के समीप एक संदिग्ध ट्रक लावारिस हालत में खड़ा है। सूचना मिलते ही चंदवा थाना पुलिस ने वाहन जांच अभियान तेज किया और बताए गए स्थान पर पहुंचकर जांच शुरू की। जांच के दौरान एक लाइन होटल के पास खड़े ट्रक (RJ30GB1311) की तलाशी ली गई। तलाशी में ट्रक के भीतर छिपाकर रखे गए करीब एक क्विंटल गांजा के 75 पैकेट बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार गांजा को बेहद सुनियोजित तरीके से वाहन में छिपाया गया था। हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले ही चालक मौके से फरार हो गया। इसके बाद पुलिस ने ट्रक को जब्त कर थाना ले आई और मामले की छानबीन शुरू कर दी। थाना प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि जब्त गांजा को कब्जे में लेकर आगे की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। साथ ही ट्रक मालिक और तस्करी नेटवर्क से जुड़े लोगों की पहचान की जा रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गांजा कहां से लाया जा रहा था और किन क्षेत्रों में इसकी सप्लाई की जानी थी। फिलहाल मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है, लेकिन पुलिस पूरे गिरोह तक पहुंचने के लिए लगातार छापेमारी और जांच अभियान चला रही है। एनएच-39 पर लावारिस ट्रक से इतनी बड़ी मात्रा में गांजा बरामद होने के बाद क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म है।

लातेहार व्यवहार न्यायालय में डिजिटल न्याय व्यवस्था की नई शुरुआत

लातेहार, झारखंडः- लातेहार व्यवहार न्यायालय में न्यायिक प्रक्रिया को आधुनिक और सुगम बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह के द्वारा शुक्रवार से न्यायालय में हाईब्रिड मोड पर कार्य की शुरुआत की गई। इस नई व्यवस्था के तहत अधिवक्ता अब ऑनलाइन माध्यम से भी न्यायालयीन कार्यों में भाग ले सकेंगे। हाईब्रिड मोड के तहत जमानत मामलों की सुनवाई ऑनलाइन माध्यम से संपन्न हुई। इस दौरान बार एसोसिएशन अध्यक्ष एवं वरिष्ठ अधिवक्ता लाल अरविंद नाथ शाहदेव ने सक्रिय रूप से ऑनलाइन बहस में भाग लेते हुए इस पहल को न्यायिक व्यवस्था में एक ऐतिहासिक बदलाव बताया। ऑनलाइन सुनवाई में अधिवक्ता मिथलेश सिंह, डालटनगंज से महेंद्र गिरि एवं अरविंद गुप्ता, लातेहार स्टेशन से विवेक गुप्ता तथा कुमार अमित ने भी भाग लेते हुए अपनी दलीलें प्रस्तुत कीं। वरिष्ठ अधिवक्ता लाल अरविंद नाथ शाहदेव ने कहा कि हाईब्रिड मोड न्यायिक व्यवस्था को नई दिशा देगा। इससे दूरदराज क्षेत्रों के अधिवक्ताओं और आम लोगों को काफी सुविधा मिलेगी।

उन्होंने कहा कि अब अधिवक्ता अपने घर या कार्यालय से ही न्यायालयीन कार्य कर सकेंगे, जिससे समय की बचत होगी और न्याय प्रक्रिया अधिक प्रभावी बनेगी। उन्होंने इस पहल के लिए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश शेषनाथ सिंह के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह व्यवस्था लातेहार न्यायालय के लिए एक मील का पत्थर साबित होगी। नई व्यवस्था की शुरुआत के बाद अधिवक्ताओं में उत्साह का माहौल देखा गया। वहीं तकनीकी सहयोग के लिए न्यायालयकर्मी अभय कुमार सिंह की भूमिका भी सराहनीय रही।

पसगवां सीएचसी बना रिश्वत खोरों का अड्डा कार्यवाही के नाम पर झूठा हवाला

● 06 वर्षों से एक ही कुर्सी पर जमे बैठे सीएचसी अधीक्षक पसगवां

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

पसगवां खीरी। जनपद खीरी की सीएचसी पसगवां अब सीएचसी नहीं बल्कि रिश्वतखोरों का अड्डा बन चुका है।यह डॉक्टर सहित कर्मचारियों द्वारा डिलीवरी के नाम पर पांच सौ से लेकर पांच हजार,बीपी के पचास,जन्म प्रमाण पत्र के पचास व अन्य सरकारी सुविधाओं के नाम पर गरीब असहाय मरीजों की जेबों पर डंका डाला जा रहा है।वहीं स्वास्थ्य विभाग भी ऐसे रिश्वतखोरों पर कोई कार्यवाही करना उचित नहीं समझता और न ही तबादला नीति को मानता है। पसगवां क्षेत्र के ग्राम मुकदरपुर निवासी कुलदीप ने सीएमओ खीरी को शिकायत करते हुए बताया कि मेरी भांजी का जन्म 15 मई 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पसगवां में हुआ था जिसके पांच दिन बाद 20 मई 2026 को मैं अपनी भांजी का जन्मप्रमाण पत्र सीएचसी पसगवां पर बनवाने गया था।जहां पर तैनात कंप्यूटर ऑपरेटर नागेंद्र द्वारा जन्म प्रमाण पत्र जारी करने के मुझसे पचास रूपए की मांग की गई, और मुझे मजबूरन देने पड़े यदि नहीं देते तो शायद मेरा जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाता और मुझे डेली डेली चक्कर लगाने पड़ते,जबकि शासन के अनुसार जन्म प्रमाण पत्र नि शुल्क बनाया जाता है, मैने जब इसकी शिकायत सीएचसी अधीक्षक अश्वनी कुमार वर्मा से की तो उन्होंने मामले को गंभीरता से लेने की बजाय दबाने का प्रयास किया।कंप्यूटर ऑपरेटर के खिलाफ न तो कोई कार्यवाही की और न ही उनसे कोई जवाब तलब किया गया।इससे साफ स्पष्ट होता है कि अस्पताल में अवैध वसूली का सीएचसी अधीक्षक द्वारा संरक्षण दिया जा रहा है,बही इससे पहले भी वसूली से संबंधित शिकायत की जा चुकी है, पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई,लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से गरीब मरीज का स्वास्थ्य सेवाओं से भरोसा उठता जा रहा है,यह हर डिलीवरी के पांच सौ से लेकर पांच हजार, बीपी के 50 रूपए,जन्म प्रमाण पत्र के 50, और कई स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर खूब पैसे ऐठे जा रहे, और कर्मचारी डॉक्टर अपनी जेब मोटी कर रहे है अगर आप रिश्वत नहीं देते है तो आप काम की उम्मीद न रखें अगर रखते है तो आपकी दौड़ते दौड़ते चप्पले घिस जाएंगी ,इस सीएचसी का यह कोई नया मामला नहीं है ऐसे कई मामले सोशल मीडिया पर देखे जा सकते है,वहीं वायरल ऑडियो में पीड़ित से कंप्यूटर ऑपरेटर नागेंद्र खुद यह कहते नजर आ रहे है कि तुम्हारे पैसे रखे है हम भिजवा देते है,इसका मतलब इन्होंने रिश्वत ली है तभी पैसे वापस देने की बात कर रहे है, बही स्वास्थ्य विभाग खीरी भी तबादला नीति को नहीं मनाते सोशल मिडिया के सीएचसी अधीक्षक पसगवां डॉक्टर अश्वनी कुमार वर्मा मई 2020 यानी पिछले 6 वर्षो से एक ही कुर्सी पर जमे बैठे है,जिनका अभी तक तबादला नहीं किया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर अश्वनी कुमार वर्मा ने बताया कि कंप्यूटर ऑपरेटर नागेंद्र को कार्य से हटा दिया गया है, स्पष्टीकरण मांगा गया है, स्पष्टीकरण आने के बाद कार्यवाही की जाएगी।अब देखना है कि स्वास्थ्य विभाग क्या कार्यवाही करता है या फिर दो चार दिन के लिए कार्य से हटा देना ही मात्र कार्यवाही होगी।

बाल विकास पुष्टाहार वितरण में धांधली का मामला उजागर

लखीमपुर खीरी- विकास खण्ड नकहा क्षेत्र में बाल विकास परियोजना के अंतर्गत पुष्टाहार वितरण में आंगनबाड़ी के द्वारा धांधली किए जाने का मामला उजागर हुआ है।सूत्र बताते हैं कि सीडीपीओ की घोर लापरवाही से नकहा क्षेत्र में आंगनबाड़ी कार्यकर्ती मनमाने तरीके से पुष्टाहार का वितरण करती हैं। आरोप है कि ब्लाक नकहा क्षेत्र के बड़ागांव व कोठिया में आंगनबाड़ी केंद्रों पर भोजन सिर्फ कागजों पर बनता है। भले ही सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बाल विकास पुष्टाहार को बढ़ावा देते हैं। लेकिन नकहा सीडीपीओ अपने क्षेत्र में जमकर लूट कर रहे हैं।बताया जाता है कि नकहा क्षेत्र के ग्राम पंचायत पतरासी गुलरीपुरवा हैं, जिसमें जो आए दिन रहता है बंद सिर्फ और सिर्फ खुलता है कागजों पर मासूम बच्चों का हक छीना जा रहा है, लेकिन ब्लाक के उच्च अधिकारी चुप्पी साधे हुए हैं। जिसका बहुत जल्द ग्राम पंचायतों का नाम सहित खुलासा किया जाएगा और जिले के उच्च अधिकारियों से शिकायत की जाएगी।

आतंक का पर्याय बना तेंदुआ पिंजरे में कैद, ग्रामीणों ने ली राहत की सांस

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सिंगाही-खीरी। उत्तर निघासन वन रेंज के बेलरायां क्षेत्र अंतर्गत कटैला फार्म लड्डूआ और आसपास के गांवों में लंबे समय से दहशत का पर्याय बना तेंदुआ आखिरकार शुक्रवार सुबह वन विभाग के पिंजरे में कैद हो गया। तेंदुए के पकड़े जाने की खबर मिलते ही ग्रामीणों ने राहत की सांस ली और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई।बताया जाता है कि पिछले कई दिनों से तेंदुए की लगातार चहलकदमी से ग्रामीण भयभीत थे। तेंदुए द्वारा मवेशियों पर हमले किए जाने और गांव के आसपास दिखाई देने की घटनाओं के बाद लोग शाम होते ही घरों में कैद होने को मजबूर हो गए थे।

ग्रामीणों में बच्चों और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर खासा डर बना हुआ था।वन विभाग को लगातार मिल रही सूचनाओं के बाद बेलरायां रेंज के रेंजर भूपेंद्र सिंह के निर्देशन में टीम ने इलाके में निगरानी बढ़ा दी थी। तेंदुए की गतिविधियों को देखते हुए रणनीति के तहत कटैला फार्म लड्डूआ में पिंजरा लगाया गया था। शुक्रवार सुबह तेंदुआ उसी पिंजरे में कैद हो गया। रेंजर भूपेंद्र सिंह ने बताया कि वन विभाग की टीम लगातार क्षेत्र में गश्त कर रही थी। कड़ी मेहनत और सतर्कता के चलते तेंदुए को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया गया है। इसके बाद विभागीय कार्रवाई करते हुए तेंदुए को सुरक्षित स्थान पर भेजने की तैयारी की जा रही है।तेंदुए के पकड़े जाने के बाद ग्रामीणों ने वन विभाग की कार्रवाई की सराहना की। लोगों का कहना है कि पिछले कई दिनों से इलाके में भय और दहशत का माहौल था, जिससे अब राहत मिली है।

सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत सूचना दिलाए जाने की मांग

● पी.डब्ल्यू. डी विभाग के प्रांतीय खंड के अधीक्षण अभियंता सहित मुख्य अभियंता लखनऊ से शिकायत कर सूचना दिलाए जाने तथा मामले की जांच कर कारवाई किए जाने की मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लखीमपुर खीरी- अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड कार्यालय में तैनात बाबू पर अपने परिवार की फर्मो को मनमाने तरीके से अधिकांश ठेके दिए जाने के गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं।प्रांतीय खंड कार्यालय में मृतक आश्रित कोटे से नौकरी में आए बाबू की लिपिकीय कार्य शैली जन चर्चा का विषय बनी हुई हैं।एक विभागीय सूत्र ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड कार्यालय में तैनात बाबू द्वारा अपने सगे भाई की पत्नी के नाम रजिस्टर्ड फर्म और दूसरी अपने चाचा की पत्नी के नाम पंजीकृत फर्म पर रेवड़ी की तरह थोक के भाव टेन्डर देकर पिछले दरवाजे से खुद ठेकेदारी करने के आरोप उक्त बाबू पर लगाए गए हैं।बताया तो यहां तक जाता है कि बाबू जी ने बैंक डोर से ठेकेदारी करके काफी नामी बेनामी सम्पत्ति बना डाली। क्या कारण रहा की अधिकांश कार्य योजनाओं का काम इन्हीं दोनों फर्मो को दिया गया?बड़ा सबाल तो यह है कि कोई कर्मचारी उसी विभाग में नौकरी करता हो और उसी विभाग में अपनी पत्नी के नाम फर्म रजिस्टर कराकर ठेकेदारी कैसे कर सकता है?

अहम सबाल यह भी है कि अधिशासी अभियंता की नाक के नीचे खेल होता रहा और साहब को इसकी भनक तक नहीं लगी। मामले की जानकारी लेने को जब सूचना अधिकार अधिनियम से आवेदन कर प्रान्तीय खंड से मांगी गई तो ठेके और भुगतान की जानकारी चाही है। टेन्डर की कापी टेन्डर प्रक्रिया में प्रतिभाग करने वाली फर्मो की सूची सहित अन्य बिन्दुओं पर जानकारी चाही गई तो सूचना देने की बजाय शहर के नामचीन लोगों से फोन कराकर दबाब बनाया जा रहा है। शायद जांच और सूचना देने में गर्दन फंसते देख सूचना देना उचित नहीं समझा जा रहा है।एक विशेष सूत्र द्वारा साझा की गई जानकारी के अनुसार अपनी चोरी पकड़े जाने से बाबू द्वारा एक नई चाल चली गई ।जिन दो फर्मों की चर्चा जोर पकड़ रहीं थीं उसकी जगह दो अन्य फर्मो का हायर कर लगा कर काम करने की चर्चा प्रकाश में आयी है।ठेकेदारी प्रथा से जुड़े आदमी ने कहा यदि उक्त दोनों फर्मो द्वारा कराए गए कार्यों की जांच करा ली जाय तो कई अनियमितता सामने आयेंगी, और उक्त बाबू समेत जिम्मेदार अधिकारी की भूमिका पर खड़े होंगे बड़े सवाल और जांच की आंच आना तय माना जा रहा है। फिलहाल मामला जांच का विषय है।अब देखना यह है कि अधिशासी अभियंता प्रांतीय खंड द्वारा मामले की जांच कराई जाती है या फिर यू ही मामले को फाइलों में दफन कर दिया जाएगा।सूचना उपलब्ध न कराए जाने तथा अबतक मामले की जांच न कराए जाने से आहत होकर मामलें की शिकायत अधीक्षण अभियंता लोक निर्माण विभाग और मुख्य अभियंता लोक निर्माण विभाग से कर मामले की उच्च स्तरीय जांच टीम गठित कर जांच कराए जाने की बात सामने आई है।

बिथरी चैनपुर के भरतौल में बाल विकास विभाग और 'प्रथम' संस्था की शानदार पहल, जुटे सैकड़ों अभिभावक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरेली। बिथरी चैनपुर विकास खंड के ग्राम भरतौल में आज बालमन की अनूठी रंगत देखने को मिली। बाल विकास सेवा एवं पुष्टाहार विभाग और प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन के साझा सहयोग से 3 से 6 वर्ष के बच्चों के लिए 'स्कूल रेडीनेस मेले' का धमाकेदार आयोजन किया गया। इस अनूठे मेले का मकसद गांव के नन्हे-मुन्नों के मन से स्कूल का खौफ निकालना और उन्हें खेल-खेल में अक्षर ज्ञान से जोड़ना रहा। मेले की शुरुआत मुख्य अतिथि जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार, सीडीपीओ विमला कुमारी, ग्राम प्रधान प्रवेश प्रथम संस्था के जितेंद्र कुमार यादव ने माँ सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप जलाकर की। मेले में बच्चों के बौद्धिक और शारीरिक विकास को परखने के लिए कई दिलचस्प स्टॉल सजाए गए थे। गाँव के नन्हे-मुन्नों ने इन स्टॉलों पर ऐसा हुनर दिखाया कि अधिकारी भी गदगद हो गए। किसी स्टॉल पर बच्चे रंगों और आकृतियों की पहचान कर रहे थे, तो कहीं कागज से खिलौने बनाकर अपनी कलाकारी दिखा रहे थे। बच्चों ने जब अपनी तोतली आवाज में कविताएं सुनाईं, तो पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। जिला कार्यक्रम अधिकारी मनोज कुमार ने अभिभावकों को समझाते हुए कहा कि 3 से 6 साल की उम्र बच्चों के दिमाग के विकास के लिए सबसे अहम होती है। वहीं सीडीपीओ विमला कुमारी ने माताओं से अपील की कि वे बच्चों को मोबाइल से दूर रखकर घर पर ही खेल-खेल में कुछ न कुछ सिखाने की आदत डालें। इस जमीनी आयोजन को कामयाब बनाने में प्रथम संस्था के जितेंद्र कुमार यादव, आंगनबाड़ी कार्यकत्री शोभा, डॉ. देवेंद्र गंगवार, शैलजा त्रिपाठी, आनंद कुमार, प्रिया भारतीय, पूजा पाल, आशा विशिष्ट हरजीत सिंह और शिवानी जौहरी का विशेष योगदान रहा। मेले में बड़ी संख्या में पहुंचे ग्रामीण और अभिभावक अपने बच्चों का हौसला बढ़ाते देख बेहद खुश नजर आए।

लखनऊ स्थानांतरण पर विभागीय कर्मचारियों ने स्मृति चिन्ह भेंट कर किया सम्मानित

मैगलगंज खीरी। चुराईपुरवा पावर हाउस में तैनात टीजी-2 अभिमन्यु कुमार का स्थानांतरण लखनऊ जनपद होने पर शुक्रवार को विभाग द्वारा भव्य विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह में अधिकारियों व कर्मचारियों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में उपखंड अधिकारी मैगलगंज अमित सिंह, अवर अभियंता राजू सागर, टीजी-2 सूर्यकांत कुमार, अमृतेश अवस्थी, हिमांशु कुमार सहित समस्त स्टाफ मौजूद रहा। इस दौरान साथियों ने अभिमन्यु कुमार को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया और नए कार्यस्थल पर बेहतर कार्य करने के लिए शुभकामनाएं दीं।विदाई समारोह का माहौल भावुक रहा, जहां कर्मचारियों ने उनके सरल व्यवहार और कार्यशैली की जमकर प्रशंसा की।

समाहरणालय में तकनीकी पदाधिकारियों की समीक्षा बैठक, योजनाओं में तेजी लाने का निर्देश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुपौलः समाहरणालय स्थित लहटन चौधरी सभागार में शुक्रवार को जिलाधिकारी सावन कुमार की अध्यक्षता में जिला स्तरीय तकनीकी पदाधिकारियों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में पथ निर्माण विभाग, राष्ट्रीय उच्च पथ प्रमंडल, ग्रामीण कार्य विभाग, बुडको, भवन निर्माण विभाग, स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन, विद्युत आपूर्ति विभाग, लघु जल संसाधन विभाग, शीर्ष कार्य प्रमंडल, पूर्वी एवं पश्चिमी तटबंध प्रमंडल सहित अन्य कार्य प्रमंडलों के कार्यपालक अभियंता उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सभी विभागीय अभियंताओं को निर्देश देते हुए कहा कि जिले में संचालित सभी विकास योजनाओं को निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूरा कराया जाए। उन्होंने विशेष रूप से पथ निर्माण विभाग को क्षतिग्रस्त सड़कों की शीघ्र मरम्मत कराने का निर्देश दिया, ताकि आम लोगों को आवागमन में परेशानी न हो। वहीं संभावित बाढ़ को देखते हुए पूर्वी एवं पश्चिमी तटबंध प्रमंडल के अधिकारियों को तटबंधों की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने तथा संवेदनशील स्थलों पर विशेष निगरानी रखने का निर्देश दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि मानसून से पूर्व सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली जाएं, ताकि किसी भी आपदा की स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

मुठभेड़ में 25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

नीमगांव खीरी- नीमगांव थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह पुलिस और एक बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। दादपुर बिलाई गांव के पास सोतहा घाट पर हुई इस कार्रवाई में पुलिस की जवाबी फायरिंग में 25 हजार रुपये का इनामी बदमाश घायल हो गया। घायल बदमाश की पहचान सीतापुर जिले के इमलिया सुल्तानपुर थाना क्षेत्र के बीबीपुर गांव निवासी सेठ पुत्र बुद्धा (लगभग 45 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, यह बदमाश कई जिलों में चोरी, लूट और अन्य आपराधिक घटनाओं में वांछित था। नीमगांव सहित विभिन्न थानों में उसके खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हैं यह कार्रवाई मितौली क्षेत्राधिकारी यादवेंद्र यादव के पर्यवेक्षण में थाना अध्यक्ष प्रवीर गौतम के नेतृत्व में की गई। मुठभेड़ की सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। पुलिस अब आरोपी के अन्य साथियों और उससे जुड़ी अन्य घटनाओं की जांच कर रही है गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना अध्यक्ष प्रवीर गौतम, चौकी प्रभारी बेहजम संदीप यादव, उपनिरीक्षक जितेंद्र पाल सिंह, कलीम अहमद, पटेल सिंह राठौ, जयप्रकाश राय सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

44 वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के द्वारा, प्रथम बीआरटीसी (बिहार पुलिस) दीक्षांत परेड समारोह सम्पन्न

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेतिया। 44वीं वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, नरकटियागंज परिसर में दिनांक 22 मई शुक्रवार को बिहार पुलिस के मुजफ्फरपुर एवं मोतिहारी जिला पुलिस बल के कुल 152 प्रशिक्षु जवानों का प्रशिक्षण एवं शपथ ग्रहण समारोह संपन्न कराया गया। जहां इस शपथ ग्रहण एवं प्रशिक्षण समारोह के मुख्य अतिथि निशीत कुमार उज्जवल, भारतीय पुलिस सेवा, महा-निरीक्षक, सीमांत मुख्यालय, सशस्त्र सीमा बल, पटना उपस्थित रहें। मुख्य अतिथि का स्वागत बलवंत सिंह नेगी, कमांडेंट, 44 वाहिनी, सशस्त्र सीमा बल, नरकटियागंज (बिहार) द्वारा किया गया। वहीं दीक्षांत परेड समारोह कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक बेतिया डॉ शौर्य सुमन, सिकटा विधायक समृद्ध वर्मा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहें। कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रीय ध्वज सलामी के साथ कि गई, तत्पश्चात कल 152 प्रशिक्षु पुलिस बालों को उनके कर्तव्य निष्ठा की शपथ दिलायी गई , पश्चात् इसके परेड एवं परेड का निरीक्षण मुख्य अतिथि निशीत कुमार उज्जवल ने किया। प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए निशीत कुमार उज्जवल ने बताया कि यह पहली बार हो रहा है कि एसएसबी के द्वारा बिहार पुलिस के 316 पुलिस कांस्टेबल जो प्रशिक्षु जो थे उन्हें ट्रेंड किया गया है, आज के इस दीक्षांत परेड समारोह में 152 प्रशिक्षुओं को जो की मुजफ्फरपुर के 68 एवं मोतिहारी के 84 प्रशिक्षु पुलिस बल को दीक्षांत परेड के साथ उन्हें कर्तव्य निष्ठा की शपथ दिलाई गई, इन पुलिस बलो को कुल 270 दिनों की ट्रेनिंग दी गई, और यह शुरुआत हुई है बिहार पुलिस बलो को 21 जुलाई 2025 से 22 मई 2026 तक इन सभी को ट्रेनिंग कराई गई, प्रशिक्षण अवधि के दौरान शारीरिक दक्षता, हथियार संचालन, कानून एवं व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण तथा आंतरिक सुरक्षा संबंधी विभिन्न विषयों का प्रशिक्षण एवं बी.पी. टी एग्जाम आदि कराए गए। बहुत कठिन परिश्रम के साथ इन्होंने यह प्रशिक्षण प्राप्त किया है। इन्हें अपने कर्तव्य के प्रति समाज के प्रति जो शपथ आज ली है उस शपथ पर निरंतर यह कायम रहेंगे जिसकी हम आशा करते हैं।

बुढ़ियाडाबर में मां भगवती एवं हनुमान प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ का हुआ शुभारंभ

● भव्य कलश यात्रा के साथ भक्तिमय हुआ वातावरण

विधायक मनोज कुमार यादव ने किया उद्घाटन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

चौपारण, हजारीबाग, झारखंडः- बुढ़ियाडाबर गांव में आयोजित 108 मां भगवती एवं हनुमान प्राण प्रतिष्ठा वार्षिकोत्सव महायज्ञ का शुभारंभ गुरुवार को श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ हुआ। महायज्ञ के प्रथम दिन निकाली गई भव्य कलश यात्रा में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालुओं ने भाग लिया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में डूब गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मनोज कुमार यादव ने मुख्य पुजारी भीखन यादव को कलश प्रदान कर विधिवत कलश यात्रा को रवाना किया। गाजे-बाजे, शंखध्वनि और जयकारों के बीच निकली कलश यात्रा गांव के विभिन्न मार्गों से होकर यज्ञ मंडप पहुंची, जहां वैदिक मंत्रोच्चारण और धार्मिक विधि-विधान के साथ अनुष्ठान प्रारंभ किया गया। इस अवसर पर विधायक मनोज कुमार यादव ने कहा कि धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज को जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से सामाजिक समरसता, भाईचारा और आध्यात्मिक चेतना को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि यज्ञ और पूजा-अर्चना से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है तथा लोगों का अपनी आस्था और संस्कृति के प्रति जुड़ाव बढ़ता है। उन्होंने आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के आयोजन भारतीय परंपरा और संस्कृति को जीवंत बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महायज्ञ के दौरान श्रद्धालुओं में भारी उत्साह देखने को मिला और पूरे गांव में भक्तिमय वातावरण बना रहा। आयोजन को सफल बनाने में ग्रामीणों एवं समिति के सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही। मौके पर विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव, मुखिया सरिता देवी, पंचायत समिति सदस्य महेंद्र यादव, सुधीर यादव, सुदर्शन यादव, रामसेवक यादव, सुखदेव शर्मा, कैलाश यादव, चंद्रदेव यादव, संजय यादव, कृष्णा यादव, नेमधारी यादव, कपिल यादव, मधु यादव, सुदय यादव, रघुनी शर्मा, राजेश यादव, इंद्र देव गुरु, पवन प्रजापति, रामसुंदर प्रजापति, विनोद यादव, रामवृक्ष यादव, रामावतार यादव, पोखन यादव सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

छठ घाट बनवाने को लेकर उपमुखिया और ग्रामीणों ने किया विरोध प्रदर्शन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

योगापट्टी : योगापट्टी प्रखंड क्षेत्र के बलुआ भवानीपुर पंचायत के वार्ड नंबर सात के पोखरा पर एक ही स्थान पर उपमुखिया और जिला परिषद ने छठ घाट का निर्माण कार्य शुरू कराया हैं जहाँ पंचायत बलुआ भवानीपुर वार्ड नंबर सात के निवासी उपमुखिया प्रेमचंद्र प्रसाद कुशवाहा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह छठ घाट का निर्माण कार्य मुझे कराना था क्योंकि मैंने इस कार्य के लिए पहले से ही पंचायत के मुखिया इंदु देवी द्वारा स्वीकृति प्राप्त किया हैं यह योजना पंद्रहवी वित्त आयोग द्वारा 2023-2024 से हो रहा है जहाँ जिला परिषद क्षेत्र संख्या तेरह द्वारा ता जबरजस्ती कराया जा रहा है उन्होंने यह भी बताया कि मैंने इस घाट पर मिट्टी का कार्य कराया हैं,वहीं इस विषय पर मुखिया से प्रतिक्रिया लिया तो उन्होंने बताया कि उपमुखिया को हमारे द्वारा योजना पारित कराकर निर्माण कार्य शुरू कराया गया हैं पंचायत सचिव सुबोध कुमार से प्रतिक्रिया लेने पर उन्होंने बताया कि मैंने एक माह पहले चर्चा लिया हैं यह मामला पूर्व का हैं इस विषय पर जिला परिषद से प्रतिक्रिया लेने पर उन्होंने बताया कि मैंने इस छठ घाट का निर्माण कार्य वहाँ के ही ग्रामीणों के कहने पर ही कराना शुरू किया हैं अगर ग्रामीण चाहते हैं कि यह निर्माण कार्य मैं न कराऊं तो मैं नहीं कराउंगा। वहीं इस निर्माण कार्य को लेकर ग्रामीण महंत ठाकुर, हरिन्द्र प्रसाद, रुदल महतो, सीताराम राम और बहुत से ग्रामीण ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया और आक्रोशित ग्रामीणों ने बताया कि लगभग एक वर्ष पहले भी जिला परिषद के द्वारा छठ घाट का निर्माण कार्य कराया गया हैं जो कि पूरी तरह ध्वस्त होता नजर आ रहा हैं ग्रामीण लोगो ने यह मांग किया कि वरीय पदाधिकारी इस निर्माण कार्य को अपने स्तर से जाँच करे और पूर्व मे बनाये गये छठ घाट की निर्माण कार्य मे हुई भारी अनियमितता पर कार्यवाही करे।

प्रशासन की लापरवाही आई सामने 5 घंटे से रखा घर पर शव नहीं पहुंचा जिम्मेदार अधिकारी

लखीमपुर खीरी- के ग्राम पंचायत गढ़ी मिदनिया में 9 तारीख को हुए सड़क हादसे में घायल युवक की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। मृतक की पहचान अरविंद (35 वर्ष) निवासी गढ़ी मिदनिया के रूप में हुई है, जबकि दूसरा पक्ष गाँव का बताया जा रहा है। घटना के बाद से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।परिजनों का आरोप है कि मौत के करीब 5 घंटे बाद तक शव घर पर ही रखा रहा, लेकिन कोई जिम्मेदार अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। ग्रामीणों में प्रशासन की लापरवाही को लेकर भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। लोगों ने मामले में उचित कार्रवाई और पीड़ित परिवार को सहायता दिए जाने की मांग की है।

संक्षिप्त खबरें

अधिवक्ताओं पर लाठीचार्ज के विरोध में मिर्जापुर में उबाल, न्यायिक जांच की उठी मांग

मीरजापुर। लखनऊ में अधिवक्ताओं पर हुए कथित लाठीचार्ज एवं चेंबर हटाए जाने के विरोध में मिर्जापुर में भी अधिवक्ताओं और सामाजिक संगठनों में आक्रोश देखने को मिला। सवर्ण आर्मी विधि प्रकोष्ठ, मिर्जापुर द्वारा मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन सजिलाधिकारी को सौंपकर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि 17 मई 2026 को लखनऊ में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे अधिवक्ताओं पर पुलिस ने अमानवीय लाठीचार्ज किया, वहीं प्रशासन द्वारा अधिवक्ताओं के चेंबर हटाए जाने की कार्रवाई को न्याय व्यवस्था और संविधान पर सीधा हमला बताया गया। संगठन ने मांग की है कि लाठीचार्ज का आदेश देने वाले अधिकारियों को तत्काल निलंबित कर उच्चस्तरीय न्यायिक जांच कराई जाए। साथ ही घायल अधिवक्ताओं का सरकारी खर्च पर इलाज, उचित मुआवजा तथा हटाए गए चेंबरों को सम्मानपूर्वक पुनर्स्थापित करने की भी मांग उठाई गई। सवर्ण आर्मी विधि प्रकोष्ठ ने चेतावनी दी है कि यदि सात दिनों के भीतर मांगों पर कार्रवाई नहीं हुई तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

खरीफ सीजन से पहले उर्वरक दुकानों पर छापा, अनियमितता पर नोटिस जारी

भदोही। आगामी खरीफ बुवाई को देखते हुए जिला कृषि अधिकारी इरम एवं उपजिलाधिकारी औराई श्याम मणि त्रिपाठी ने गुरुवार को उर्वरक की उपलब्धता और कालाबाजारी पर नियंत्रण के लिए बी-पैक्स खमरिया, पाण्डेय ट्रेडर्स औराई तथा जायसवाल खाद भंडार भरथुआ का संयुक्त निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने प्रतिष्ठानों पर उपलब्ध उर्वरकों के स्टॉक, वितरण व्यवस्था, बिक्री रजिस्टर एवं अभिलेखों की जांच की। जांच में कुछ दुकानों पर स्टॉक बोर्ड अद्यतन नहीं मिला तथा विक्रय अभिलेखों में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिया कि किसानों को निर्धारित दर पर पर्याप्त मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की जमाखोरी और कालाबाजारी न होने पाए। जिला कृषि अधिकारी इरम ने कहा कि किसानों को समय पर गुणवत्तायुक्त उर्वरक उपलब्ध कराना शासन की प्राथमिकता है। यदि किसी प्रतिष्ठान पर जमाखोरी या कालाबाजारी की शिकायत मिली तो उर्वरक नियंत्रण आदेश एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम की धारा 3/7 के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी।

भदोही पुलिस के जांबाजों ने आज़मगढ़ जूडो क्लस्टर प्रतियोगिता में लहराया परचम

भदोही। रिजर्व पुलिस लाइन्स आज़मगढ़ में आयोजित 29वीं अन्तर जनपदीय जूडो क्लस्टर (महिला/पुरुष) प्रतियोगिता-2026 में भदोही पुलिस के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन कर जनपद का नाम रोशन किया। 17 से 19 मई तक वाराणसी जोन के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय प्रतियोगिता में भदोही टीम के खिलाड़ियों ने जूडो एवं पेंचक सिलाट स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई पदक अपने नाम किए। पेंचक सिलाट खेल के कोच उपनिरीक्षक हरिवंश सिंह के मार्गदर्शन में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। जूडो प्रतियोगिता के 73 किलोग्राम भार वर्ग में संदीप सिंह ने प्रथम स्थान प्राप्त कर स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं पेंचक सिलाट प्रतियोगिता में हेड कांस्टेबल लल्लन यादव ने 100 किलोग्राम भार वर्ग, हेड कांस्टेबल प्रमोद तिवारी ने 95 किलोग्राम भार वर्ग तथा हेड कांस्टेबल सुनील सिंह ने 90 किलोग्राम भार वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त कर रजत पदक जीता। प्रतियोगिता के समापन समारोह में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आज़मगढ़ डॉ. अनिल कुमार (आईपीएस) ने विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उधर, खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर पुलिस अधीक्षक भदोही ने पुलिस कार्यालय में सम्मानित कर बधाई दी तथा कहा कि खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से पूरे जनपद का गौरव बढ़ाया है। भदोही पुलिस टीम की इस सफलता से विभाग में खुशी का माहौल है।

विंध्य भारत गैस एजेंसी हलिया सिर्फ सिलेंडर ले जाकर फोटो खिंचवाने के लिए बाजार में भेजा जाता है

● फोटो खींचने के बाद वापस चले जाते हैं।

गैस सिलेंडर होम डिलीवरी को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश कुछ लोगों को देकर बाकी फोटो खिंचवाकर चले जाते हैं गैस सिलेंडर के कर्मचारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हलिया मीरजापुर। विंध्या भारत गैस एजेंसी हलिया से चल कर बरौधा आई लेकिन पर्ची भी काटने में असफल रहा उद्देश्य एजेंसियों का था कि सिर्फ फोटो खिंचवाना बरौधा मे गैस वितरण किया गया कुछ लोगों को देखकर कुछ लोगों को नहीं दिया गया बाकी सिलेंडरों के साथ फोटो खिंचवाकर सिलेंडर लेकर सिलेंडर के कर्मचारी चले गए हलिया उपभोक्ताओं के साथ जनवरी के बाद से ही किया जा रहा है गैस एजेंसी के द्वारा नाटक शुक्रवार को पहली बार ही सही लेकिन कुछ लोगों को बरौधा में गैस वितरण किया गया वह भी शिकवा शिकायत के बाद बेलन बरौधा के किशना कुमार ने आरजीआरएस पर शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि ।18 अप्रैल को तहसील लालगंज प्रशासन एवं विंध्य भारत गैस एजेंसी हलिया के प्रोपराइटर प्रेम शंकर सिंह के बीच एक सामंजस बैठाया गया की बहुत जल्द यानी 2 से 3 दिन के अंदर विंध्य भारत गैस एजेंसी हलिया की लिंक शाखा को बरौधा लालगंज एवं पतवार में खोला जाएगा जिससे उपभोक्ताओं को बरौधा या लालगंज से हलिया गैस एजेंसी पर पर्ची कटवाने व गैस लेने करीब 20 से 22 किलोमीटर दूरी नहीं आना पड़ेगा इस प्रकार से विंध्य गैस एजेंसी हलिया द्वारा तहसील प्रशासन को और आम जनमानस को सूचित किया गया लेकिन बड़े दुखः और कष्ट का विषय है की तहसील प्रशासन और विंध्य गैस एजेंसी संचालक प्रेम शंकर की बातें सिर्फ जुबान और कागज तक रह गई और आज भी उपभोक्ता अपने गैस सिलेंडर के बुकिंग और रिफिल के लिए चिल्लाती धूप में बरौधा से हलिया करीब 22 किलोमीटर जाने के लिए मजबूर हैं उपभोक्ताओं की समस्या को जिला पूर्ति अधिकारी नही सुन रहे हैं । और ना तो तहसील प्रशासन और ना ही गैस एजेंसी संचालक प्रेम शंकर को

दिखाई नहीं दे रहा है उपभोक्ताओं के साथ जो इस प्रकार का रवैया विंध्या भारत गैस एजेंसी का है इससे यह साफ साफ-साफ दिख रहा है। की किस प्रकार से वर्तमान सरकार की छवि को धूमिल किया जा रहा है लेकिन जनता जानती है कि प्रदेश के मुखिया राजा अपने प्रजा अपने आम जन मानस के हित के लिए सदैव तत्पर हैं और समर्पित हैं लेकिन कुछ महानुभाव के कारण सरकार को बदनाम किया जा रहा है जो बिल्कुल ही ठीक नहीं है।

सीडीओ ने खाद केंद्र का किया निरीक्षण, बोले- किसानों को पर्याप्त मात्रा में मिलेगी खाद

भदोही। अभोली विकासखंड के परऊपुर गांव स्थित एग्री जंक्शन किसान सेवा केंद्र का शुक्रवार को मुख्य विकास अधिकारी बाल गोविंद शुक्ला ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बिक्री एवं स्टॉक रजिस्टर का अवलोकन कर उपलब्ध उर्वरकों की जांच की। निरीक्षण में केंद्र पर 390 बोरी डीएपी और 1676 बोरी यूरिया उपलब्ध पाया गया। सीडीओ ने कहा कि जनपद में खाद की कोई कमी नहीं है। किसानों को फार्मर रजिस्ट्री एवं फार्मर आईडी के आधार पर ही उर्वरक वितरित किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी प्रकार की कालाबाजारी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एग्री जंक्शन किसान सेवा केंद्र के प्रभारी रामेश्वर सिंह ने बताया कि केंद्र पर पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध है और किसानों को उनके खेत के रकबे तथा बोई गई फसल के अनुसार खाद वितरित की जा रही है। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग के अधिकारी लगातार निगरानी कर रहे हैं तथा खाद की बिक्री और उपलब्धता की प्रतिदिन मॉनिटरिंग की जा रही है। निरीक्षण के दौरान राघवेंद्र सिंह, राम सिंह, अंकित सिंह और नन्हेंलाल सरोज सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

भीषणगर्मी में मरीज बेहाल, मिर्जापुर महिला जिला अस्पताल में पंखे तक की नही है व्यवस्था

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर के महिला जिला अस्पताल में भीषण गर्मी के बीच दूर-दराज से इलाज कराने पहुंचे मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करनाऊ पड़ रहा है। आरोप है कि अस्पताल में मरीजों और तीमारदारों के लिए पर्याप्त पंखों तक की व्यवस्था नहीं है, जबकि अस्पताल के स्टाफ कक्षों में एसी, कूलर और पंखों की पूरी सुविधा उपलब्ध है। मौसम विभाग द्वारा जारी हीट वेव अलर्ट के बीच जनपद का तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। ऐसे में 30 से 40 किलोमीटर दूर ग्रामीण क्षेत्रों से इलाज कराने आने वाले मरीज गर्मी से बेहाल नजर आ रहे हैं। अस्पताल परिसर में बैठने और राहत की समुचित व्यवस्था न होने से मरीजों एवं उनके परिजनों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

वहीं जिला अस्पताल परिसर में दोपहिया वाहनों से स्टैंड शुल्क वसूले जाने को लेकर भी लोगों में नाराजगी है। मरीजों और तीमारदारों का कहना है कि सरकारी

अस्पताल में मुफ्त इलाज की उम्मीद लेकर आने वाले गरीब और जरूरतमंद लोगों से ?10 प्रति बाइक के हिसाब से वसूली की जा रही है। लोगों का आरोप है कि सरकार द्वारा कई स्थानों पर स्टैंड व्यवस्था समाप्त किए जाने के बावजूद यहां खुलेआम शुल्क लिया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि मरीजों के पास पर्याप्त पैसे होते तो वे निजी अस्पतालों में इलाज कराते, जहां बेहतर सुविधाएं उपलब्ध रहती हैं। लोगों ने जिला प्रशासन एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी से अस्पताल की व्यवस्थाओं में सुधार कर मरीजों को राहत दिलाने की मांग की है।

फर्जी एससी-एसटी एक्ट के विरोध में ब्राह्मण समाज का प्रदर्शन, गणेश शर्मा को न्याय दिलाने की उठी मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मिर्जापुर जिला मुख्यालय पर शुक्रवार को राष्ट्रीय परशुराम सेना ब्रह्म वाहिनी के नेतृत्व में ब्राह्मण समाज ने प्रदर्शन कर फर्जी एससी-एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज किए जाने का विरोध जताया। प्रदर्शन के बाद जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच एवं कार्रवाई की मांग की गई। प्रदर्शन का नेतृत्व संगठन के जिला अध्यक्ष पंडित अनिल कुमार शर्मा ने किया। मामला मिर्जापुर देहात कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पथरा दसौंधी निवासी गणेश शर्मा से जुड़ा है, जिनके खिलाफ जमीन विवाद में एससी-एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किए जाने का आरोप है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि यह मुकदमा फर्जी तरीके से दर्ज कराया गया है।

अखिल भारतीय ब्राह्मण कल्याण संस्थान के राष्ट्रीय महामंत्री पंडित सुनील कुमार पांडे एडवोकेट ने कहा कि ब्राह्मण समाज के खिलाफ लगातार उत्पीड़न की घटनाएं बढ़ रही हैं और फर्जी मुकदमों के जरिए समाज को निशाना बनाया जा रहा

है। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच कर गणेश शर्मा को न्याय दिलाने की मांग की। वहीं राष्ट्रीय परशुराम सेना ब्रह्म वाहिनी के जिला अध्यक्ष पंडित अनिल कुमार शर्मा ने कहा कि ब्राह्मण समाज अन्याय के खिलाफ एकजुट होकर संघर्ष करेगा और जरूरत पड़ने पर बड़ा आंदोलन भी किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान प्रशासन की ओर से मामले का संज्ञान लेते हुए उपजिलाधिकारी सदर एवं तहसीलदार सदर को मौके पर सीमांकन कराने का निर्देश दिए जाने की जानकारी भी सामने आई। इस दौरान पंडित शेषधर पांडे, जयप्रकाश पांडेय, संजय उपाध्याय, धीरज तिवारी, सुशील दुबे एडवोकेट, मुकेश पांडे सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग मौजूद रहे।

समाज और धर्म रक्षा के लिए तैयार हो रही दुर्गा वाहिनी: गजेंद्र

भदोही। विश्व हिन्दू परिषद के तत्वावधान में गुरुकुल स्कूल जखाव में आयोजित सात दिवसीय दुर्गा वाहिनी वर्ग के तीसरे दिन क्षेत्र संगठन मंत्री गजेंद्र ने कहा कि विहिप का ध्येय वाक्य 'धर्मो रक्षति रक्षितः' है, अर्थात जो धर्म की रक्षा करता है, धर्म उसकी रक्षा करता है। उन्होंने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद देश और विदेश में रह रहे हिंदुओं की सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था है, जिसका प्रमुख उद्देश्य सेवा और संगठन है। प्रशिक्षार्थियों से उन्होंने सात दिनों के प्रशिक्षण में शारीरिक, बौद्धिक, योग एवं आत्मरक्षा संबंधी अधिक से अधिक ज्ञान अर्जित करने का आह्वान किया। वर्ग में काशी एवं काशी प्रांत के विभिन्न जिलों से 100 से अधिक शिक्षार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं। कार्यक्रम में वर्ग प्रमुख रचना, दिव्या, शुभांगिनी, रोहित, डॉ. दीपा, सुमन, निधि, तेगा सिंह और रामराज पाठक सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

सर्वोच्च न्यायालय ने दिया बदेवरा नाथ के पक्ष में फैसला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। जिगना क्षेत्र के बदेवरा नाथ जहां आस्था और विश्वास से हजारों भक्तों का आगमन प्रतिदिन होता है समय-समय पर यह संख्या लाखों के पार पहुंच जाती है ऐसे ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल पर 2021 के पूर्व पूरे मंदिर परिसर पर अतिक्रमण के कारण भक्तों का बाबा का दर्शन कर पाना असहज सा लगता था 2022 में वर्तमान ग्राम प्रधान श्रीमती माहेश्वरी उपाध्याय व उनके सहयोग से श्री अवधेश कुमार उपाध्याय द्वारा एक जनहित याचिका माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के समक्ष प्रस्तुत की गई जिसमें माननीय उच्च न्यायालय का ?निर्णय अतिक्रमण को हटाने का हुआ जिस पर कार्यवाही करते हुए? प्रशासन ने परिसर को अतिक्रमण मुक्त कराकर माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष अतिक्रमण मुक्त होने की फोटो प्रस्तुत की गई तत्पश्चात बदेवरा नाथ मंदिर परिसर का विकास तीव्र गति से प्रारंभ हुआ इसी बीच अतिक्रमण करता द्वारा विकास मे अवरोध उत्पन्न करने की नीयत से माननीय उच्च न्यायालय के फैसले को देश की माननीय सर्वोच्च न्यायालय दिल्ली में चुनौती दी माननिय सर्वोच्च न्यायालय ने रामजीयावन बनाम उत्तर प्रदेश सरकार अपील स्वीकार की जिसे देश के जाने-माने न्याय मूर्ति के. भी. विश्वनाथन एवं माननीय न्यायमूर्ति विजय बिश्नोई की अदालत ने सुना और माननीय उच्च न्यायालय इलाहाबाद के फैसले को सही माना तथा रामजीयावन की अपील को खारिज कर दिया तथा इस संदर्भ में सभी प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिए गए माननीय उच्च न्यायालय द्वारा पारित आदेश में यह स्पष्ट लिखा गया है कि जिला प्रशासन यह सुनिश्चित करें कि मंदिर परिसर पर किसी प्रकार का अनाधिकृत अतिक्रमण न रहे इस संदर्भ में ग्राम प्रधान एवं अन्य द्वारा बताया गया कि अब भी मंदिर परिसर पर टीन सेट लगाकर अतिक्रमण किया गया है जिसे जल्द से जल्द हटाने की कार्यवाही की जानी चाहिए उच्च न्यायालय इलाहाबाद के आदेश का पूर्णतया क्रियान्वयन हो सके माननीय सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले से क्षेत्र में खुशी की लहर है तथा बाबा बदेवरा नाथ के भक्त इस ऐतिहासिक विजय के

लिए माननीय सहित लोक सेवा आयोग उत्तर प्रदेश के सदस्य कल्पराज सिंह विधिक अधिकारी इलाहाबाद हाई कोर्ट राकेश चतुर्वेदी एमएलसी प्रतिनिधि प्रेम बहादुर सिंह ब्लॉक प्रमुख छानबे सुमन सिंह पूर्व प्रमुख अवध राज सिंह उर्फ पप्पू सिंह ग्राम प्रधान माहेश्वरी उपाध्याय प्रधान प्रतिनिधि प्रतिनिधि बदेवरा चौबे ओम प्रकाश उर्फ शेखू उपाध्याय आदित्य प्रसाद चतुर्वेदी गिरिजा मणि चतुर्वेदी बद्री प्रसाद चतुर्वेदी रविंद्र शंकर दुबे समाजसेवी छैल बहादुर सिंह बंसलाल बिन्द हृदय शंकर चतुर्वेदी सुशील कुमार चतुर्वेदीन? पप्पू पांडे बब्बू दुबे ने माननीय सर्वोच्च न्यायालय के फैसले को ऐतिहासिक बताया तथा खुशी जाहिर की।

महंगाई को लेकर सपा ने किया हल्लाबोल प्रदर्शन

● मिर्जापुर कलेक्ट्रेट में आज शुक्रवार को पहुॅचकर बिजली, पानी, गैस आदि का उठाया मुद्दा

सपा जिलाध्यक्ष बोले- बेलगाम महंगाई के कारण आम जनता परेशान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के निर्देश पर समाजवादी पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा बढ़ती मंहगाई, बिजली पानी गैस हैण्डपम्प की मरम्मत एवं सूखे तालाबो को भरने एवं आम जनता की समस्याओ को लेकर कलेक्ट्रेट में सपा जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के नेतृत्व में जोरदार धरना व प्रदर्शन कर जिलाधिकारी पवन कुमार गंगवार के माध्यम से महामहिम राज्यपाल

को सम्बोधित पांच सूत्रीय मॉग पत्र सौपा गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी ने कहा कि बेलगाम मंहगाई, बिजली दरो में वृद्धि, कामर्शिल गैस के बढ़ते दाम, पेट्रोल डीजल की मंहगाई, दूध एवं सब्जियो के दाम आसमान छू रहे है। बढ़ी कीमतो पर तत्काल रोक लगाने की मॉग प्रमुखता से उठाई। इस विशाल जन प्रदर्शन में घड़ा, गैस सिलेण्डर एवं घरेलू उपयोग वस्तुओ के साथ प्रदर्शन किया गया। कार्यकर्ताओं ने पेपर लीक के खिलाफ नारेबाजी की।

प्रदर्शन करने वालो में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक राजेन्द्र सिंह पटेल, रोहित शुक्ला, रविन्द्र बहादुर सिंह, सुरेन्द्र सिंह पटेल, मुन्नी यादव, सोकिम अहमद, हरिशंकर यादव, जुम्मन खान, राणा प्रताप सिंह, दिनेश यादव, सूर्यकान्त सिंह, शैलेष पटेल, झल्लू यादव, सत्यप्रकाश यादव, रवि सोनकर, राममिलन यादव, कीर्ति कोल, परवीन बानो, जहांआरा, बन्दना गुप्ता, सावित्री देवी, संग्राम बिन्द, मुकुन्द यादव, शिवनारायन बिन्द, कन्हैया यादव, भरतलाल बिन्द, श्याम अचल यादव, कौशिक कन्नौजिया, प्रिंस राव, मेवालाल प्रजापति, शक्ति श्रीवास्तव, दीनानाथ प्रजापति, राजकुमार यादव, सियाराम जैसल, रविन्द्र कोल, पतालू यादव, पिन्टू यादव, रविन्द्र यादव, नागेन्द्र तिवारी, उपेन्द्र तिवारी, अशोक यादव, राजकमल कसेरा, विजय यादव, अनिल सोनकर, छविनाथ विश्वकर्मा आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहें।

20 किलो गांजा के साथ चार तस्कर गिरफ्तार, चोरी के 7 हजार रुपये भी बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। थाना औराई पुलिस ने मादक पदार्थों की तस्करी और चोरी की घटनाओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 20.730 किलोग्राम अवैध गांजा के साथ चार शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चोरी के मुकदमे से संबंधित सात हजार रुपये नगद भी बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक शुभम अग्रवाल के पर्यवेक्षण में औराई पुलिस व स्वाट टीम ने मुखबिर की सूचना पर औराई चौराहे के पास घेराबंदी कर सीएनजी ऑटो सवार चार आरोपियों को पकड़ा। तलाशी में ऑटो से 20.730 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ।

गिरफ्तार आरोपियों में विनोद कुशवाहा, कलीम साह, आमिर और साहिल शामिल हैं, जो प्रयागराज जनपद के निवासी बताए गए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे अन्य प्रांतों से गांजा लाकर भदोही और आसपास के जिलों में अवैध रूप से बेचते थे।

पुलिस पूछताछ में आरोपियों ने छह मई को औराई ओवरब्रिज के पास एक महिला के बैग से 1.58 लाख रुपये चोरी करने की घटना भी कबूल की। पुलिस ने उनके पास से चोरी के मुकदमे से संबंधित सात हजार रुपये बरामद किए हैं। मामले में पूर्व दर्ज मुकदमे में धारा बढ़ाते हुए आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में कलीम के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के छह तथा आमिर के खिलाफ चोरी, गैंगस्टर और आर्म्स एक्ट के पांच मुकदमे पहले से दर्ज हैं। सभी आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर न्यायालय भेज दिया गया।

जनगणना 2027 के तहत मकान सूचीकरण कार्य जारी

जनपद न्यायाधीश एवं पुलिस अधीक्षक आवास पर हुआ हाउस लिस्टिंग कार्य

भदोही। भारत की जनगणना 2027 के अंतर्गत जनपद में मकान सूचीकरण एवं हाउस लिस्टिंग कार्य आज से प्रारंभ किया गया। इस क्रम में आज प्रगणक टीम द्वारा जनपद न्यायाधीश अखिलेश दुबे तथा पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के आवास पर मकान सूचीकरण का कार्य संपन्न किया गया। प्रगणकों द्वारा निर्धारित प्रारूप के अनुसार आवास संबंधी आवश्यक विवरण संकलित किए गए। प्रशासन द्वारा जनगणना कार्य को पारदर्शी, व्यवस्थित एवं समयबद्ध ढंग से पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए हैं।

डीएम आवास से शुरू हुआ मकान सूचीकरण कार्य, 22 जून तक चलेगी प्रक्रिया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भदोही। जनपद में संचालित जनगणना एवं मकान सूचीकरण कार्य के अंतर्गत शुक्रवार को प्रगणक द्वारा जिलाधिकारी शैलेष कुमार की उपस्थिति में उनके आवास का मकान सूचीकरण कार्य संपन्न किया गया। इसके साथ ही जनपद में घर-घर जाकर आंकड़े जुटाने की प्रक्रिया शुरू हो गई। प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिलाधिकारी शैलेष कुमार ने बताया कि नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में कुल 3229 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक बनाए गए हैं। जनगणना कार्य के सफल संचालन के लिए प्रशासनिक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं तथा अधिकारियों और कर्मचारियों को जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं।

उन्होंने बताया कि जनपद में 10 चार्ज अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। इसके अलावा 2967 प्रगणक और 457 सुपरवाइजर लगाए गए हैं। सभी कर्मचारियों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराकर 22 मई से 22 जून तक क्षेत्र में कार्य के लिए

भेजा गया है। प्रगणक निर्धारित प्रारूप के अनुसार घर-घर जाकर मकानों का सूचीकरण एवं सूचनाएं संकलित करेंगे। जिलाधिकारी ने कहा कि जनगणना देश की महत्वपूर्ण प्रशासनिक एवं विकासात्मक प्रक्रिया है, जिसके आधार पर योजनाएं और नीतियां तैयार की जाती हैं। उन्होंने जनपदवासियों से सही जानकारी उपलब्ध कराने और प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। जनगणना कार्य के दौरान समस्याओं के समाधान के लिए 54 फील्ड ट्रेनर और दो मास्टर ट्रेनर भी तैनात किए गए हैं, जो प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों को तकनीकी और व्यवहारिक मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

साइबर हेल्प डेस्क की तत्परता से युवक को वापस मिले 12 हजार रुपये

भदोही। थाना सुरियावां की साइबर हेल्प डेस्क ने त्वरित कार्रवाई करते हुए साइबर फ्रॉड का शिकार हुए युवक के खाते में वापस 12 हजार रुपये दिलाए। गहोरवा निवासी नागेन्द्र गौतम से गलत ट्रांजेक्शन के माध्यम से धनराशि कट गई थी, जिसके बाद उन्होंने ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई। पुलिस अधीक्षक अभिनव त्यागी के निर्देशन में साइबर हेल्प डेस्क थाना सुरियावां ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित पक्ष से समन्वय स्थापित किया और पूरी धनराशि वापस कराई। खाते में रुपये वापस मिलने पर पीड़ित ने भदोही पुलिस का आभार जताया।

पेयजल संकट पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा, नलों से नहीं टपक रही पानी की बूंद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

मीरजापुर जिगना क्षेत्र के बहुती मय चकचौरा गांव में शुक्रवार को आयोजित 'गांव की समस्या- गांव में समाधान' चौपाल में पेयजल संकट का मुद्दा छाया रहा। करीब पांच हजार की आबादी वाले गांव में 80 फीसदी नलों से पानी नहीं आने पर ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया और जल जीवन मिशन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए। ग्राम प्रधान मनोज कुमार पाठक ने बताया कि गांव से करीब ढाई किलोमीटर दूर कोलेपुर गांव के उत्तरी छोर पर ओवरहेड टैंक बनाए जाने के कारण पाइपलाइन में पानी का दबाव समाप्त हो गया है। इससे हर घर नल योजना पूरी तरह बेअसर साबित हो रही है। उन्होंने कहा कि कई बार शिकायत के बावजूद जल जीवन मिशन के अधिकारी सिर्फ आश्वासन दे रहे हैं, जबकि पंप ऑपरेटर गांव तक आने की जहमत नहीं उठा रहा है।

ग्रामीण मनोहर, पंधारी, जोखूराम और जमुना ने बताया कि हीट वेव के बीच पेयजल के लिए हैंडपंपों पर निर्भर रहना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ तो भूमिगत पाइपलाइन उखाड़कर जल जीवन मिशन कार्यालय पर फेंक दी जाएगी। चौपाल में मौजूद सेक्रेटरी अक्षय कुमार ने बताया कि पीएम आवास योजना की सूची में 80 पात्र लाभार्थियों के नाम शामिल हैं। शासन स्तर से चरणबद्ध तरीके से उनके खातों में धनराशि भेजी जाएगी।

प्रधान मनोज पाठक ने कहा कि बीते पांच वर्षों में गांव का चहुंमुखी विकास कराया गया है और पेयजल समस्या के समाधान के लिए जिलाधिकारी से मिलकर निर्णायक पहल की जाएगी।

जिला प्रोवेशन विभाग के समन्वयक अरुण मिश्रा नोडल अधिकारी के रूप में मौजूद रहे, लेकिन ब्लॉक स्तरीय अधिकारियों की अनुपस्थिति से पेंशनधारकों और किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं हो सका। ग्रामीणों को विभिन्न सरकारी योजनाओं की जानकारी भी नहीं मिल सकी। उधर, क्षेत्र के कोलाही गांव में आयोजित चौपाल में डीपीआरओ संतोष श्रीवास्तव ने नालियों की सफाई और ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। ड्रेस नहीं पहनने पर एक सफाईकर्मी को फटकार लगाते हुए एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया गया।

ग्रामीणों ने बताया कि विजयपुर-भारतगंज मार्ग चौड़ीकरण के दौरान जेसीबी मशीन से भूमिगत पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई थी, जिसके कारण पिछले तीन महीनों से हर घर नल योजना पूरी तरह ठप पड़ी है। प्रधान सरिता यादव ने कहा कि करीब चार हजार की आबादी वाला गांव पूरी तरह हैंडपंपों के भरोसे है। डीपीआरओ संतोष श्रीवास्तव ने एक पखवाड़े के भीतर नलों से पानी आपूर्ति बहाल कराने का आश्वासन दिया। वहीं खंड विकास अधिकारी रामपाल ने कहा कि अब नए हैंडपंप नहीं लगाए जाएंगे, बल्कि पुराने हैंडपंपों की मरम्मत कराई जाएगी।

एडीओ समाज कल्याण प्रेमचंद पटेल ने विभागीय योजनाओं की जानकारी दी। नए पेंशनधारकों ने आरोप लगाया कि डेढ़ वर्ष से पेंशन की किश्त नहीं मिली है। सेक्रेटरी दिलीप कुमार यादव ने गांव की समस्याओं को सूचीबद्ध किया। प्रसाविका नीलम शुक्ला ने गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण कार्यक्रम की जानकारी दी। शत-प्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाए जाने पर डीपीआरओ ने एएनएम नीलम शुक्ला की सराहना की। फार्मर रजिस्ट्री कार्य में भी गांव की प्रगति संतोषजनक बताई गई।

संक्षिप्त खबरें

खरकौनी मोहल्ले में सड़क पर भरा गंदा पानी, लोगों का आवागमन हुआ मुश्किल

नैनी,प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के खरकौनी मोहल्ले में सड़क पर गंदा पानी भर जाने से स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मोहल्लेवासियों का कहना है कि इस समस्या को लेकर कई बार पार्षद और नगर निगम से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है।खरकौनी निवासी हरनाम कुशवाहा ने बताया कि सड़क पर लगातार गंदा पानी जमा रहने से राहगीरों और स्थानीय लोगों को आने-जाने में काफी दिक्कत हो रही है। जलभराव के कारण सड़क की स्थिति बदतर हो गई। वही पानी जमा होने से अनेकों बीमारियां उत्पन्न होने की आशंका जताई जा रही है। और लोगों को मजबूरी में गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है।स्थानीय नागरिकों ने नगर निगम प्रशासन से जल्द से जल्द समस्या का समाधान कराने की मांग की है, ताकि लोगों को राहत मिल सके और संक्रमण फैलने का खतरा भी टाला जा सके। नाराजगी करने वालों में ऐडवोकेट रत्नेश कुशवाहा, मीत लाल,कान्ता प्रजापति,राजेश भारतिया शेखर,आदि रहे।

हत्या के प्रयास के मामले में आरोपी गिरफ्तार

स्वतंत्र प्रभात
ब्रेकिंग न्यूज़

नैनी, प्रयागराज। नैनी पुलिस ने हत्या के प्रयास के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए घटना के 24 घंटे के भीतर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मु0अ0स0-262/2026, धारा 109(1) बीएनएस के तहत वादी मुकदमा/मजरूब श्री लक्ष्मण सिंह कुशवाहा उर्फ बिहारी पुत्र स्वर्गीय शिवाजी सिंह कुशवाहा निवासी महेवा पश्चिम पट्टी, थाना नैनी, जनपद प्रयागराज की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कार्रवाई करते हुए अभियुक्त विवेक दुबे उर्फ पंडित पुत्र राजनारायण दुबे निवासी महेवा पश्चिम पट्टी, थाना नैनी, जनपद प्रयागराज, उम्र करीब 41 वर्ष को दिनांक 22 मई 2026 को नियमानुसार गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश कर न्यायिक हिरासत रिमांड प्राप्त करने के बाद जिला कारागार नैनी भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दुष्कर्म व पॉक्सो एक्ट का वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

उतराव/प्रयागराज। थाना उतरांव पुलिस को दुष्कर्म एवं पॉक्सो एक्ट से जुड़े मामले में बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस टीम ने काफी दिनों से फरार चल रहे वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार कर न्यायिक कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता की चर्चा रही। पुलिस के अनुसार थाना उतरांव में दर्ज मुकदमा संख्या 102/2026 में धारा 64(2) बीएनएस तथा 5/6 पॉक्सो एक्ट के तहत अभियुक्त विमल कुमार पुत्र रामअचल निवासी कोढ़ीपुर खुदघोटा थाना उतरांव की तलाश की जा रही थी। आरोपी पर नाबालिग से दुष्कर्म जैसे गंभीर आरोप लगे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस लगातार उसकी तलाश में दबिश दे रही थी। शुक्रवार को थाना उतरांव पुलिस टीम को सूचना मिली कि वांछित अभियुक्त महरूपुर हाईवे अंडरपास तिराहा, कानपुर-वाराणसी मार्ग की सर्विस लेन के पास मौजूद है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपी भागने का प्रयास भी करता रहा, लेकिन पुलिस ने सतर्कता दिखाते हुए उसे पकड़ लिया। गिरफ्तार अभियुक्त की उम्र लगभग 25 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। इसके साथ ही आवश्यक चिकित्सीय एवं विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए उसे न्यायालय भेजने की तैयारी की जा रही है।

यूपी के 'गन कल्चर' पर हाईकोर्ट सख्त, राजा भैया-बृजभूषण समेत 19 बाहुबलियों का रिकॉर्ड तलब

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में बढ़ते 'गन कल्चर' और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को जारी किए गए शस्त्र लाइसेंसों पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन से पूछा है कि गंभीर आपराधिक मामलों में नाम आने वाले बाहुबलियों, दबंग नेताओं और प्रभावशाली लोगों को आखिर किस आधार पर हथियारों के लाइसेंस जारी किए गए। हाईकोर्ट ने इस मामले में कई चर्चित राजनीतिक और आपराधिक चेहरों का पूरा रिकॉर्ड तलब कर लिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिन लोगों का ब्यौरा मांगा है उनमें बृजभूषण शरण सिंह, राजा भैया, धनंजय सिंह, बृजेश सिंह, विनीत सिंह, अब्बास अंसारी, खान मुबारक, अजय प्रताप सिंह उर्फ अजय सिपाही, संजय सिंह सिंगला, अतुल वर्मा, मोहम्मद साहब, सुधाकर सिंह, गुड्डू सिंह, अनूप सिंह, लल्लू यादव, बच्चू यादव और जुगनू वालिया समेत 19 चर्चित नाम शामिल हैं। कोर्ट ने सरकार से इन सभी के पते, उनके खिलाफ दर्ज मुकदमों, शस्त्र लाइसेंस और सरकारी सुरक्षा से जुड़ी पूरी जानकारी पेश करने को कहा है। यह मामला संतकबीर नगर निवासी जयशंकर की ओर से दाखिल याचिका के बाद सामने आया। याचिका में आरोप लगाया गया कि प्रदेश में शस्त्र लाइसेंस जारी करने और उनके नवीनीकरण में नियमों की अनदेखी की जा रही है। सुनवाई जस्टिस विनोद दिवाकर की अदालत में हुई। जब राज्य सरकार ने कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया तो आंकड़े चौंकाने वाले निकले। सरकार के मुताबिक उत्तर प्रदेश में इस समय 10 लाख 8953 शस्त्र लाइसेंस धारक हैं। इनमें 6062 ऐसे लोग हैं जिनके खिलाफ दो या उससे अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। इसके अलावा 23,407 लाइसेंस लंबित हैं, जबकि 20,960 परिवारों के पास एक से ज्यादा हथियारों के लाइसेंस हैं। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने लाइसेंसी हथियारों के खुले प्रदर्शन पर भी नाराजगी जताई। कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया पर हथियारों के साथ फोटो और वीडियो पोस्ट करने का चलन लगातार बढ़ रहा है, जिससे समाज में गलत संदेश जा रहा है और गन कल्चर को बढ़ावा मिल रहा है। कोर्ट ने राज्य सरकार और पुलिस प्रशासन से पूछा है कि ऐसे मामलों में अब तक क्या कार्रवाई हुई और लाइसेंस के दुरुपयोग को रोकने के लिए क्या व्यवस्था बनाई गई है। हाईकोर्ट ने सिर्फ हथियारों के लाइसेंस ही नहीं, बल्कि बाहुबलियों और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों को मिली सरकारी सुरक्षा पर भी सवाल उठाए हैं।

कोर्ट जानना चाहता है कि गंभीर मुकदमों का सामना कर रहे लोगों को सरकारी सुरक्षा किस आधार पर दी गई और क्या हथियार तथा सुरक्षा दोनों साथ होने से कानून-व्यवस्था पर असर पड़ता है। कोर्ट ने अपर मुख्य सचिव गृह, पुलिस विभाग और सभी जिलों के अधिकारियों से विस्तृत जवाब मांगा है। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि अगर जांच में नियमों के उल्लंघन या गलत जानकारी देकर लाइसेंस हासिल करने की बात सामने आती है तो प्रशासन कार्रवाई कर सकता है।

डिप्टी ग्रुप कमांडर कर्नल बी.पी. द्विवेदी ने किया संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-63 का निरीक्षण

● व्यवस्थाओं एवं अनुशासन को सराहा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय प्रयागराज के तत्वावधान में 16 यूपी बटालियन एन.सी.सी. प्रयागराज के नेतृत्व में संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर-63 का आयोजन 20 मई 2026 से 29 मई 2026 तक बी.बी.एस. विद्या मन्दिर, कादिलपुर, प्रयागराज में संचालित किया जा रहा है। शिविर में प्रयागराज ग्रुप की विभिन्न इकाइयों के कैडेट्स सैन्य अनुशासन एवं उत्साह के साथ प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। शिविर के तृतीय दिवस प्रयागराज एन.सी.सी. ग्रुप के डिप्टी ग्रुप कमांडर कर्नल बी.पी. द्विवेदी ने शिविर का निरीक्षण किया तथा क्वार्टर गार्ड की सलामी ली। निरीक्षण के दौरान उन्होंने प्रशिक्षण गतिविधियों, अनुशासन व्यवस्था एवं शिविर संचालन का जायजा लिया तथा कैडेट्स से संवाद स्थापित कर उनके प्रशिक्षण अनुभवों की जानकारी प्राप्त की। कर्नल द्विवेदी ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए कहा कि एन.सी.सी. युवाओं में नेतृत्व क्षमता, राष्ट्रभक्ति, सेवा भावना एवं आत्मविश्वास विकसित करने का सशक्त मंच है। उन्होंने कैडेट्स को अनुशासन, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ प्रशिक्षण प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने शिविर में की गई व्यवस्थाओं, अनुशासन एवं प्रशिक्षण संचालन की सराहना करते हुए 16 यूपी बटालियन एन.सी.सी. प्रयागराज के प्रयासों की प्रशंसा की। इस अवसर पर कैम्प कमांडेंट कर्नल निशांत बरियार, डिप्टी कैम्प कमांडेंट मेजर संतोष जायसवाल एवं कैम्प सूबेदार मेजर सीताराम उपस्थित रहे। शिविर प्रशासन द्वारा कैडेट्स के आवास, भोजन, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा से संबंधित व्यवस्थाओं को सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनाए रखने हेतु निरंतर निगरानी की जा रही है।

उपाध्यक्ष पद हेतु सुधाकर द्विवेदी ने नामांकन किया

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी, प्रयागराज। जिला अधिवक्ता संघ प्रयागराज के उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी वरिष्ठ अधिवक्ता सुधाकर द्विवेदी ने गुरुवार को अपने समर्थकों एवं अधिवक्ताओं के साथ उत्साहपूर्ण माहौल में नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन के बाद अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए सुधाकर द्विवेदी ने कहा कि यदि उन्हें अधिवक्ताओं का समर्थन एवं आशीर्वाद प्राप्त हुआ तो वह अधिवक्ता हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं के वाहनों के लिए व्यवस्थित पार्किंग एवं स्टैंड की समुचित व्यवस्था कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल रहेगा।

इसके साथ ही परिसर में शुद्ध पेयजल, चेम्बरों एवं परिसर में निर्बाध बिजली व्यवस्था, अधिवक्ताओं के लिए चिकित्सा सुविधा तथा बीमा योजना उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं की समस्याओं का समाधान कर उन्हें बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराना उनका मुख्य उद्देश्य है। अधिवक्ताओं के सम्मान एवं सुरक्षा के लिए भी वह लगातार संघर्ष करते रहेंगे। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अधिवक्ता उपस्थित रहे जिनमें कृष्णमुरारी शुक्ला, डी.के. द्विवेदी, राजेंद्र द्विवेदी, मनोज यादव, सुधाकर दूबे, मनोज पांडेय, अवधेश मिश्रा, आलोक पांडेय, चन्द्रिका शर्मा, गोपाल चतुर्वेदी, अशोक चौबे, अरुण शुक्ला, हरिशंकर सिंह, विनय दूबे, राहुल सिंह सहित अनेक अधिवक्ता गण मौजूद रहे। नामांकन कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला तथा समर्थकों ने सुधाकर द्विवेदी को भारी मतों से विजयी बनाने का संकल्प लिया।

नैनी क्षेत्र में आवारा कुत्तों का बढ़ता आतंक

नैनी, प्रयागराज। नैनी क्षेत्र के विभिन्न इलाकों में इन दिनों आवारा कुत्तों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि आवारा कुत्ते राह चलते लोगों पर हमला कर उन्हें अपना शिकार बना रहे हैं, जिससे आमजन में भय और दहशत का माहौल व्याप्त है।मेवा लाल बगिया चौराहा, हनुमान नगर, स्टेशन रोड, इंडिया होटल के सामने,यमुनानगर गली, डाकखाना, मलहरा फाटक, चकदोंदी समेत कई क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की संख्या तेजी से बढ़ी है। स्थानीय लोगों के अनुसार सुबह और शाम के समय स्थिति अधिक गंभीर हो जाती है, जब कुत्तों के झुंड राहगीरों, बच्चों और बाइक सवारों पर हमला कर देते हैं। क्षेत्रवासियों ने नगर निगम प्रशासन से जल्द से जल्द अभियान चलाकर आवारा कुत्तों को पकड़ने तथा समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो किसी बड़ी दुर्घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। नगर निगम से कार्रवाई की मांग करने वालों में गुड्डू गुडविल, रानू, डॉ. संजय पांडेय, रमेश जन सोनी, संजय कुमार, प्रदीप केसरवानी, अशोक राय, उमेश गौड़ आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

नए यमुना पुल चौराहे के पास भीषण सड़क हादसा, एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नैनी,प्रयागराज। नैनी कोतवाली क्षेत्र स्थित नए यमुना पुल चौराहे के पास शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे दो कारों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। हादसा इतना भीषण था कि एक कार के परखच्चे उड़ गए, जबकि दूसरी कार सड़क पर पलट गई। दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई।जानकारी के अनुसार, फाफामऊ शांतिपुरम निवासी 45 वर्षीय दीपक चौरसिया अपने परिवार के साथ अर्टिगा कार से मध्य प्रदेश स्थित मैहर देवी दर्शन के लिए जा रहे थे। कार में उनके बेटे दिव्यांशु चौरसिया (20) और मान चौरसिया उर्फ हर्षित (17), बेटी हर्षिता, बहनोई अनिल चौरसिया (55) तथा बहन बेबी चौरसिया (50) सवार थे।बताया जा रहा है कि रीवा हाईवे पर लेप्रोसी चौराहे के पास महोबा की ओर से तेज रफ्तार में आ रही एक्सयूवी300 अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार करते हुए दूसरी लेन में पहुंच गई और सामने से आ रही अर्टिगा कार से भिड़ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अर्टिगा कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि एक्सयूवी सड़क पर पलट गई।हादसे के बाद स्थानीय लोग और राहगीर मौके पर पहुंचे और घायलों को बाहर निकालने में जुट गए। सूचना मिलने पर पुलिस और एंबुलेंस टीम मौके पर पहुंची। कार चला रहे दीपक चौरसिया का शव सीटों के बीच बुरी तरह फंस गया था। कार के दरवाजे जाम हो जाने के कारण ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद गेट तोड़कर उन्हें बाहर निकाला।इस दर्दनाक हादसे में दीपक चौरसिया और उनके दोनों बेटों दिव्यांशु व मान की मौत हो गई। वहीं बेटी हर्षिता, बहन बेबी चौरसिया और बहनोई अनिल चौरसिया गंभीर रूप से घायल हो गए। हर्षिता की हालत में सुधार होने पर उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, जबकि अनिल चौरसिया और बेबी चौरसिया का कैंटोनमेंट अस्पताल में उपचार चल रहा है।मृतक दीपक चौरसिया दारागंज क्षेत्र में कचौड़ी की छोटी दुकान चलाते थे। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।दूसरी कार एक्सयूवी3 में सवार सुल्तानपुर के थाना कूड़ेभार क्षेत्र स्थित शंकर मार्केट गरथौली निवासी अर्पित कुमार यादव (20), महोबा निवासी प्रिंस (21) और अंकित भी घायल हो गए। सभी घायलों को स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है।पुलिस के अनुसार, एक्सयूवी300 अर्पित कुमार यादव चला रहा था, जो औद्योगिक क्षेत्र स्थित यूनाइटेड विश्वविद्यालय में एमसीए प्रथम वर्ष का छात्र है। हादसे के बाद पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है। उसका भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। अपर पुलिस उपायुक्त ट्रैफिक विजय आनंद ने बताया कि हादसा थाना नैनी क्षेत्र के लेप्रोसी चौराहे के पास हुआ। अर्टिगा कार प्रयागराज से रीवा की ओर जा रही थी, तभी रीवा से प्रयागराज आ रही।

एनीमेशन फीचर फिल्म 'महाप्रभु जगन्नाथ' सिनेमाघरों में रिलीज़ के लिए तैयार

● इंटरकनेक्टेड 'सनातन यूनिवर्स' के पहले अध्याय की होगी शुरुआत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दया शंकर त्रिपाठी

ब्यूरो प्रयागराज। पोगो चैनल पर हर एपिसोड को मिले लाखों व्यूज़ से शुरू हुआ सफर अब आधिकारिक रूप से सिल्वर स्क्रीन तक पहुँचने जा रहा है। बच्चों और परिवारों के बीच अपनी सुपरहिट टीवी सीरीज़ जय जगन्नाथ के जरिए दिल जीतने के बाद, एले एनीमेशन्स प्राइवेट लिमिटेड अब अपने ओरिजिनल आईपी को एक भव्य मल्टी-लिंगुअल थिएट्रिकल फीचर फिल्म महाप्रभु जगन्नाथ के रूप में बड़े स्तर पर पेश करने जा रहा है। सिनेपोलिस के साथ रणनीतिक सहयोग के तहत यह फिल्म हिंदी, ओड़िया और तेलुगु भाषाओं में 300 से अधिक स्क्रीन पर पैन-इंडिया स्तर पर रिलीज़ की जाएगी। यह सिनेमाई उपलब्धि एक और बड़े विज़न-सनातन यूनिवर्स की शुरुआत की आधिकारिक नींव बनेगी। भक्ति, भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिक कहानियों से समृद्ध महाप्रभु जगन्नाथ को एक संपूर्ण फैमिली एंटरटेनर के रूप में तैयार किया गया है, जो विश्वस्तरीय एनीमेशन को गहरी आध्यात्मिक शिक्षाओं के साथ खूबसूरती से जोड़ती है। यह फिल्म भगवान जगन्नाथ की पवित्र कथाओं और सांस्कृतिक विरासत को गहराई से प्रस्तुत करती है। बच्चों के लिए रंगीन और आकर्षक विजुअल्स के माध्यम से इसे बेहद रोचक बनाया गया है, वहीं इसकी भावनात्मक गहराई इसे बड़ों और बच्चों दोनों के लिए एक जादुई और दिल छू लेने वाला अनुभव बनाती है। पारंपरिक टीवी एनीमेशन की सीमाओं से आगे बढ़ते हुए यह फिल्म आस्था, विरासत और दिव्य रोमांच का भव्य सिनेमाई उत्सव है। इस दिव्य कहानी को बड़े पर्दे तक लाने के विज़न पर बात करते हुए दुर्गा प्रसाद दलई ने कहा,,हम एनीमेशन के माध्यम से महाप्रभु जगन्नाथ की दिव्य कथाओं को हर घर तक पहुँचाना चाहते थे। हमारी सीरीज़ को मिले अपार प्रेम के बाद इसे बड़े पर्दे तक ले जाना अगला स्वाभाविक कदम था। यह फिल्म सिर्फ मनोरंजन नहीं है, बल्कि हमारी समृद्ध संस्कृति और मूल्यों को अगली पीढ़ी तक मजेदार, आकर्षक और विजुअली शानदार तरीके से पहुँचाने का माध्यम है। ' उन्होंने आगे कहा, 'लेकिन महाप्रभु जगन्नाथ सिर्फ पहला अध्याय है। यह हमारे बड़े विज़न सनातन यूनिवर्स की आधारशिला रखती है। हम एक ऐसा इंटरकनेक्टेड सांस्कृतिक इकोसिस्टम बना रहे हैं, जो सिर्फ सिनेमा तक सीमित नहीं होगा, बल्कि टीवी, संगीत, शिक्षा और पुरी में इमर्सिव एक्सपीरियंस डेस्टिनेशन्स तक फैला होगा। हमारी सभ्यता और सांस्कृतिक विरासत को आधार बनाकर हम भारतीय आध्यात्मिक कहानियों को वैश्विक स्तर पर प्रीमियम क्रिएटिव प्रपोजिशन के रूप में स्थापित करना चाहते हैं। हम इस अद्भुत यात्रा की शुरुआत को लेकर बेहद उत्साहित हैं और सम्पूर्ण भारत के परिवारों तक एक सांस्कृतिक रूप से जुड़ा हुआ जादुई अनुभव पहुँचाना चाहते हैं। ' एले एनीमेशन्स के लिए महाप्रभु जगन्नाथ नए घोषित सनातन यूनिवर्स का ऐतिहासिक पहला अध्याय है। यह महत्वाकांक्षी सांस्कृतिक इकोसिस्टम भारतीय आध्यात्मिक कहानियों को वैश्विक स्तर पर एक प्रीमियम क्रिएटिव पहचान दिलाने का लक्ष्य रखता है। इसकी योजना में पुरी से शुरुआत करते हुए इमर्सिव एक्सपीरियंस डेस्टिनेशन्स, एक समर्पित भक्ति संगीत लेबल और पुरी जगन्नाथ मंदिर से दुनियाभर के भक्तों के लिए लाइव-स्ट्रीम चैनल भी शामिल हैं। एले एनीमेशन्स एक दीर्घकालिक फ्रेंचाइज़ रोडमैप पर काम कर रहा है, जिसमें अगले रथ यात्रा चक्र के लिए एक और बड़ी सिनेमाई परियोजना की योजना बनाई गई है। उनके आगामी प्रोजेक्ट्स में भगवान शिव से प्रेरित बच्चों की एनीमेटेड सीरीज़ मेरे भोले शामिल है, साथ ही भगवान हनुमान, भगवान

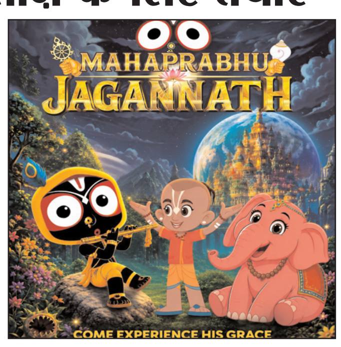

गणेश, देवी काली और देवी दुर्गा जैसे प्रिय देवताओं पर आधारित इंटरकनेक्टेड कहानियाँ भी विकसित की जाएँगी। इसके अतिरिक्त, स्टूडियो वेदों और उपनिषदों की गहरी शिक्षाओं को नई पीढ़ी तक आधुनिक और रचनात्मक प्रारूपों में पहुँचाने की दिशा में भी काम करेगा। भुवनेश्वर, ओडिशा स्थित एले एनीमेशन्स प्राइवेट लिमिटेड ने वर्ष 2008 से अब तक 36 से अधिक देशों में उच्च गुणवत्ता वाला कंटेंट पहुँचाते हुए खुद को एक वैश्विक पावरहाउस के रूप में स्थापित किया है। सांस्कृतिक रूप से जड़ों से जुड़ी कहानियों और ओरिजिनल आईपी निर्माण पर फोकस के लिए प्रसिद्ध यह स्टूडियो भारतीय पौराणिक कथाओं और आधुनिक स्टोरीटेलिंग तकनीक के बीच एक मजबूत पुल का काम कर रहा है, जिससे यह विश्वस्तरीय भारतीय एनीमेशन का अग्रणी नाम बन चुका है।

एसआरएन अस्पताल में डॉक्टरों की हड़ताल स्थगित, स्वास्थ्य सेवाएं हुई बहाल

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रयागराज। स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय में पिछले दिनों चल रही डॉक्टरों की हड़ताल फिलहाल समाप्त हो गई है। अस्पताल प्रशासन और शासन स्तर पर हुई वार्ताओं के बाद सभी जूनियर डॉक्टर एवं चिकित्सक काम पर लौट आए हैं। डॉक्टरों द्वारा हड़ताल स्थगित किए जाने के बाद अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं दोबारा सामान्य होने लगी हैं, जिससे मरीजों और तीमारदारों ने राहत की सांस ली है। बताया जा रहा है कि बीते दिनों अस्पताल परिसर में हुए विवाद और चिकित्सकों पर मुकदमा दर्ज किए जाने के विरोध में डॉक्टरों ने कार्य बहिष्कार शुरू कर दिया था। हड़ताल के कारण ओपीडी सेवाएं, जांच व्यवस्था तथा इमरजेंसी सेवाओं पर असर पड़ा था। दूर-दराज से इलाज कराने पहुंचे मरीजों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। डॉक्टरों के काम पर लौटने के बाद शुक्रवार से अस्पताल में ओपीडी में मरीजों की संख्या बढ़ने लगी। विभिन्न विभागों में इलाज और जांच का कार्य सुचारु रूप से शुरू हो गया है। अस्पताल प्रशासन ने भी व्यवस्थाओं को सामान्य करने के लिए अतिरिक्त कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई है ताकि मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। चिकित्सकों ने कहा कि मरीजों की परेशानी को देखते हुए फिलहाल हड़ताल स्थगित करने का निर्णय लिया गया है। साथ ही उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और चिकित्सकों के सम्मान एवं सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर उचित कार्रवाई की मांग भी दोहराई। अस्पताल प्रशासन ने डॉक्टरों के काम पर लौटने का स्वागत करते हुए कहा कि मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है। प्रशासन का कहना है कि अस्पताल में कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो। डॉक्टरों की वापसी के बाद मरीजों और उनके परिजनों ने राहत जताई है। कई दिनों से प्रभावित स्वास्थ्य सेवाएं अब धीरे-धीरे पूरी तरह पटरी पर लौटती दिखाई दे रही हैं।

उमर खालिद को हाईकोर्ट से मिली तीन दिनों की अंतरिम जमानत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज– दिल्ली हाईकोर्ट ने 2020 के दंगा मामले में यूएपीए के तहत गिरफ्तार उमर खालिद को तीन दिन की सशर्त अंतरिम जमानत दी है। खालिद ने ट्रायल कोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसकी अंतरिम जमानत की अर्जी खारिज कर दी गई थी। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को उमर खालिद की याचिका पर सुनवाई की। इसी दौरान, हाईकोर्ट ने उमर खालिद को 1 जून से 3 जून तक के लिए अंतरिम जमानत दे दी। जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह और जस्टिस मधु जैन की डिवीजन बेंच ने यह आदेश दिया। हालांकि, कोर्ट ने कुछ शर्तें रखी हैं, जिसके तहत खालिद को दिल्ली-एनसीआर इलाके में अपने बताए गए पते पर ही रहना होगा। कोर्ट ने साफ किया कि खालिद को इसी पते पर रहना होगा और वह सिर्फ अपनी मां से मिलने अस्पताल जा सकते हैं, किसी दूसरी जगह नहीं। कोर्ट ने निर्देश दिया कि खालिद को 1 लाख रुपए की जमानत राशि जमा करनी होगी। कोर्ट के आदेश के अनुसार, उमर खालिद को अस्पताल के अलावा किसी दूसरी जगह जाने की इजाजत नहीं होगी। इसके अलावा, उसके पास सिर्फ एक ही मोबाइल नंबर होना चाहिए। दिल्ली पुलिस ने हाईकोर्ट में उमर खालिद की जमानत का विरोध किया। एएसजी एसवी राजू ने दलील दी कि सर्जरी छोटी है। उन्होंने सुझाव दिया कि खालिद को पुलिस सुरक्षा के साथ अपनी मां से मिलने की इजाजत दी जा सकती है। खालिद ने अपनी बीमार मां की सर्जरी के दौरान उनकी देखभाल करने और अपने चाचा के 'चेहलुम' समारोह में शामिल होने के लिए 15 दिनों की अंतरिम जमानत मांगी थी। उसके चाचा का पिछले महीने निधन हो गया था।इससे पहले, दिल्ली की कड़कड़डुमा कोर्ट ने उमर खालिद को अंतरिम जमानत देने से इनकार कर दिया था। खालिद को सितंबर 2020 में गिरफ्तार किया गया था। उस पर आपराधिक साजिश, दंगा करने, गैर-कानूनी जमावड़ा करने और गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत कई अन्य अपराधों के आरोप लगाए गए थे। उन्हें इस मामले में अभी तक नियमित जमानत नहीं मिली है।

यूपी में पुलिस राज: जनता के लिए प्रदर्शन करने वाली सांसद इकरा हसन समेत 6 पर FIR

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ब्यूरो प्रयागराज। समाजवादी पार्टी की कैराना लोकसभा सांसद इकरा हसन पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है। उनके ऊपर यूपी के शामली जिले में डीआईजी कार्यालय के बाहर बिना अनुमति प्रदर्शन करने का आरोप लगाया गया है। यह घटना 19 मई को हुई थी, जब इकरा हसन जसाला गांव के युवक मोनू कश्यप की हत्या के मामले में निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर पीड़ित परिवार के साथ डीआईजी कार्यालय पहुंची थीं। पुलिस के अनुसार, सब-इंस्पेक्टर संजय कुमार शर्मा की शिकायत पर FIR दर्ज की गई है। इसमें इकरा हसन के अलावा पूर्व मंत्री मांगे राम कश्यप, तेजपाल सिंह, अजय, अनुज, शिशपाल और सत्यपाल समेत छह अन्य नामजद हैं। इसके अलावा 20 से 25 अज्ञात लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है। FIR में भारतीय न्याय संहिता (BNS) की संबंधित धाराओं में सड़क जाम करने, सार्वजनिक आवागमन बाधित करने, सरकारी कामकाज में बाधा डालने और अवैध जमावड़े की धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, 19 मई को दोपहर करीब 2:15 बजे डीआईजी कार्यालय के बाहर लोगों की भीड़ जमा होने और सड़क ब्लॉक करने की सूचना मिली। जब पुलिसकर्मी सड़क खोलने और ट्रैफिक बहाल करने की कोशिश कर रहे थे, तब प्रदर्शनकारियों ने सहयोग नहीं किया और रास्ता खोलने में बाधा डाली। यह पूरा मामला जसाला गांव के रहने वाले मोनू कश्यप की मौत से जुड़ा है। 21 अप्रैल को पंजोखड़ा में रेलवे ट्रैक के पास मोनू का शव मिला था। परिवार ने इसे हत्या बताते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मुद्दे पर जनता सड़कों पर प्रदर्शन कर रही है। ओबीसी संगठन भी इस मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी मामले में पीड़िता की मां के साथ इकरा हसन पुलिस से निष्पक्ष जांच की मांग कर रही है। मोनू कश्यप की मौत संदिग्ध हालात में हुई थी। पुलिस के अनुसार, कुछ लोगों ने मोनू को एक कार्यक्रम में बुलाया, शराब पिलाई और एक लड़की से संबंधित विवाद के बाद उसे ट्रेन के सामने धकेल दिया। हालांकि पुलिस का कहना है कि मोनू की हत्या की गई है। इस मामले में शामिल लोग काफी प्रभावशाली हैं और सत्ता पक्ष के नज़दीकी लोग हैं। इकरा हसन मोनू की मां के साथ डीआईजी अभिषेक सिंह से मिलने गई थीं।

उन्होंने डीआईजी से निष्पक्ष जांच की अपील की थी। बाद में इकरा हसन ने आरोप लगाया कि डीआईजी ने उनकी बात सुनी, लेकिन मामले का हल नहीं निकला, बैठक संतोषजनक नहीं रही और पीड़िता मां काफी निराश लौटीं। इकरा हसन ने बताया कि डीआईजी दफ्तर पर प्रदर्शन के बाद पुलिस ने उन्हें थोड़ी देर के लिए हिरासत में लिया और महिला थाने ले जाकर बाद में छोड़ दिया। वहां पुलिस अधिकारी के साथ इकरा हसन की बातचीत का वीडियो वायरल है। उस वीडियो में इकरा हसन कहती नज़र आ रही हैं कि गोली मार दोगे, गिरफ्तार कर लोगे। कर लो। क्या हम दफ्तर के बाहर गेट पर खड़े भी नहीं हो सकते। अपनी बात भी नहीं कह सकते। स्थानीय प्रशासन का कहना है कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए उचित कार्रवाई की गई है। मामले की जांच जारी है।

संक्षिप्त खबरें

जनगणना 2027: मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य का निरीक्षण

बेतिया। केन्द्रीय स्तर पर निरीक्षण अधिकारी, संजीव कुमार द्वारा नगर निगम बेतिया में प्रगणक एवं पर्यवेक्षक द्वारा किए जा रहे मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य का भौतिक सत्यापन किया गया। निरीक्षण के दौरान संबंधित परिवारों से प्राप्त विवरणियों का मिलान करते हुए कार्य की गुणवत्ता एवं शुद्धता का जायजा लिया गया। साथ ही मोबाइल ऐप के माध्यम से संकलित डिजिटल डाटा का भी गहन सत्यापन किया गया तथा संबंधित कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। इसके उपरांत नगर निगम, बेतिया क्षेत्र में संचालित मकान सूचीकरण एवं मकान गणना कार्य का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में जनगणना कार्य में शत-प्रतिशत पारदर्शिता एवं त्रुटिरहित डाटा संकलन पर विशेष बल दिया गया। बेतिया जिला अंतर्गत जनगणना 2027 के प्रथम चरण का लगभग 85 प्रतिशत भौतिक कार्य सम्पन्न हो चुका है। इस अवसर पर जिला सांख्यिकी पदाधिकारी नन्दलाल चौधरी सहित अन्य फिल्ड ट्रेनर डॉ. चंदन कुमार, आनंद प्रकाश पाण्डेय, सुपरवाईजर दीक्षा कुमारी, प्रगणक अंकिता राय, एच एल बी संख्या-245, प्रिति माईकल एच एल बी संख्या-248, मो. आसिफ एवं अन्य जनगणना कर्मी उपस्थित।

सामाजिक सौहार्द के साथ मनावें बकरीद का पर्व - एएसआई

पाकुड़िया, पाकुड़, झारखंड:- बीते शुक्रवार को पाकुड़िया थाना परिसर में बकरीद पर्व को पूर्ण शांत एवं सामाजिक सौहार्द के साथ सम्पन्न कराने हेतु शांति समिति की बैठक एएसआई नागेश कुमार की अध्यक्षता में विधिवत हुई। आहूत बैठक में प्रखंड अंचल निरीक्षक जावेद खान, थाना स्टाफ एवं प्रखंड के सुदूर विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों के मुस्लिम समाज के इस्लाम मियां, जहांगीर अंसारी, झामुमो प्रखंड अध्यक्ष मोतीलाल हांसदा सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण शामिल रहे। शांति समिति की बैठक में नागेश कुमार ने उपस्थित लोगों से त्योहार को सामाजिक सौहार्द व पूर्ण शांत माहौल में मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी प्रकार की सूचना हो तो प्रशासन को अवश्य जानकारी दें। प्रशासन पर्व को शांत माहौल में सम्पन्न कराने को प्रतिबद्ध है। बैठक में सीआई जावेद खान ने बताया कि अफवाहों को न सुनें और न फैलाएं। सिविल व पुलिस प्रशासन पर्व को शांत वातावरण में सम्पन्न कराने में सदैव तत्पर है। बैठक में उपस्थित लोगों ने कहा कि पाकुड़िया प्रखंड में अब तक सभी पर्व शांत व सामाजिक सौहार्द के साथ सम्पन्न होते रहे हैं। बैठक का समापन सभी को धन्यवाद देते हुए एएसआई नागेश कुमार ने किया।

आरोग्यम अस्पताल बना ममता का आश्रय, लावारिस नवजात को दिया नया जीवन

हजारीबाग, झारखंड:- हजारीबाग के आरोग्यम अस्पताल ने मानवता और सेवा भावना की मिसाल पेश करते हुए एक लावारिस नवजात बच्ची को नया जीवन दिया। जन्मजात कटे होंठ से पीड़ित बच्ची गंभीर हालत में सदर थाना पुलिस को एक खाली ई-रिक्शा में मिली थी। लंबे समय तक खुले में रहने के कारण वह संक्रमण और सांस लेने की परेशानी से जूझ रही थी। पुलिस ने बच्ची को तुरंत आरोग्यम अस्पताल में भर्ती कराया, जहां एनआईसीयू में विशेषज्ञ डॉक्टरों की निगरानी में इलाज शुरू हुआ। वरिष्ठ बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. हीरालाल राम और डॉ. प्रकाश चंद्र की देखरेख में बच्ची को ऑक्सीजन सपोर्ट, एंटीबायोटिक दवाएं और विशेष नवजात चिकित्सा सुविधा दी गई। कटे होंठ की समस्या को देखते हुए उसके लिए विशेष फीडिंग प्रोटोकॉल भी तैयार किया गया। अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ ने 24 घंटे निगरानी करते हुए बच्ची की देखभाल पूरी ममता और संवेदनशीलता से की। लगातार उपचार और देखभाल से बच्ची की स्थिति में तेजी से सुधार हुआ और उसे क्लिनिकल स्टेबल घोषित कर दिया गया। इसके बाद 22 मई को बाल कल्याण समिति के आदेश पर सदर थाना पुलिस ने बच्ची को सुरक्षित रूप से समिति को सौंप दिया। अस्पताल के निदेशक हर्ष अजमेरा ने कहा कि चिकित्सा सेवा केवल इलाज नहीं, बल्कि मानवता और संवेदनशीलता से भी जुड़ी है। वहीं अस्पताल प्रशासक जया सिंह ने कहा कि एक मासूम की जिंदगी बचाना अस्पताल परिवार के लिए सबसे बड़ी जिम्मेदारी थी।

हजारीबाग में यातायात नियम तोड़ने वालों पर चला विशेष अभियान

● बिना हेलमेट, ट्रिपल लोड और नो पार्किंग के खिलाफ पुलिस की सख्ती, दर्जनों वाहनों का कटा चालान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड:- पुलिस अधीक्षक हजारीबाग अमन कुमार के निर्देश पर बीते दिनों जिलेभर में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया गया। अभियान का नेतृत्व पुलिस उपाधीक्षक सीसीआर ने किया। इस दौरान यातायात थाना प्रभारी सहित पुलिस पदाधिकारियों एवं गृहरक्षकों की टीम ने विभिन्न चौक-चौराहों पर सघन वाहन जांच अभियान चलाया। पुलिस द्वारा चलाए गए इस विशेष अभियान का उद्देश्य लोगों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करना तथा सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना बताया गया। अभियान के तहत पुलिस उपाधीक्षक सीसीआर के नेतृत्व में यातायात थाना प्रभारी सहित 5 पुलिस पदाधिकारी एवं 15 गृहरक्षकों की विशेष टीम गठित की गई थी। टीम ने जिले के विभिन्न स्थानों पर वाहन जांच कर नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। वाहन जांच के दौरान बिना हेलमेट वाहन चलाने वाले 74 वाहन चालकों का चालान काटा गया। वहीं ट्रिपल लोड चलने वाले 30 वाहनों पर कार्रवाई की गई। इसके अलावा मोबाइल का उपयोग करते हुए वाहन चलाने वाले 2 चालकों तथा बिना इंश्योरेंस के वाहन चलाने वाले 6 वाहन चालकों के खिलाफ भी चालान किया गया। पुलिस उपाधीक्षक सीसीआर के निर्देश पर बिना हेलमेट पकड़े गए 29 वाहन चालकों से शपथ पत्र भरवाकर छोड़ा गया। साथ ही उन्हें अन्य लोगों को भी यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया गया। अभियान के दूसरे चरण में पुलिस उपाधीक्षक सीसीआर एवं यातायात थाना प्रभारी ने शहर के विभिन्न स्थानों पर लगातार लोकेशन बदलते हुए वाहन जांच अभियान चलाया। झील त्रिमूर्ति चौक, इंद्रपुरी चौक, झंडा चौक एवं पंच मंदिर चौक सहित मुख्य मार्गों पर नो पार्किंग में खड़े वाहनों के खिलाफ विशेष कार्रवाई करते हुए जुर्माना वसूला गया। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि आगे भी जिले में यातायात नियमों के पालन को लेकर इस प्रकार का अभियान लगातार जारी रहेगा।

72 दिनों से हड़ताल पर डटे मनरेगा कर्मियों ने शुक्रवार को नारायणपुर में दिया धरना

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंड:- सेवा स्थायीकरण, समान काम के लिए समान वेतन समेत विभिन्न मांगों को लेकर मनरेगा कर्मी एवं रोजगार सेवक पिछले 72 दिनों से हड़ताल पर हैं। शुक्रवार को नारायणपुर प्रखंड कार्यालय परिसर में रोजगार सेवकों ने धरना प्रदर्शन कर अपनी मांगों को जल्द पूरा करने की मांग की। इस दौरान संघ के प्रखंड अध्यक्ष राधेश्याम पंडित एवं सचिव मोहम्मद हैदर ने कहा कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, तब तक हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि आंदोलन के तहत आगे भी धरना-प्रदर्शन समेत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार पूर्व में किए गए वादों को भी पूरा नहीं कर रही है, जिसके कारण मजबूर होकर कर्मियों को हड़ताल पर जाना पड़ा। उन्होंने कहा कि हड़ताल के कारण विभिन्न प्रकार की परेशानियां उत्पन्न हो रही हैं, बावजूद इसके सरकार की ओर से कोई ठोस पहल नहीं दिख रही है। धरना में रोजगार सेवक एवं मनरेगा कर्मी पूरी निष्ठा के साथ आंदोलन को सफल बनाने में जुटे दिखे। मौके पर सामंतो दास, मो. इदरीश, मो. मजहर, विष्णु सोरेन, मेघवाल रजक सहित अन्य उपस्थित थे।

जनसुनवाई में जिला पदाधिकारी ने सुनीं 79 शिकायतें, कई मामलों का तत्काल हुआ निपटारा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेतिया। जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय परिसर में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने आम नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं और संबंधित अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से पहुंचे लोगों ने अपनी समस्याएं सीधे प्रशासन के समक्ष रखीं। जनसुनवाई के दौरान कुल 79 मामलों की सुनवाई की गई। प्राप्त शिकायतों में भूमि विवाद, राजस्व संबंधी समस्याएं, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, बिजली आपूर्ति, पेयजल संकट, सड़क निर्माण एवं मरम्मत तथा राशन कार्ड से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रहीं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक मामले की विस्तार से समीक्षा करते हुए संबंधित विभागीय अधिकारियों को शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। कार्यक्रम के दौरान कई मामलों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया, जिससे फरियादियों को तत्काल राहत मिली। जनसुनवाई में जगदीश राम, मुरारी साह, सोना देवी, संतलाल साह, नितेश रंजन, नागेंद्र मालिक, शम्भू चौधरी, संजय पटेल, प्रदीप कुमार तथा सौरभ वाजपेयी सहित बड़ी संख्या में लोगों ने अपनी शिकायतें प्रशासन के समक्ष रखीं। यह जनसुनवाई कार्यक्रम राज्य सरकार के सात निश्चय-3 के अंतर्गत संचालित 'सबका सम्मान-जीवन आसान' अभियान के तहत आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान कर उन्हें बेहतर एवं सुगम प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर अपर समाहर्ता राजीव रंजन सिन्हा, अपर समाहर्ता-सह-जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी अनिल कुमार सिन्हा, जिला भू-अर्जन पदाधिकारी अमरेन्द्र कुमार तथा पीजीआरओ बेतिया मासूम अंसारी उपस्थित रहें।

यूएमएस मोहनपुर में विशेष शिविर का हुआ आयोजन, पेंशन व प्रमाण पत्र के लिए लिए गए आवेदन

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंड:- प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीवीटीजी) के तहत विशेष शिविरों का आयोजन लगातार किया जा रहा है। शुक्रवार को नारायणपुर प्रखंड के यूएमएस मोहनपुर में शिविर आयोजित हुआ, जहां बड़ी संख्या में लोगों ने विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदन जमा किए। शिविर में पेंशन, राशन कार्ड, जाति, आय एवं आवासीय प्रमाण पत्र बनाने से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। अंचल कार्यालय के कर्मी निरंजन मिश्रा ने उपस्थित लोगों को शिविर एवं सरकारी योजनाओं की जानकारी दी। मइया सम्मान योजना में नाम जुड़वाने पहुंची महिलाओं को बताया गया कि फिलहाल पोर्टल बंद है। पोर्टल खुलने के बाद आगे की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इस दौरान सुनील दास ने शिकायत की कि सेंट्रल बैंक मोहनपुर में किसानों को केसीसी ऋण नहीं मिल पा रहा है, जिससे उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इस पर अंचल कर्मी ने मामले की जांच कराने और समस्या के समाधान के लिए पहल करने का आश्वासन दिया।

शिक्षक के घर में अज्ञात चोरों ने लाखों संपत्ति चोरी कर चोर फरार

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

धनरुआ:- कादिरगंज थाना क्षेत्र के डेवां गांव में अज्ञात चोरों ने एक शिक्षक के सूने घर को निशाना बनाते हुए नगद सहित लाखों रुपये मूल्य के जेवरात की चोरी कर ली। घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पीड़ित शिक्षक अनिल कुमार ने मामले की सूचना कादिरगंज थाना पुलिस को दी है, जिसके बाद पुलिस जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, शिक्षक अनिल कुमार वर्तमान में मसौढ़ी में किराये के मकान में रहकर जनगणना कार्य में लगे हुए हैं। वहीं उनके पिता की तबीयत खराब होने के कारण परिवार के सदस्य पिछले कुछ दिनों से पटना में रहकर इलाज करा रहे थे। इसी का फायदा उठाकर चोरों ने डेवां गांव स्थित उनके पैतृक घर में धावा बोल दिया। बताया जाता है कि चोरों ने घर का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और लगभग 50 हजार रुपये नगद तथा करीब 2 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के जेवरात चोरी कर फरार हो गए। घटना की जानकारी तब हुई जब परिवार के लोग गांव पहुंचे और घर का सामान बिखरा देखा। घटना की सूचना मिलते ही कादिरगंज थाना को सूचना दी,पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी। पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है तथा चोरों की पहचान में जुटी हुई है। ग्रामीणों ने क्षेत्र में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर चिंता जताते हुए पुलिस से रात्रि गश्ती बढ़ाने की मांग की है।

हस्तशिल्प सीख बदल रहे जीवन के रंग, वृद्धाश्रम 'सहारा' में वरिष्ठ नागरिकों ने सीखा पेपर क्राफ्ट

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बेतिया। उम्र भले ही बढ़ जाए, लेकिन सीखने की चाह और सृजन की ऊर्जा कभी खत्म नहीं होती. इसी सोच को साकार करते हुए समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार द्वारा संचालित बेतिया बड़ा रमना स्थित वृद्धाश्रम 'सहारा' पश्चिम चम्पारण में वरिष्ठ नागरिकों के लिए स्किल डेवलपमेंट कार्यक्रम के तहत पेपर क्राफ्ट प्रशिक्षण का आयोजन किया गया. कार्यक्रम में वृद्धजनों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लेकर यह साबित कर दिया कि नई शुरुआत के लिए कोई उम्र मायने नहीं रखती. रचनात्मक गतिविधियों से आत्मविश्वास बढ़ाने की पहल आरोही कला संस्कृति वेलफेयर ट्रस्ट के प्रशिक्षकों ने वृद्धाश्रम में निवासरत वरिष्ठ नागरिकों को पेपर आर्ट के अंतर्गत पेपर बैग और ठोंगा बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया. उमंग बल विकास आवासीय विकलांग प्रशिक्षण संस्थान पटना द्वारा संचालित वृद्ध आश्रम में प्रशिक्षण के दौरान वृद्धजन रंग-बिरंगे कागजों से उपयोगी वस्तुएं बनाते नजर आए. कई बुजुर्गों ने पहली बार इस तरह का हस्तशिल्प कार्य सीखते हुए खुशी जताई और कहा कि इससे समय का सदुपयोग होने के साथ मन भी प्रसन्न रहता है। प्रशिक्षकों ने बताया कि इस तरह की गतिविधियां वरिष्ठ नागरिकों को मानसिक रूप से सक्रिय रखने के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनने की दिशा में भी प्रेरित करती हैं. पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा यह कौशल प्लास्टिक के उपयोग को कम करने में भी सहायक होगा. सकारात्मक जीवनशैली की ओर बढ़ते कदम कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने कहा कि वृद्धजनों को केवल देखभाल ही नहीं, बल्कि सम्मान और रचनात्मक अवसर भी मिलना चाहिए. ऐसे कार्यक्रम उन्हें समाज से जोड़ने, अकेलेपन को दूर करने और आत्मविश्वास बढ़ाने में

अहम भूमिका निभाते हैं. मौके पर वृद्धाश्रम 'सहारा' के अधीक्षक आदित्य मधुकर, आरोही कला संस्कृति वेलफेयर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रभात झा, लक्ष्य ह्यूमन डेवलपमेंट ट्रस्ट के अध्यक्ष कुंदन शांडिल्य, मास्टर ट्रेनर संतोष आनंद, अंबुज अनुपम एवं अंशुमान सहित कई लोग उपस्थित रहे. कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा भविष्य में भी इस तरह के कौशल विकास कार्यक्रम लगातार आयोजित करने की बात कही गई।

त्रिवेणीगंज में दम तोड़ रही डोर-स्टेप डिलीवरी, 'मनमर्जी सिस्टम' से पीडीएस हुई बेपटरी

● निजी हाथों में गोदाम की कमान; उठाव सम्बंधित रोस्टर सिस्टम हुआ ध्वस्त

आम डीलर गोदाम पर काटने को मजबूर हैं चक्कर

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सुपौल- सरकार की महत्वाकांक्षी योजना में शुमार जन वितरण प्रणाली की व्यवस्था विभागीय अधिकारियों की लापरवाही और मनमर्जी के कारण पूरी तरह पटरी से उतर गई है। विभागीय नियमों को ताक पर रखकर खाद्यान्न का वितरण सहायक गोदाम प्रबंधक की कथित तानाशाही और पसंद-नापसंद के आधार पर किया जा रहा है, जिससे स्थानीय डीलरों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

साहब रहते हैं सुपौल में 'प्राइवेट' हाथों में त्रिवेणीगंज गोदाम की चाबी

मिली जानकारी के अनुसार, सहायक गोदाम प्रबंधक (AGM) खुद मुख्यालय में न रहकर सुपौल में डेरा जमाए रहते हैं।सूत्रों के अनुसार , उनके पास सहायक जिला प्रबंधक के साथ-साथ दो अन्य गोदामों का भी अतिरिक्त प्रभार है। नतीजा यह है कि त्रिवेणीगंज गोदाम भगवान भरोसे चल रहा है। डीलरों का कहना है कि साहब की अनुपस्थिति में पूरा गोदाम एक बिभागीय ऑपरेटर और कुछ 'खास' निजी व्यक्तियों के इशारे पर संचालित हो रहा है।

रोस्टर हुआ तार-तार, जारी है 'पार्ट-पार्ट' खाद्यान्न वितरण का नयाब खेल

विभागीय गाइडलाइन के अनुसार, सभी डीलरों के लिए खाद्यान्न उठाव का एक निश्चित रोस्टर तय है, लेकिन यहाँ इस रोस्टर को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। चहेतों पर मेहरबानी: नियमतः डोर-स्टेप डिलीवरी के तहत डीलरों को एकमुश्त अनाज मिलना चाहिए, लेकिन यहाँ 'पार्ट-पार्ट' (टुकड़ों में) अनाज दिया जा रहा है। अतिरिक्त आवंटन का खेल: आरोप है कि सिंडिकेट के चहेते डीलरों को न सिर्फ पहले अनाज दिया जाता है, बल्कि उन्हें उनके तय आवंटन से भी अधिक खाद्यान्न थमा दिया जाता है।

डोर-स्टेप डिलीवरी बनी मजाक, गोदाम पर डटे रहते हैं डीलर

कागजों पर अनाज डीलरों के दरवाजे तक पहुंचना चाहिए, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि एसएफसी (SFC) गोदाम पर हर दिन डीलरों का मेला लगा रहता है। हालांकि डीलरअपनी मजबूरी बताते हुए कहते हैं कि 'अगर हम खुद गोदाम पर जाकर सुबह से शाम तक दबाव न बनाएं, तो महीने के अंत तक अनाज नसीब नहीं होगा। जब तक हमारा अनाज मिलता है, तब तक रसूखदार डीलर वितरण भी पूरा कर लेते हैं।

'वन नेशन वन कार्ड' का गलत फायदा, ईमानदार डीलरों को घाटा

सरकारी नियम के मुताबिक, यदि कोई डीलर समय पर शत-प्रतिशत वितरण नहीं कर पाता, तो अगले महीने उसका आवंटन घटा दिया जाता है। वहीं, 'वन नेशन वन राशन कार्ड' योजना के तहत दूसरे पंचायतों और जिलों के लाभुकों को राशन बांटने की छूट है।

आरोप है कि इसी नियम की आड़ में कुछ खास डीलर सांठगांठ कर अपना वितरण का आंकड़ा बढ़ा लेते हैं और उनका आवंटन बढ़ जाता है, जबकि नियम का पालन करने वाले आम डीलरों का कोटा घट जाता है।

जवाब देने से बच रहे जिम्मेदार पल्ला झाड़ा:

इस गंभीर अव्यवस्था और भ्रष्टाचार के आरोपों पर जब एजीएम से उनका पक्ष जानने के लिए संपर्क करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने चुप्पी साध ली और कोई जवाब नहीं दिया। एमओ का अजीबोगरीब तर्क: मामले पर प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी नेहा कुमारी ने अजीबोगरीब बयान देते हुए कहा, 'इस मामले में क्या कह सकती हूं, एजीएम ही बता सकते हैं। हालांकि, पार्ट उठाव जनता के हित में किया जा रहा है, जो सही है।'

जब सरकार ने राशन वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाने और कालाबाजारी रोकने के लिए सीधे डीलर के घर तक अनाज पहुंचाने (डोर-स्टेप डिलीवरी) की व्यवस्था लागू की है, तो त्रिवेणीगंज में डीलरों की यह भीड़ और गोदाम पर मची यह लूट किसके शह पर चल रही है? उच्चाधिकारियों की इस मामले पर चुप्पी कई बड़े सवाल खड़े करती है।

फरार अपराधियों के खिलाफ पुलिस का बड़ा अभियान

● रातभर चली छापेमारी में 77 अपराधी गिरफ्तार, 100 ठिकानों पर दी गई दबिश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

हजारीबाग, झारखंड:- पुलिस अधीक्षक हजारीबाग के निर्देश पर 20 मई 2026 की रात्रि जिलेभर में विशेष समकालीन छापेमारी अभियान चलाया गया। यह अभियान विभिन्न कांडों में फरार चल रहे अपराधियों एवं वारंटियों की गिरफ्तारी को लेकर चलाया गया, जिसमें जिले के सभी पुलिस उपाधीक्षक एवं पुलिस निरीक्षकों के नेतृत्व में व्यापक कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा चलाए गए इस विशेष अभियान में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में कुल 30 टीमों का गठन किया गया था। प्रत्येक टीम का नेतृत्व संबंधित थाना प्रभारी कर रहे थे। अभियान में लगभग 150 पुलिस पदाधिकारी एवं पुलिसकर्मियों को शामिल किया गया। गठित टीमों ने जिले के अलग-अलग क्षेत्रों में फरार अपराधियों के करीब 100 संभावित ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। देर रात तक चले अभियान के दौरान पुलिस ने कई वांछित अपराधियों को धर दबोचा। छापेमारी अभियान के दौरान कुल 77 अपराधियों एवं वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार लोगों से पूछताछ की जा रही है तथा आवश्यक कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। हजारीबाग पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अपराध एवं अपराधियों के खिलाफ इसी प्रकार सख्त कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।पुलिस प्रशासन ने आम लोगों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि यदि किसी इलाके में ऐसे आपराधिक तत्व छिपे हुए हैं या गिरफ्तारी के डर से फरार चल रहे हैं, तो इसकी सूचना तुरंत नजदीकी थाना को दें। सूचना मिलने पर उसका सत्यापन कर त्वरित कार्रवाई की जाएगी।

भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बरही में समर कैंप का आयोजन

भामाशाह सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बरही में शुक्रवार को कक्षा तृतीय से चतुर्थ तक के भैया-बहनों के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए समर कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य रजनीश कुमार पांडेय एवं कैंप प्रभारी राजू कुमार ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित एवं पुष्पार्चन कर किया। समर कैंप के दौरान बच्चों के लिए विभिन्न रचनात्मक एवं मनोरंजक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें रंगमंच, रसना मेकिंग, क्राफ्टिंग, गेम तथा तरणताल जैसी गतिविधियां प्रमुख रूप से शामिल रहीं। सभी भैया-बहनों ने उत्साह एवं उमंग के साथ इन गतिविधियों में भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य रजनीश कुमार पांडेय ने कहा कि समर कैंप बच्चों के भीतर छिपी प्रतिभा और कौशल को निखारने का एक बेहतर माध्यम है। ऐसे आयोजनों से बच्चों को नई-नई गतिविधियां सीखने का अवसर मिलता है, जिससे वे अपनी विशेष क्षमताओं को पहचानकर उनका विकास कर पाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों का मानसिक, शारीरिक एवं रचनात्मक विकास भी आवश्यक है। कार्यक्रम का संचालन एवं समापन गुडविल दीदीजी की देखरेख में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

नारायणपुर में कृषक कार्यशाला हुई आयोजित, किसानों को दी आधुनिक खेती की जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

नारायणपुर, जामताड़ा, झारखंड:- खरीफ फसल सीजन को सफल बनाने और किसानों को आधुनिक खेती की तकनीकों से जोड़ने के उद्देश्य से नारायणपुर प्रखंड सभागार में कृषि विभाग की ओर से एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद सिंह एवं बीटीएम सीमावती सिंह ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यशाला में किसानों को उन्नत खेती, वैज्ञानिक बुवाई, सिंचाई प्रबंधन, उन्नत बीजों के उपयोग तथा तकनीक आधारित कृषि प्रणाली की जानकारी दी गई। कृषि विशेषज्ञों ने बदलते मौसम के अनुसार खेती के तौर-तरीकों में बदलाव की आवश्यकता पर बल दिया। बीटीएम सीमावती सिंह ने कहा कि आधुनिक

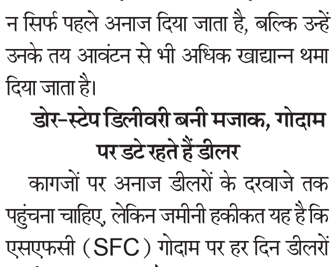

तकनीक और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाकर किसान अपनी उपज और आय बढ़ा सकते हैं। वहीं प्रखंड कृषि पदाधिकारी राजेंद्र प्रसाद सिंह ने बीज चयन, खेत तैयारी, संतुलित उर्वरक उपयोग, जल प्रबंधन और रोग नियंत्रण की जानकारी दी। कार्यक्रम में उन्नत कृषकों को सम्मानित भी किया गया। टमाटर की खेती में हेमंत सेन व जितेन्द्र किस्कू तथा मिर्च की खेती में शिवचरण मंडल और रमेश यादव को सम्मान मिला। मौके पर मो. इकबाल, मो. महफूज सहित कई किसान मौजूद थे।

अमृत सरोवरों के प्रबंधन में लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई

लखनऊ। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने अमृत सरोवरों के प्रबंधन में लापरवाही पर अधिकारियों को कार्रवाई की चेतावनी दी है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि अमृत सरोवरों के सुदृढ़ीकरण, सफाई और उनमें पानी भरने की व्यवस्था दुरुस्त रखी जाए। यदि किसी जिले या विकास खंड में अमृत सरोवर सूखे पाए गए या वहां कुप्रबंधन देखने को मिला तो संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने शुक्रवार को ग्राम्य विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अमृत सरोवर भूगर्भ जल स्तर को सुधारने के साथ हमारे पर्यावरण को संतुलित रखने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। भीषण गर्मी के इस मौसम में जब जलस्रोत सूख रहे हैं, तब इन सरोवरों में पर्याप्त पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। सरोवरों के तटबंधों पर व्यापक पौधारोपण कराया जाए। उनके पास पशु-पक्षियों के पानी पीने के लिए विशेष व्यवस्था की जाए।

बरही में प्रखंड स्तरीय खरीफ कार्यशाला आयोजित

● कम वर्षा की संभावना को लेकर किसानों को आकस्मिक योजना एवं वैकल्पिक खेती की दी गई जानकारी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बरही, हजारीबाग, झारखंड:- शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय बरही में प्रखंड स्तरीय खरीफ कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की शुरुआत दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यशाला में खरीफ मौसम के दौरान कम वर्षा होने की संभावना को देखते हुए किसानों के लिए आकस्मिक योजना तैयार करने एवं वैकल्पिक फसलों को अपनाने पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने की, जबकि संचालन प्रखंड तकनीकी प्रबंधक राकेश कुमार ने किया। कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों, जनप्रतिनिधियों एवं प्रगतिशील किसानों ने भाग लेकर किसानों को आधुनिक खेती एवं सूखा प्रबंधन के बारे में जानकारी दी।

कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई) के वरीय वैज्ञानिक कृष्ण प्रकाश ने किसानों को कम अवधि वाली फसलों की खेती करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि मौसम में बदलाव और कम वर्षा की स्थिति को देखते हुए ऐसी फसलों का चयन जरूरी है, जिससे कम समय में बेहतर उत्पादन प्राप्त हो सके। वहीं आईएआरआई के वैज्ञानिक काशी नाथ तेली ने संतुलित उर्वरक उपयोग एवं समेकित कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने किसानों को मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने एवं आधुनिक कृषि तकनीकों को अपनाने की जानकारी दी। प्रखंड विकास पदाधिकारी जयपाल महतो ने किसानों से आकस्मिक योजना के तहत प्रस्ताव देने की अपील की। उन्होंने आश्वस्त किया कि किसानों को बीज अनुदान के तहत अधिक से अधिक बीज उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी संजय यादव ने किसानों को पैक्स के माध्यम से बीज क्रय करने के लिए जागरूक किया तथा अधिक से अधिक किसानों से फैक्स योजना से जुड़ने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में प्रखंड कृषि पदाधिकारी समीर कांत रंजन ने धन्यवाद ज्ञापन देते हुए उपस्थित किसानों से मौसम की परिस्थितियों को देखते हुए वैकल्पिक खेती की तैयारी करने की अपील की।कार्यशाला में विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जिला परिषद सदस्या प्रीति गुप्ता, सांसद प्रतिनिधि भगवान केसरी, जिला परिषद प्रतिनिधि सह समाजसेवी गणेश यादव, आईएआरआई वैज्ञानिक कृष्ण प्रकाश, वैज्ञानिक काशी नाथ तेली, प्रखंड सहकारिता पदाधिकारी संजय यादव, प्रखंड कृषि पदाधिकारी समीर कांत रंजन, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक राकेश कुमार, सहायक तकनीकी प्रबंधक नीलम सुजात डुंगडुंग, जनसेवक इम्तेयाज अंसारी, सभी कृषक मित्र एवं प्रगतिशील किसान उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

तमंचा कारतूस के साथ एक गिरफ्तार

कोंच (जालौन)– कोतवाली पुलिस ने तमंचे और कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया। कोतवाली के दरोगा सुमित पांडेय, दरोगा अभिषेक सिंह ने कांस्टेबल अनिल कुमार एवं पवन सिंह के साथ मिलकर गुरुवार की रात क्षेत्र भ्रमण के दौरान संदिग्ध अवस्था में नजर आये विकास तिवारी पुत्र प्रहलाद निवासी ग्राम अहेता थाना माधोगढ़ को पकड़ लिया। जामातलाशी में विकास के पास से एक 315 बोर का अवैध तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद कर पुलिस ने उसके खिलाफ आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है। विकास के आपराधिक इतिहास को लेकर पुलिस ने बताया कि उसके खिलाफ पूर्व से एट थाने में दफा 393 और कोंच कोतवाली में 3/25 में मुकदमा दर्ज है।

पेड़, जल स्रोत और वन्य जीव पर्यावरण की अमूल्य धरोहर है, इन्हें बचाना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व - पवन कुमार सिंह

सोनभद्र/उत्तर प्रदेश– अन्तर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर पानी पेड़ बचाओ अभियान द्वारा भव्य गोष्ठी अधिवक्ता भवन, तहसील परिसर रॉबर्ट्सगंज में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश सिंह कुशवाहा ने किया। पानी पेड़ बचाओ अभियान के संयोजक पवन कुमार सिंह ने पर्यावरण संरक्षण, जल संकट, वृक्षों की निरंतर कटाई तथा जैव विविधता पर बढ़ते खतरे जैसे गंभीर विषयों पर विशेष चर्चा किया। उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि प्रकृति का संतुलन बनाए रखने के लिए जल, जंगल और जमीन की सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो आने वाली पीढ़ियों को गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। इसी क्रम में पानी पेड़ बचाओ अभियान के सह संयोजक विनीत श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा ने कहा कि जैव विविधता केवल प्रकृति की सुंदरता नहीं, बल्कि सम्पूर्ण मानव जीवन का आधार है। पेड़, जल स्रोत और वन्य जीव पर्यावरण की अमूल्य धरोहर हैं। इन्हें बचाना प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व है। समाज को पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक रूप से आगे आना होगा।गोष्ठी का संचालन कामता प्रसाद यादव एडवोकेट ने किया । गोष्ठी में राजेंद्र कुमार यादव, विजय बहादुर सिंह, विमल प्रसाद सिंह, टीटू प्रसाद गुप्ता, दीप नारायण पटेल आदर्श देव पांडेय, राजेश कुमार, नवीन कुमार पांडेय, संतोष चतुर्वेदी व अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

हत्या के मामले में दोषी को आजीवन कारावास, 50 हजार रुपये का जुर्माना

ललितपुर पुलिस की प्रभावी पैरवी से जिला एवं सत्र न्यायालय ने सुनाई सजा

ललितपुर। हत्या के एक चर्चित मामले में ललितपुर पुलिस की प्रभावी पैरवी के फलस्वरूप जिला एवं सत्र न्यायालय ने अभियुक्त को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास एवं 50 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। न्यायालय के फैसले को पुलिस की सशक्त विवेचना एवं प्रभावी पैरवी का परिणाम माना जा रहा है। पुलिस विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार अभियुक्त थाना बानपुर अंतर्गत कस्बा निवासी रामराजा उर्फ भज्जू यादव पुत्र जगन्नाथ यादव के विरुद्ध थाना में वर्ष 2023 में मु.अ.सं. 21/2023 धारा 302 आईपीसी अंतर्गत हत्या का अभियोग पंजीकृत किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा एक समर्पित टीम गठित कर वैज्ञानिक एवं तथ्यपरक साक्ष्यों के आधार पर समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण विवेचना की गई तथा आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। पुलिस अधीक्षक मो. मुश्ताक के निर्देशन में मामले की लगातार समीक्षा करते हुए थाना बानपुर पुलिस, पैरोकार, कोर्ट मोहर्रिर एवं अभियोजन पक्ष द्वारा प्रभावी पैरवी की गई। इसी क्रम में 22 मई 2026 को जिला एवं सत्र न्यायालय ने अभियुक्त रामराजा उर्फ भज्जू यादव को दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई, साथ ही 50 हजार रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गंभीर अपराधों में दोषियों को शीघ्र सजा दिलाने के उद्देश्य से चिन्हित अभियोगों की नियमित समीक्षा की जा रही है, ताकि अपराधियों में कानून का भय बना रहे और पीड़ित पक्ष को समय पर न्याय मिला।

गेहूं खरीद केंद्रों पर खरीद न होने से गुस्साए किसानों ने लगाया जाम

● केंद्रों पर कई दिनों से डेरा डाले हैं किसान

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)– गेहूं सरकारी खरीद केंद्रों पर बारदाना न होने से कोंच के सभी केंद्र ठप पड़ गए हैं जिससे परेशान किसानों ने शुक्रवार को गुस्से में आकर मंडी गेट पर जाम लगा कर जमकर प्रदर्शन किया। जाम से कोंच-पंचानन मार्ग व मंडी परिसर का आवागमन प्रभावित रहा। गुस्साये किसानों का कहना था कि पिछले कई दिनों से किसान, केंद्र पर डेरा डाले हुए है फिर भी तुलाई नहीं हो पा रही है। केंद्र प्रभारी बारदाना न होने से खरीद नहीं कर रहे हैं। एसडीएम ने दूरभाष से बात कर किसानों को समझा-बुझा कर जाम खुलवाया और आरएफसी केंद्र प्रभारी को जल्द बारदाना आवंटित करने का आश्वासन देकर तुलाई चालू कराई।

कोंच में गेहूं खरीद केंद्रों पर बारदाना न होने से पिछले कई दिनों से खरीद नहीं हो पा रही है। किसान पिछले कई दिनों से केंद्रों पर अपना गेहूं लिए रात-दिन डेरा डाले हुए हैं। एक-एक कर सभी केंद्र ठप पड़ गए जिससे किसान अब केंद्रों पर भटक रहे हैं। आरएफसी केंद्र पर सैंकड़ों बोरी बारदाना पड़ा है लेकिन केंद्र प्रभारी मुकेश कुमार का कहना है कि केंद्र पर बारदाना जरूर पड़ा है लेकिन अभी जिले से उन्हें आवंटन नहीं हुआ है जिससे वह खरीद नहीं कर पा रहे है। गुरुवार की शाम कुछ किसानों ने आरएफसी पर हंगामा काटा तो एसडीएम हेमंत पटेल ने केंद्र पर पहुंच कर सुबह से खरीद चालू कराने का आश्वासन दिया था शुक्रवार की सुबह भी खरीद शुरू नहीं हुई तो व्यवस्था से गुस्साए किसानों ने अपने-अपने गेहूं से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली मंडी गेट पर लगाकर जाम लगा दिया और सड़क पर प्रदर्शन करने लगे जिससे मंडी परिसर व कोंच-पंचानन मार्ग पर यातायात प्रभावित हो गया। भारी संख्या में दोनों तरफ वाहन फसे रह गए और वाहनों में बैठी सवारियां भीषण

गर्मी में बिलबिला पड़ी। सूचना पर कोतवाल बृजेश बहादुर सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए और गुस्साए किसानों को समझाने लगे लेकिन किसान नहीं माने। कोतवाल ने एसडीएम हेमंत पटेल से दूरभाष पर किसानों की बात कराई जिसके बाद एसडीएम के जल्द तुलाई चालू कराने के आश्वासन पर किसान माने, तब कहीं जाकर करीब एक घंटे बाद जाम खुल सका। केंद्र प्रभारी आरएफसी मुकेश कुमार ने बताया कि एसडीएम ने जल्द बारदाना आवंटन कराने का आश्वासन दिया है जिस पर तुलाई चालू की जा रही है।

कोन पुलिस द्वारा बड़ी कार्यवाही, 04 अंतर्राज्यीय गौतस्करों को किया गिरफ्तार

● भेजा न्यायालय, 15 गोवंश बरामद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोन/ सोनभद्र– पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार के कुशल मार्गदर्शन में अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी अंकुश लगाए जाने हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना कोन पुलिस को बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 21.05.2026 को समय लगभग 21:00 बजे थाना कोन पुलिस टीम द्वारा थाना क्षेत्र के ग्राम ससनई में कार्रवाई करते हुए 15 गोवंशों को क्रूरता पूर्वक पैदल हांककर ले जा रहे 04 अंतर्राज्यीय गौतस्करों को गिरफ्तार किया गया। बरामद गोवंशों में 09 बैल, 03 गाय, 02 बछिया एवं 01 बछड़ा शामिल हैं। उक्त प्रकरण के संबंध में थाना कोन पर मु0 अ0 सं0-99/2026 धारा 3/5ए/ 5बी/8 गोवध निवारण अधिनियम के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। बरामद गोवंशों को नियमानुसार सुपुर्दगी में देते हुए आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर गिरफ्तार अभियुक्तों को न्यायालय भेजा

गया। **गिरफ्तार अभियुक्तगण का विवरण क्रमशः** बबलू चौधरी पुत्र विष्णु चौधरी निवासी हासनदाग थाना मेराल जनपद गढ़वा, झारखंड, उम्र लगभग 40 वर्ष, रामलाल चौधरी पुत्र कामेश्वर चौधरी निवासी हरादाग कला थाना रमना जनपद गढ़वा, झारखंड, उम्र लगभग 40 वर्ष, विष्णु चौधरी पुत्र भंगी चौधरी निवासी हासनदाग थाना मेराल जनपद गढ़वा, झारखंड, उम्र लगभग 58 वर्ष, धुरमल चौधरी पुत्र स्व0 सहदेव चौधरी निवासी हरादाग कला थाना रमना जनपद गढ़वा, झारखंड, उम्र लगभग 51 वर्ष। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में मुख्य रूप से प्र0नि0 संजीव कुमार सिंह, थाना कोन, उ0 नि0 शिवप्रकाश यादव, चौकी चकरिया, उ0नि0 वृजनाथ यादव, चौकी प्रभारी चननी, उ0 नि0 वीरेन्द्र राय, चौकी प्रभारी पोखरिया सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल रहे।

खदान क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान मृत संविदा श्रमिक के आश्रितों को 11.48 लाख की क्षतिपूर्ति

सोनभद्र /उत्तर प्रदेश– जिलाधिकारी के निर्देशन में नार्दन कोलफील्ड्स लिमिटेड की दुद्धीचुआ परियोजना में कार्यरत मे0 जी. एस.सी.ओ. इन्फ्रास्ट्रक्चर प्राइवेट लिमिटेड के संविदा श्रमिक स्व0 पुष्पेन्द्र सिंह के विधिक वारिसों को कर्मचारी क्षतिपूर्ति धनराशि का चेक प्रदान किया गया। स्व0 पुष्पेन्द्र सिंह की खदान क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। वर्कमैन कम्पनसेशन एक्ट, 1923 के अंतर्गत उनके आश्रितों को 11,48,175 की धनराशि स्वीकृत की गई। सत्यापन उपरांत पत्नी श्रीमती अनिल सिंह, पुत्री संचिता सिंह, पुत्री अंकिता सिंह एवं पुत्र अतुल सिंह के नाम चेक निर्गत किया गया। जिलाधिकारी द्वारा आज स्व0 पुष्पेन्द्र सिंह आश्रितों को 11,48,175 रूपये का चेक सौपा गया।

बालिका सशक्तिकरण की बात, लेकिन विस्थापित आज भी बदहाल, एनटीपीसी पर उठे सवाल

● ष्टस्क्रकार्यक्रमों से नहीं, स्थायी विकास से होगा सशक्तिकरण, हञ्जक्क्ष्ट रिहंद पर स्थानीयों का हमला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

बीजपुर/ सोनभद्र– एनटीपीसी रिहंद सीएसआर विभाग द्वारा विगत वर्ष की भांति इस वर्ष भी एक माह के लिए बालिका सशक्तिकरण अभियान का आयोजन किया जा रहा है। बालिका सशक्तिकरण अभियान कार्यशाला का भव्य उद्घाटन दिनांक 21 मई को तरंग प्रेक्षागृह में मुख्य अतिथि संजय असाटी परियोजना प्रमुख (रिहंद) विशेष अतिथि संदीप नायक, परियोजना प्रमुख (सिंगरौली), प्रज्ञा नायक, अध्यक्ष, वनिता समाज, नीलू असाटी, अध्यक्ष, वर्तिका महिला मंडल समिति, प्रणय कुमार नायक, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) सतेंद्र कुमार सिन्हा, महाप्रबंधक (प्रचालन, एनटीपीसी विंध्याचल), माणिक्यन सुरेश, महाप्रबंधक (अनुरक्षण एवं एडीएम, एनटीपीसी विंध्याचल), उप समादेष्टा सीआईएसएफ प्रकाश, विभागाध्यक्षगण, वर्तिका महिला मंडल समिति की वरिष्ठ सदस्यों, यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधिगण एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा एनटीपीसी गीत एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

मुख्य अतिथि परियोजना प्रमुख असाटी ने बालिका सशक्तिकरण के महत्व पर जोर देते हुए बालिकाओं के सर्वांगीण विकास हेतु सीएसआर द्वारा आयोजित इस अभियान की सराहना की। उन्होंने कहा कि सशक्तिकरण का अर्थ है किसी को शक्ति देना या किसी को मजबूत और आत्मविश्वासी बनाना। उन्होंने यह भी कहा कि यह अभियान केवल शिक्षा तक ही सीमित नहीं है अपितु यह एक समग्र विकास पहल है जो शैक्षिक सहायता, कौशल निर्माण, व्यक्तित्व विकास और जीवन कौशल प्रशिक्षण प्रदान करता है। कार्यशाला में भाग ले रही बालिकाओं को संबोधित करते हुए श्री असाटी ने कहा कि आप सभी ताकत, लचीलेपन और आशा की प्रतिमूर्ति हो। आपको यहां से जो सीख मिले उसे अपने आस-पास में भी बांटना है। इसके पूर्व मुख्य अतिथि सहित अन्य आमंत्रित गणमान्य अतिथियों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया गया। मानव संसाधन विभागाध्यक्ष राजेश बोचापाई ने सभी गणमान्य अतिथियों का हार्दिक स्वागत करते हुए उनकी उपस्थिति के प्रति आभार व्यक्त किया ।कार्यशाला के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि इस वर्ष सात विद्यालयों से कुल 140 बालिकाएं प्रशिक्षण में शामिल हुई हैं। इस अवसर पर बालिका सशक्तिकरण अभियान के पूर्व प्रतिभागियों तथा डीएवी स्कूल में अध्ययनरत बालिकाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए सभी का मन मोह लिया तथा पूर्व के वर्षों में आयोजित कार्यशाला के अनुभवों को साझा करते हुए एनटीपीसी रिहंद के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान डीएवी में अध्ययनरत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली पिछले कार्यशाला की जेम बालिकाओं को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि जहां एक ओर एनटीपीसी द्वारा महिला एवं बालिका सशक्तिकरण की बातें की जाती हैं, वहीं दूसरी ओर परियोजना से विस्थापित किए गए परिवार आज भी मूलभूत सुविधाओं, रोजगार और समुचित पुनर्वास के लिए संघर्ष कर रहे हैं। लोगों ने सवाल उठाया कि जब सशक्तिकरण और समृद्धि की बात की जाती है तो विस्थापित परिवारों को आत्मनिर्भर और समृद्ध बनाने की दिशा में ठोस प्रयास क्यों नहीं किए जा रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि एनटीपीसी को केवल छोटे-छोटे कार्यक्रम कर दिखावा बंद करना चाहिए। यदि वास्तव में विकास और सशक्तिकरण की बात की जा रही है तो सबसे पहले यहां के विस्थापित और स्थानीय लोगों

के स्थायी रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, पानी और मूलभूत सुविधाओं पर गंभीरता से काम करना चाहिए। लोगों का कहना है कि क्षेत्र के वास्तविक विकास की ठोस नीति अपनाकर ही एनटीपीसी अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभा सकती है।

स्थानीय लोगों ने पुनर्वास व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि यह कैसा पुनर्वास है जहां आज भी लोगों को टैंकर से पानी की आपूर्ति की जा रही है। लोगों का कहना है कि कभी सुप्रीम कोर्ट के दस्तावेजों और शर्तों में विस्थापितों को पोर्टेबल वाटर' यानी शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने की बात कही गई थी, लेकिन जमीनी हकीकत आज भी अधूरी दिखाई देती है। ग्रामीणों का आरोप है कि स्थायी जल व्यवस्था, रोजगार और मूलभूत सुविधाओं के बिना पुनर्वास केवल कागजों तक सीमित होकर रह गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि एक तरफ एनटीपीसी महिला सशक्तिकरण अभियान चला रही है, वहीं दूसरी तरफ विस्थापित और आसपास के गांवों के लोग आज भी पानी, रोजगार और मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। लोगों का आरोप है कि इससे यह जाहिर होता है कि एनटीपीसी केवल कागजी कोरम पूरा कर रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि वास्तव में सामाजिक जिम्मेदारी निभानी है तो दिखावटी कार्यक्रमों के बजाय क्षेत्र के लोगों को स्थायी सुविधाएं और विकास देना चाहिए, अन्यथा ऐसे अभियानों का कोई वास्तविक मतलब नहीं रह जाता।

खेत में खड़ी नीम के पेड़ों को काटने व लकड़ी जलाने का आरोप

ललितपुर। थाना कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बिरधा निवासी एक व्यक्ति ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर गांव के कुछ लोगों पर खेत में खड़ी नीम की हरी लकडियों को अवैध रूप से काटने एवं लकड़ी जलाने का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। शिकायतकर्ता राजेश कुमार पुत्र स्व.नेमीचंद्र जैन ने बताया कि उनके खेत पर बिना वन विभाग की अनुमति के कुछ लोगों द्वारा हरे-भरे नीम के पेड़ काट दिए गए। आरोप है कि विरोध करने पर उनके साथ गाली-गलौज एवं अभद्रता भी की गई। उन्होंने बताया कि खेत की सफाई के दौरान काटी गई लकडियों को जलाने का भी प्रयास किया गया, जिसकी सूचना पुलिस को दी गई। पीड़ित ने आरोप लगाया कि विपक्षी लगातार दबाव बना रहे हैं और जान से मारने की धमकी भी दे रहे हैं। शिकायतकर्ता का कहना है कि मामले की जानकारी वन विभाग को भी दी गई, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। जिलाधिकारी से शिकायत करते हुए पीड़ित ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

ललितपुर में साइबर ठगी का जाल

दो लोगों के खातों से उड़ाए 48 हजार रुपये, कोतवाली में दर्ज हुई एफआईआर

ललितपुर। जिले में साइबर ठग लगातार लोगों को अपना निशाना बना रहे हैं। अलग-अलग मामलों में दो लोगों के खातों से करीब 48 हजार रुपये की ऑनलाइन ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ितों की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने अज्ञात साइबर अपराधियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। दोनों मामलों की विवेचना निरीक्षक शावेज खान को सौंपी गई है। पहला मामला शहर के झाखझियापुरा क्षेत्र निवासी ममता पत्नी प्रेमचंद का है। पीड़िता ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 22 दिसंबर 2025 को उनके मोबाइल पर अज्ञात नंबर से कॉल आई थी। फोन करने वाले ने छलपूर्वक उनके बैंक खाते से 24 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए। पीड़िता ने तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर ऑनलाइन शिकायत संख्या 23112250209235 पंजीकृत हुई। इसके बावजूद आरोप है कि लंबे समय तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। बाद में न्यायालय के आदेश पर कोतवाली पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। वहीं दूसरा मामला ग्राम बिरारी निवासी श्रीराम पुत्र कन्छेदी से जुड़ा है। श्रीराम ने पुलिस को बताया कि 25 जनवरी 2026 को अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर धोखे से उनके यूको बैंक खाते से 24 हजार रुपये ऑनलाइन निकाल लिए। पीड़ित ने तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर सूचना दी और ऑनलाइन शिकायत संख्या 23101260015942 दर्ज कराई, लेकिन कार्रवाई न होने पर न्यायालय की शरण लेनी पड़ी। इसके बाद कोतवाली पुलिस ने मुकदमा

खेलकूद से ही स्वस्थ शरीर की संरचना है संभव- डीएम

● ग्रामीण युवाओं को प्रतिभा प्रदर्शित करने हेतु क्रिकेट टूर्नामेंट है सहायक- एसपी

विधायक मूलचंद्र निरंजन के आयोजकत्व में नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट में दर्शक बनकर डीएम एसपी ने देखा मैच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच (जालौन)– एमएसडी महाविद्यालय तीतरा ग्राउंड में फ्लड लाइट के बीच क्षेत्रीय विधायक मूलचंद्र निरंजन द्वारा आयोजित कराए जा रहे माधोगढ़ विधानसभा प्रीमियर लीग नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन गुरुवार की रात डीएम और एसपी ने बतौर अतिथि टॉस कराते हुए मैच का शुभारंभ कराया।

क्रिकेट ग्राउंड के ठीक सामने बनाए गए मंच पर डीएम राजेश कुमार पांडेय एवं एसपी विनय कुमार सिंह का आयोजन समिति प्रमुख आशु निरंजन महतवानी के नेतृत्व में सदस्यों ने फूलमाला और पट्टिका पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत सम्मान किया। डीएम एवं एसपी ने इलेवन वारियर्स टीम उरई और रेनवो क्लब टीम झांसी के मध्य खेले गए क्रिकेट मैच का आनंद उठाया। डीएम एवं एसपी ने ग्रामीण युवाओं के प्रोत्साहन हेतु आयोजित इस टूर्नामेंट के तहत ग्राउंड की सुंदरता से लेकर रोशनी हेतु फ्लड लाइट्स सहित अन्य सारी उच्चस्तरीय व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए विधायक सहित आयोजन समिति को बधाई दी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में क्रिकेट जैसे जुनूनी खेल के माध्यम से युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। यही युवा भविष्य में प्रदेश और देश की टीम का हिस्सा बनकर क्षेत्र का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि खेलकूद से ही स्वस्थ और मजबूत शरीर की संरचना संभव है। विधायक मूलचंद्र निरंजन ने कहा कि विधानसभा क्षेत्र के युवाओं की आवाज पर इस प्रकार के आयोजन वह क्षेत्र के अन्य इलाकों में भी भविष्य में कराएंगे। संचालन प्रदीप धनौरा एवं विकास पटेल ने संयुक्त रूप से किया, जबकि आशु निरंजन ने आभार व्यक्त किया। इस मौके पर एसडीएम हेमंत कुमार पटेल, सीओ परमेश्वर प्रसाद, कोतवाल बृजेश बहादुर सिंह, नगर पालिका कोंच के नामित सभासद सुनील शर्मा, अरविंद निरंजन मुनिया, शिवप्रसाद निरंजन, प्रधान प्रेमप्रकाश लौना, लालजी पटेल चांदनी सहित हजारों की संख्या में क्षेत्र के क्रिकेट प्रेमी मौजूद रहे।

डीएम, एसपी ने टॉस कराकर खिलाड़ियों से लिया परिचय

● शाइनिंग इंडिया मेरठ, रेनवो क्लब झांसी और सागर स्पोर्ट्स उरई की टीम ने जीते अपने अपने मैच

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कोंच(जालौन)– नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट के दूसरे दिन गुरुवार की रात में तीन मैच खेले गए। पहला मैच शाइनिंग इंडिया मेरठ और सागर स्पोर्ट्स उरई की टीमों के मध्य खेला गया। शाइनिंग इंडिया टीम के कप्तान शाहनवाज खान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया। टीम ने निर्धारित 8 ओवरों में 7 विकेट खोकर 51 रन बनाए। कप्तान अभिनव पटेल की अगुवाई में लक्ष्य का पीछा करने उतरी सागर स्पोर्ट्स टीम 8 ओवरों में 7 विकेट खोकर 45 रन ही बना सकी और हार का सामना करना पड़ा। शाइनिंग इंडिया टीम के गेंदबाज जावेद जानी ने 3 विकेट चटकाए जिन्हें मेन ऑफ द मैच घोषित किया गया। दूसरा मैच इलेवन वारियर्स उरई और रेनवो क्लब झांसी की टीम के बीच खेला गया। इलेवन वारियर्स टीम के कप्तान मुजाहिद ने टॉस जीता और पहले बैटिंग करने का फैसला लिया। टीम ने 8 ओवरों में 9 विकेट खोकर सिर्फ 33 रनों का लक्ष्य दिया। जबाव में सुमित कुशवाहा की अगुवाई में रेनवो क्लब की टीम ने 5 ओवर चार गेंदों में ही 6 विकेट खोकर मैच जीत लिया। 2 विकेट चटकाने पर रेनवो क्लब टीम के खिलाड़ी सुशांत मेन ऑफ द मैच रहे। तीसरा मैच रेनवो क्लब झांसी और सागर स्पोर्ट्स उरई की टीम के मध्य खेला गया। रेनवो क्लब टीम के कप्तान सुमित कुशवाहा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की। टीम ने 8 ओवरों में 9 विकेट खोकर 62 रनों का लक्ष्य दिया। जबाव में सागर स्पोर्ट्स टीम के बल्लेबाजों ने कप्तान अभिनव पटेल के दिशा निर्देशन में बल्लेबाजी करते हुए दो गेंद शेष रहते 4 विकेट खोकर मैच जीत लिया। 2 विकेट लेने पर सागर स्पोर्ट्स टीम के गेंदबाज शोएब अख्तर को मेन ऑफ द मैच चुना गया। तीनों मैचों के मेन ऑफ द मैच चुने

गए खिलाड़ियों को शील्ड और पांच-पांच सौ रुपए का नकद इनाम प्रदान किया गया। अंपायर की भूमिका सूरज त्रिपाठी उन्नाव एवं शिशिर कुमार ने निभाई। कमेंट्री प्रदीप धनौरा, विकास पटेल की। स्कोरर का दायित्व अभिजीत चौहान, राज ठाकुर एवं सोमेंद्र चमरसेना ने निभाया। मैच की ऑनलाइन लाइव की व्यवस्था में मानस मिश्रा, विमल और अर्पित शामिल रहे। पिच से लेकर मैदान की अन्य सारी व्यवस्थाओं में कमेटी के सदस्य आकाश निरंजन छानी, अंकित पटेल, आकाश, नेहरू, हिमांशु, पंकज, जीतू, राज आदि संलग्न रहे।

दोषी पति को 10 वर्ष के कारावास की सजा, 11 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर 3 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

● जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी

● दो वर्ष पूर्व हुए ललिता हत्याकांड का मामला

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

सोनभद्र/ उत्तर प्रदेश– करीब दो वर्ष पूर्व हुए ललिता हत्याकांड के मामले में शुक्रवार को सुनवाई करते हुए सत्र न्यायाधीश राम सुलीन सिंह की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषी पति रामप्यारे को 10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। इनके ऊपर 11 हजार रूपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर तीन माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक शिवकुमार पुत्र स्वर्गीय राम सहाय निवासी कोरची टोला बियादामर , थाना दुद्धी, जिला सोनभद्र ने दुद्धी थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि एक अप्रैल 2023 को शाम 7 बजे उसका बड़ा भाई रामप्यारे अपनी पत्नी ललिता(45) को अनायास घर पर गाली गलौज देते हुए डंडे से मारकर बुरी तरह घायल कर दिया। उसे सिर में गम्भीर चोटें आई हैं। जब अस्पताल ले जाने की तैयारी हो

रही थी तभी ललिता की मौत हो गई। आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर रामप्यारे के विरुद्ध न्यायालय में चार्जशीट दाखिल किया था।

मामले की सुनवाई के दौरान जहां अभियुक्त के अधिवक्ता ने पहला अपराध बताते हुए कम से कम दंड दिए जाने की याचना की, वहीं जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी ज्ञानेंद्र शरण रॉय ने गम्भीर अपराध बताते हुए अधिक से अधिक दंड देने की याचना की। अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने के बाद दोषसिद्ध पाकर दोषी पति रामप्यारे को 10 वर्ष के कारावास की सजा सुनाई। इसके ऊपर 11 हजार रुपये अर्थदंड भी लगाया गया है। अर्थदंड न देने पर तीन माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बिताई अवधि सजा में समाहित होगी।

दुकानदार और बैंक की मिलीभगत से धोखाधड़ी का आरोप

पीड़ित ने डीएम से लगाई न्याय की गुहार

ललितपुर। तहसील महरौनी क्षेत्र के ग्राम मिदरवाहा निवासी रामचरण पुत्र मथुरा ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर सहकारी ग्राम विकास बैंक और एक दुकानदार पर मिलीभगत कर धोखाधड़ी करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने मामले की जांच कर कार्रवाई किए जाने की मांग की है। शिकायतकर्ता के अनुसार वर्ष 2015 में सिंचाई के लिए एक इंजन पंप खरीदने हेतु महरौनी निवासी दुकानदार अनिल मिठया से संपर्क किया गया था। आरोप है कि दुकानदार ने इंजन पंप दिलाने के नाम पर करीब 30 हजार रुपये नगद ले लिए और कहा कि बैंक से लिया गया ऋण बाद में वापस हो जाएगा। पीड़ित का आरोप है कि दुकानदार ने उसके अंगूठे लगवाकर कुछ दस्तावेज तैयार कर लिए और बाद में उसके नाम पर कृषि भूमि की नीलामी संबंधी विज्ञप्ति समाचार पत्र में प्रकाशित करा दी। 19 मई 2026 को प्रकाशित नीलामी सूचना में अपना नाम देखकर वह हैरान रह गया। रामचरण ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए तथा कृषि भूमि की नीलामी संबंधी विज्ञप्ति को तत्काल निरस्त कराया जाए।

फसल बीमा राशि न मिलने पर किसानों ने डीएम से लगाई गुहार

● भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) ने जांच कर कार्रवाई एवं किसानों को भुगतान दिलाने की उठाई मांग

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

ललितपुर। तालबेहट क्षेत्र के किसानों को रवि सीजन 2026 की फसल बीमा राशि न मिलने का मामला सामने आया है। इस संबंध में भारतीय किसान यूनियन (लोकशक्ति) के जिलाध्यक्ष सुनील शर्मा के नेतृत्व में किसानों ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर मामले की जांच एवं किसानों को बीमा राशि दिलाने की मांग की है। डीएम को दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम पंचायत बालाबेहट, तहसील तालबेहट के दर्जनों किसानों ने आरोप लगाया है कि बैंक ऑफ इंडिया बालाबेहट शाखा के कर्मचारियों एवं दलालों की मिलीभगत से नियम विरुद्ध तरीके से किसानों से फसल बीमा के नाम पर दो से पांच लाख रुपये तक की धनराशि जमा कराई गई। किसानों का कहना है कि उनके खातों से बीमा प्रीमियम भी काटा गया, लेकिन निर्धारित समय बीत जाने के बावजूद उन्हें अब तक फसल बीमा की राशि प्राप्त नहीं हुई है। किसानों ने आरोप लगाया कि कई बार संबंधित अधिकारियों एवं बैंक कर्मचारियों से शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं किया गया। इसको लेकर किसानों में भारी रोष व्याप्त है। भारतीय किसान यूनियन (लोक शक्ति) ने

डीएम को ज्ञापन देने पहुंचे किसान

जिलाधिकारी से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा प्रभावित किसानों को शीघ्र बीमा राशि दिलाए जाने की मांग की है। ज्ञापन में चेतावनी दी गई है कि यदि किसानों की समस्या का समाधान नहीं हुआ तो संगठन आंदोलन के लिए बाध्य होगा।

संक्षिप्त खबरें

विविध कार्यक्रमों में आज शामिल होंगी विधायक मोना

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्रीय विधायक एवं कांग्रेस विधानमण्डल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना आज शनिवार को रामपुरखास विधानसभा क्षेत्र के दौरे पर आयेगी। वह पूर्वान्ह 11 बजे रोहाड़ा में सड़क परियोजना का लोकार्पण करेंगी। इसके बाद यहां वह दुग्ध उत्पादकों के साथ संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगी। अपरान्ह एक बजे विधायक आराधना मिश्रा मोना लालगंज स्थित कैम्प कार्यालय पर जनसमस्याओं की सुनवाई करेंगी। यह जानकारी मीडिया प्रभारी ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने दी है।

वृद्धाश्रम के 106 वर्षीय बुजुर्ग दादा जयराम का क्लब ने मनाया जन्मदिन

प्रतापगढ़। वृद्धाश्रम महुली में शुक्रवार को आश्रम के सबसे बुजुर्ग 106 वर्षीय दादा जयराम का 11 किलो का केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। समाजसेवी व एलाएंस क्लव के इंटरनेशनल डायरेक्टर रोशनलाल उमरवैश्य द्वारा आयोजित कार्यक्रम में समाज कल्याण अधिकारी नागेन्द्र मौर्य समेत गणमान्य लोग शामिल हुए। जिला समाज कल्याण अधिकारी ने कहा कि बाबा जयराम हम सबके प्रेरणा श्रोत हैं। हमें इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। समाजसेवी द्वारा वृद्धाश्रम के 80 बुजुर्गे की नियमित सेवा किए जाने की सराहना करते हुए लोगों के लिए उन्हें प्रेरणास्रोत बताया। उन्होंने कहा कि वे बच्चे अभागे हैं जो अपने बुजुर्ग माता पिता को वृद्धाश्रम में भेज देते हैं। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम भी कभी बूढ़े होंगे। जब हम अपने माता-पिता की सेवा करेंगे तो हमारी संताने भी बुढ़ापे में हमारा ख्याल रखेंगे। वरिष्ठ भाजपा नेता गोकुलनाथ श्रीवास्तव ने समाजसेवी द्वारा आयोजित कार्यक्रम को पूरे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।आश्रम के प्रबंधक अंबिका प्रसाद ने अतिथियों का आभार ज्ञापित करते हुए कहा कि बाबा जयराम पूरे आश्रम के लिए मार्गदर्शक है। हम सबको बहुत ही प्रेरणा देते रहते हैं।इस मौके पर आश्रम के प्रबंधक अम्बिका प्रसाद, गोकुलनाथ श्रीवास्तव,आदर्श कुमार, शिव बाबू, आशिक अली, विवके कुमार, संदीप कुशवाहा, धर्मेन्द्र कुमार, पंकज, सुनील, रेखा उमरवैश्य, नन्दिनी,प्राची गुप्ता, पीहू गुप्ता, मान्या उमरवैश्य समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

सिद्धार्थनगर: बारात में डीजे पर डांस करने को लेकर दो पंक्षों में मारपीट, दो युवकों को बेकाबू कार ने रौंदा, इलाज के दौरान एक की मौत

सिद्धार्थनगर। बारात के दौरान हुआ विवाद एक परिवार के लिए मातम बन गया। डीजे पर डांस करने को लेकर दो पक्षों में कहासुनी के बाद अफरा-तफरी मच गई। इसी दौरान मौके से भाग रही तेज रफ्तार कार ने दो युवकों को रौंदा दिया जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। उपचार के दौरान एक युवक की मौत हो गई, जबकि दूसरे की हालत नाजुक बनी हुई है। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। मोहाना थाना क्षेत्र के खलीलपुर ग्राम पंचायत के टोला रेहरवा में गुरुवार 32 वर्षीय राधेश्याम उर्फ छोटू पुत्र सुरेमन गांव में आई बारात देखने गये थे। बारात बासी क्षेत्र से आई थी। रात में डीजे पर डांस को लेकर बारातियों और स्थानीय लोगों के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते विवाद में बदल गई। विवाद बढ़ने पर मौके पर भगदड़ मच गई। इसी बीच एक कार चालक तेजी से वाहन लेकर निकलने लगा और भीड़ में मौजूद दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में राधेश्याम उर्फ छोटू समेत दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को पहले निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कालेज रेफर कर दिया। उपचार के दौरान राधेश्याम की मौत हो गई। दूसरे युवक का इलाज जारी है। इस सम्बन्ध में थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार सिंह का कहना है कि अभी कोई तहरीर नहीं मिली है।

परमिशन की आड़ में एन जी टी के नियमों को दरकिनार कर दिन रात जारी अवैध खनन

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। हसनगंज तहसील क्षेत्र के नवाबगंज ब्लॉक अंतर्गत परौरा गांव में कथित अवैध मिट्टी खनन को लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखने को मिल रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि परमिशन की आड़ में बड़े पैमाने पर मिट्टी खनन किया जा रहा है, जबकि खनन की गई मिट्टी सरकारी परियोजनाओं के बजाय निजी वेयरहाउसों तक पहुंचाई जा रही है।

ग्रामीणों के अनुसार गांव से लगातार गुजर रहे भारी डंपरों के कारण सड़कें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो रही हैं। धूल-गुबार और तेज रफ्तार वाहनों से स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया है कि खनन कार्य के चलते नहर की संरचना को भी नुकसान पहुंचाया जा रहा है, जिससे भविष्य में सिंचाई व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका बढ़ गई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि कई बार शिकायत किए जाने के बावजूद प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। ग्रामीणों ने सवाल उठाया है कि यदि खनन किसी सरकारी या अधिकृत परियोजना के लिए किया जा रहा है, तो मिट्टी निजी स्थानों और वेयरहाउसों तक कैसे पहुंच रही है। पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की जा रही है। ग्रामीणों ने गांव के अंदर भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने, क्षतिग्रस्त सड़कों की तत्काल मरम्मत कराने तथा खनन की वैधता की जांच कराने की मांग उठाई है। आरोप है कि एन जी टी के नियमों को दरकिनार कर रात रात किया जा रहा अवैध खनन। एनजीटी का नियम ये कहता है कि कोई भी खनन की परमिशन सूरज के अस्त होने के बाद नहीं होती सूर्य अस्त के बाद कोई भी खनन पूरी तरह अवैध माना जाता है लेकिन जब इसकी शिकायत खनन अधिकारी मनीष यादव से की गई तो उनका कहना था कि ये कहां लिखा है कि खनन रात में नहीं हो सकता और कौनसा ऐसा परमिशन है जहां रात में खनन नहीं हुआ हो। लोगों का आरोप है कि खनन से पहले जिम्मेदारों ने न ही खनन क्षेत्र का सीमांकन कराया और न ही खनन क्षेत्र में झंडियां गाड़ी गई। डंफरों की आवाजाही से उड़ती धूल ग्रामीणों के खाने पीने और घरों में खूब जा रही जिससे ग्रामीणों का दैनिक जीवन कष्टमय हो गया है। डमफरो की आवाजाही से लोगों का घर के बाहर सोना भी दुर्लभ सा प्रतीत हो रहा, जब ग्रामीण सुबह सोकर उठता है तो उसके ऊपर काफी धूल जम चुकी होती है, किसान अपनी धान की बेड़ उड़ती धूल से छुपकर रखने को मजबूर है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस अवैध खनन के खेल में खनन अधिकारी मनीष यादव की भूमिका संदिग्ध है क्योंकि जो खनन कर रहे हैं उनका दावा है कि खनन अधिकारी उनके रिश्तेदार है। फिलहाल ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते प्रशासन ने संज्ञान नहीं लिया तो कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है और मजबूरन ग्रामीण सड़क पर बैठकर स्वयं ही अवैध खनन को बंद करने पर मजबूर होंगे।

मनीराम बगिया में भीषण अग्निकांड, पांच दमकल गाड़ियों ने पाया आग पर काबू

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। शहर के फीलखाना थाना क्षेत्र स्थित मनीराम बगिया इलाके में गुरुवार तड़के भीषण आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। आग एक चार मंजिला भवन के भूतल पर बनी दुकानों में लगी, जिसके चलते ऊपरी मंजिलों पर रहने वाले कई लोग भवन में फंस गए। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी (ष्ट्स्नह्) के अनुसार, आज दिनांक 22 मई 2026 को सुबह 3:04 बजे मिनी कंट्रोल रूम को सूचना मिली कि मकान नंबर 32/125, मनीराम बगिया में आग लगी हुई है। सूचना मिलते ही मुख्य अग्निशमन अधिकारी के निर्देशन में फायर स्टेशन लाटूश रोड, कर्नलगंज और फजलगंज से कुल पांच दमकल गाड़ियों को तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना किया गया।

मौके पर पहुंचने पर पाया गया कि संकरी गली में बने चार मंजिला भवन के ग्राउंड फ्लोर की दुकानों में आग लगी हुई थी, जबकि ऊपरी मंजिलों पर काफी संख्या में लोग फंसे हुए थे। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सबसे पहले रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। फायर ब्रिगेड की टीम ने सूझबूझ दिखाते हुए भवन की छत के रास्ते पास के दूसरे मकान की मदद से सभी फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद दमकल कर्मियों ने काफी दूरी से हौज पाइप बिछाकर आग को चारों तरफ से घेरा और उसे अन्य दुकानों तक फैलने से रोक दिया। कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। फिलहाल आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

संदिग्ध दशा में युवक की मौत, मचा कोहराम

लालगंज, प्रतापगढ़। संदिग्ध परिस्थितियों में युवक की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। सांगीपुर थाना क्षेत्र के राजमतीपुर पूरे छत्ता दुबे गांव में उमाशंकर वर्मा के पुत्र अवधेश वर्मा 37 की गुरूवार शाम अचानक तबीयत खराब हो गयी। परिजन इलाज के लिए उसे सांगीपुर सीएचसी ले गये। यहां प्रारंभिक उपचार के बाद गंभीर स्थिति में चिकित्सकों ने अवधेश को प्रयागराज रेफर कर दिया। प्रयागराज मेडिकल कालेज में चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत की खबर घर पहुंची तब कोहराम मच गया। इधर घटना को लेकर मृतक के चचेरे भाई समरजीत वर्मा पुत्र हीरालाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि गुरूवार की शाम अवधेश ने फोन पर गांव वालों को बुलवाया और बेचैनी होने की शिकायत की। तहरीर के मुताबिक मृतक ने प्रयागराज जाते समय रास्ते में अपने एक साथी से पत्नी के अवैध सम्बन्ध की बात बतायी और इस कारण से प्रताड़ना की भी बात कही थी। थानाध्यक्ष गौरव त्रिवेदी का कहना है कि चचेरे भाई की तहरीर मिली है, जांच की जा रही है।

सुबह से लू झुलसा रही, बाघ पानी से नहा रहा, दोपहर तक सड़कों में सन्नाटा

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर का शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में हैं, गर्मी का असर केवल इंसानों तक सीमित नहीं है, कानपुर के प्राणी उद्यान में जानवरों को भी गर्मी से बचाने के लिए विशेष इंतजाम किए जा रहे हैं, चिड़ियाघर में बाघ को पानी से नहलाया जा रहा है, ताकि उसे तपिश से राहत मिल सके, जानवरों के बाड़ों में कूलिंग व्यवस्था और अतिरिक्त पानी की व्यवस्था भी की गई है, सुबह से लेकर देर शाम तक आसमान से आग बरस रही है, और गर्म थपेड़ो से लोगों को झुलसा रही है हालात ऐसे हैं कि सुबह आठ बजे के बाद सड़कों पर निकलना मुश्किल हो जाता है दोपहर में शहर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में जैसे तंदूर में तब्दील हो जा रहा है, आम जन के साथ साथ बेजुबान जानवर भी गर्मी से बेहाल है, शहर में लगातार दूसरे दिन भी गर्मी का प्रकोप कम नहीं हुआ, तापमान में मामूली गिरावट 0,5 डिग्री की गिरावट जरूर दर्ज हुई, लेकिन लोगों को इससे कोई राहत महसूस नहीं हुई, सीएसए के वेदर स्टेशन के अनुसार अधिकतम तापमान 43, 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया,जो सामान्य से 3,1 डिग्री अधिक है, वहीं न्यूनतम तापमान 25, 5 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया, भीषण गर्मी का असर शहर के जनजीवन पर साफ दिखाई दे रहा है दोपहर में सड़कों पर

सन्नाटा पसरा रहा, और लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से निकले, धूप और लू से बचने के लिए लोग चेहरे को गमछे और कपड़ों से ढक कर निकलते दिखे, ठंडे पेय पदार्थों और छांव वाले स्थानों पर लोगों की भीड़ रही।

शिवली में पकड़ा गया नाबालिक के साथ रेप और धर्म परिवर्तन का आरोपी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। यहां शिवली थाना क्षेत्र में जन शिकायतों के निस्तारण के साथ ही हर तरह के अपराधियों के खिलाफ जारी प्रभावी कार्यवाही के क्रम में एक नाबालिक लड़की का अपहरण करने के बाद उसके साथ बलात्कार करने और फिर उस पर धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त कर ली गई। देहात में महिला सम्बन्धी अपराधों की रोकथाम हेतु चलाये जा रहे विशेष अभियान के क्रम में वादी की नाबालिग भांजी को बहला-फुसलाकर ले जाने के सम्बन्ध में दिये गये दिये गये प्रार्थना पत्र के आधार पर थाना स्थानीय पर चन्दू मंसूरी उर्फ चांद पुत्र हामिद मंसूरी उम्र करीब 20 वर्ष निवासी ग्राम शंकर नगर के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के बाद कानून और शांति व्यवस्था की पक्ष में अपराधियों के खिलाफ और पीड़ितों के हित में प्रभावी कार्यवाही में अपनी चुनौती पूर्ण नौकरी की शुरुआत से ही अग्रणी इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह सिंह ने अपहरण की गई नाबालिक को सकुशल बरामद भी कर लिया। शिवत्व यानी भगवान शंकर स्वभाव वाले इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह के कुशल नेतृत्व में आरोपी को पांडव नदी पुल के पास से गिरफ्तार करने वाली उनकी टीम में सब इंस्पेक्टर आनंद कुमार पांडे और कांस्टेबल रवि कुमार भी शामिल रहे।

स्थानीय सूत्रों का दावा है कि जब से व्यवहार कुशलता में अग्रणी निष्पक्ष और पारदर्शी कार्यशैली को महत्व देने वाले इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह ने शिवली की कमान संभाली है तब से पीड़ितों की सहायता के साथ ही अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्यवाही में इज़ाफा होने से क्षेत्र की जनता भी संतुष्टि के दायरे में है। जहां तक किसी की भी किसी भी पद या स्थान पर नियुक्ति का सवाल है। इसके आध्यात्मिक पक्ष के मुताबिक स्थानांतरण या किसी भी पद पर नियुक्ति के रूप में आपके कदम धरती के उस स्थान पर भी पड़ते हैं ,जहां जन्म के बाद पहले कभी नहीं पड़े होते और उन लोगों से भी मुलाकात होती है ,जिनसे पहले कभी नहीं मिले होते।

खास बात यह भी कि किसी भी पीड़ित की परेशानी का निस्तारण संबंधित के प्रति दुआओं का भी सृजक होता है जो कि उसके जीवन में फलित भी अवश्य ही होती हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि किसी के प्रति भी दुआओं और बद्दुआओं के रूप में बोले गए शब्द कभी नष्ट नहीं होते। ....और अगर होते तो हमारी या किसी की भी मोबाइल से बात नहीं होती ,क्योंकि अजर, अमर, अविनाशी अक्षर से शब्द और शब्द से बने वाक्य ही लिखने, पढ़ने और बोलने के रुप में ही इस संसार का संचालन करते हैं। मतलब अगर कुछ लिखा न जाए, पढ़ा ना जाए या कुछ कहा और बोला ना जाए तो इस संसार का संचालन हो ही नहीं सकता।

इसी के साथ साधारण या फिर किसी सक्षम पद के रूप में पुलिस विभाग में सेवारत होना भी संसार के अन्य सभी पदों और विभागों की अपेक्षा सर्वाधिक महत्वपूर्ण इसलिए है, क्योंकि संसार के संचालन की ईश्वरीय व्यवस्था में जितनी बड़ी महत्वपूर्ण

भूमिका पुलिस विभाग की है, उतनी बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका संसार के किसी अन्य विभाग अथवा किसी अन्य सर्वोच्च पद धारक की भी कदापि नहीं , पुलिस विभाग में किसी भी पदधारक के रूप में यह महत्वपूर्ण भूमिका संसार में इंसान के जन्म के पहले शुरू होती है और मरने के बाद भी जारी रहती है द्य यहां जन्म से पहले मतलब शिकायत पर इस आशय की जांच और विवेचना के रुप में कि पेट में बच्चा किसका है और मृत्यु के बाद भी इस आशय से कि हत्या किसने की है? मतलब जन्म के पहले से लेकर मृत्यु के बाद तक जैसी इतनी बड़ी भूमिका पुलिस के अलावा संसार के किसी भी विभाग या उसके सर्वोच्च पद धारक की भी कदापि नहीं है। यही नहीं जन्म से लेकर मृत्यु तक के बीच के समय यानी जीवन को व्यक्ति के कर्मो के अनुरूप सुख या दुख में बदलने के साथ ही उचित पात्र लोगों के जीवन को बचाने और अपराध के रूप में जनहित के विपरीत आचरण करने वाले के जीवन को मृत्यु (मुठभेड़) के रूप में समाप्त करने की भी क्षमता , सक्षमता और समर्थता शरीर धारी के रूप में वह रखता है ,जिसे पुलिस कहते हैं।

ट्रक ने बाइक को मारी जोरदार टक्कर,दो युवकों की मौके पर मौत, ट्रक चालक फरार

घाटमपुर। कानपुर कमिश्नरेट अंतर्गत थाना सजेती क्षेत्र के कोरिया मोड़ के पास हाइवे पर शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसा हो गया, इसमें एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी, हादसे में दोनों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई,, हादसे के बाद आरोपी ट्रक चालक ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया, मृतकों की शिनाख्त घाटमपुर थाना क्षेत्र के बंगला परास निवासी राज कुमार और रामशंकर के रूप में हुई है, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू की हैं, जानकारी के अनुसार घाटमपुर की ओर से आ रहे वाइक सवार युवकों को कोरिया मोड़ के पास सामने से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी, टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए, हादसे में दोनों युवकों ने मौके पर ही दम तोड दिया, हाइवे पर राहगीरों की भारी भीड़ जुट गई और यातायात बाधित हो गया।

लखनऊ-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित मार्केट में तड़के लगी भीषण आग से 17 गाड़ी जलकर हुई खाक

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

उन्नाव। एक तो भीषण गर्मी ऊपर से आग का कहर। मार्केट में मौजूद इलेक्ट्रिक स्कूटी शोरूम में आग लगने के बाद देखते ही देखते लपटों ने विकराल रूप ले लिया। कई ई-स्कूटी जलकर खाक हो गई और बिल्डिंग को भी भारी नुकसान पहुंचा। राहत की बात यह रही कि आग से कोई जनहानि नहीं हो पाई।

आपको बता दे लखनऊ कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोहरामऊ में स्थित भाजपा नेता हरिकेश सिंह की मार्केट है जिसमें एक ई स्कूटी का शोरूम संचालित था। सुबह तड़के किन्हीं कारणों से शोरूम में आग लग गई देखते ही देखते कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। सूचना पर पहुंची थाना सोहरामऊ पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम की सूझ बूझ से जल्द ही आग पर काबू पा लिया गया। सोहरामऊ पुलिस ने साहस दिखाते हुए जलती दुकान में अंदर घुसकर आग पर काबू पाने का काम किया। जिससे बड़ी जनहानि टल गई। विशेषज्ञों के अनुसार इलेक्ट्रिक वाहनों में इस्तेमाल होने वाली लिथियम-आयरन

बैटरियों में आग लगने पर स्थिति अधिक खतरनाक हो सकती है। ऐसे मामलों में सामान्य पानी की बजाय फोम या ड्राई केमिकल आधारित फायर सिस्टम अधिक प्रभावी माना जाता है। आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट या बैटरी से जुड़े तकनीकी कारणों की जताई जा रही है, हालांकि वास्तविक वजह जांच के बाद ही स्पष्ट होगी। भीषण गर्मी के मौसम में दुकानदारों और गोदाम संचालकों को वायरिंग, बैटरी स्टोरेज और फायर सेफ्टी उपकरणों की नियमित जांच करानी चाहिए ताकि ऐसे हादसों से बचा जा सके।

मकान पर कब्जे के लिए कलयुगी बेटे पर विधवा मां को प्रताड़ित करने का आरोप

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर। काकादेव थाना क्षेत्र से मां-बेटे के रिश्ते को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। शास्त्री नगर निवासी विधवा महिला राधारानी जायसवाल ने अपने ही बड़े बेटे विक्की जायसवाल और बहू रिंकी जायसवाल पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस आयुक्त से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित महिला का आरोप है कि उनका बेटा विक्की जायसवाल नशे का आदी है और मकान अपने नाम कराने के लिए आए दिन उनके साथ मारपीट करता है। महिला ने बताया कि कई बार उन्हें घर से बाहर निकाल दिया गया और मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

वृद्ध मां का आरोप है कि बेटे और बहू ने जान से मारने की नीयत से उन्हें कई बार करंट लगाने की भी कोशिश की। इतना ही नहीं, उनकी पेंशन तक छीन ली जाती है और उन्हें घर में रहने नहीं दिया जाता। राधारानी जायसवाल का कहना है कि बेटे और बहू लगातार कॉलोनी अपने नाम कराने का दबाव बना रहे हैं। विरोध करने पर उनके साथ बुरी तरह मारपीट की जाती है। पीड़िता ने रोते हुए अपनी पूरी आपबीती पुलिस आयुक्त को सुनाई और सुरक्षा की मांग की। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि काकादेव थाना पुलिस ने उनकी शिकायतों पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की,

जिसके चलते उन्हें पुलिस आयुक्त कार्यालय पहुंचना पड़ा। अब बड़ा सवाल यह है कि क्या पीड़ित विधवा मां को न्याय मिल पाएगा या फिर पुलिस किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रही है। पूरा मामला काकादेव थाना क्षेत्र की शास्त्री नगर चौकी का बताया जा रहा है।

डॉ दंपति की दलीलें फेल, कोर्ट ने खारिज की जमानत अर्जी, चालक शिवम् को राहत नहीं

● कानपुर के किडनी ट्रांसप्लांट कांड में नहीं मिली डाक्टर दंपति को राहत

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

कानपुर ग्रामीण। कानपुर किडनी कांड में जिला जज अनमोल पाल ने मुख्य आरोपी डॉक्टर सुरजीत सिंह आहूजा उसकी पत्नी प्रीति आहूजा और चालक शिवम् की अर्जी खारिज कर दी है, डीजीसी दिलीप अवस्थी ने इसे एक संगठित गिरोह का गंभीर अपराध साबित किया, जमानत अर्जी की सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की ओर से तर्क रखा गया था कि उन्हें झूठा फंसाया गया है, किडनी ट्रांसप्लांट में उनकी कोई भूमिका नहीं है, जबकि डीजीसी दिलीप अवस्थी ने तर्क रखा कि किडनी ट्रांसप्लांट के इस मामले में सभी की अपनी अपनी भूमिका थी, कोई किडनी लेने वाले को ढूंढता था, कोई किडनी देने वाले की तलाश करता था, कोई कागज़ात तैयार करता था, तो कोई आपरेशन करता था, अपनी अपनी भूमिका थी, आपरेशन के बाद मरीज को अलग-अलग दूसरे अस्पताल भेज दिया जाता था,यह सारा काम एक गिरोह द्वारा किया जाता था, और डॉक्टर सुरजीत सिंह आहूजा और उसकी पत्नी प्रीति आहूजा ही इस गिरोह में और अपराध में शामिल थे, एंबुलेंस चालक शिवम् को झूठा फंसाए जाने की बात कही,सभी पक्षों की सुनने के बाद कोर्ट ने गंभीर अपराध मानकर जमानत अर्जी खारिज कर दी।

अवैध कब्जे से परेशान वृद्ध महिला ने दी आमरण अनशन की चेतावनी

देवरिया। जनपद के रुद्रपुर थाना क्षेत्र के चिलवा मोहान गांव निवासी वृद्ध महिला असरफी देवी ने अपनी जमीन पर कथित अवैध कब्जे और प्रशासनिक अनदेखी से क्षुब्ध होकर आमरण अनशन पर बैठने की चेतावनी दी है। उन्होंने मुख्यमंत्री, डीजीपी, आयुक्त गोरखपुर, जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक समेत कई अधिकारियों को प्रार्थना पत्र भेजकर न्याय की गुहार लगाई है। असरफी देवी का आरोप है कि गांव के कुछ लोग उनकी आराजी संख्या 41 की जमीन पर जबरन पिलर डालकर निर्माण कार्य कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि मामला एसडीएम न्यायालय में विचाराधीन है और स्टे आदेश भी लागू है, इसके बावजूद निर्माण कार्य रुक-रुक कर जारी है। वृद्ध महिला ने कहा कि तहसील दिवस में जिलाधिकारी को भी मामले की जानकारी दी गई थी, जहां से एफआईआर दर्ज कराने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द हस्तक्षेप नहीं किया तो वह 1 जून से आमरण अनशन शुरू करेंगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

गौ माता भारतीय संस्कृति, आस्था और जीवन का केंद्र है- शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

प्रतापगढ़। भगवान शिव के अंश पूज्यपाद् शंकराचार्य भगवान स्वामी श्रीअविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी महाराज के प्रतापगढ़ नगर आगमन पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ.नीरज त्रिपाठी व जिला प्रभारी डॉ. शिवेशानंद के नेतृत्व में सैकड़ो कार्यकर्ताओं ने फूल,माला व गुलाब की पंखुड़ी उड़ाकर व अंगवस्त्रम, बुके भेंट कर भव्य स्वागत अभिनन्दन किया।इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता, सामाजिक कार्यकर्ता एवं विभिन्न समुदायों के लोग उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज जी ने गौ माता को राष्ट्र माता घोषित किए जाने की मांग को एक बार फिर मजबूती से दोहराया। उन्होंने कहा कि 'सनातन धर्म सदैव 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना को लेकर चलता है। गौ माता भारतीय संस्कृति, आस्था और जीवन का केंद्र हैं।महाराज जी ने प्रतापगढ़ में मिले जनसमर्थन की सराहना करते हुए कहा कि मुझे अपने घर प्रतापगढ़ आकर अत्यंत प्रसन्नता हुई। यहां अल्पसंख्यक समाज के भी लोग गौ माता को राष्ट्र माता घोषित किए जाने की मांग का समर्थन कर रहे हैं। यह भारत की एकता, सामाजिक सौहार्द और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक है।

उन्होंने भारतीय जनता पार्टी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि देश अब भाजपा के दोहरे चरित्र को भलीभांति समझ चुका है।इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. नीरज त्रिपाठी ने उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर आशुतोष पांडेय, वेदान्त तिवारी, डॉ प्रशांत देव शुक्ला, श्याम शंकर शुक्ल श्याम जी, आचार्य ओम प्रकाश मिश्र, संतोष

पांडेय, काशी नारायण मिश्रा, विशाल नाथ तिवारी, महेंद्र शुक्ला, प्रधान अभिषेक मिश्रा आशु, विजय प्रताप त्रिपाठी, प्रेम शंकर द्विवेदी, चंद्र नाथ शुक्ला,आदित्य शुक्ला, दुर्गेश तिवारी,सुरेश मिश्रा, प्रशांत सिंह प्रिंशु, विवेक पाण्डेय, राजेश शुक्ला, शुभम मिश्रा, आशीष शुल्ला, रामरतन तिवारी, रवि भूषण सिन्हा, इंद्रानन्द तिवारी, उमेश तिवारी, फतेह बहादुर सिंह, नितिन शुक्ल, शिवांशु भट्ट सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

बिजली की रोजमर्रा कटौती से मची है त्राहि त्राहि, पनप रहा आक्रोश

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

लालगंज, प्रतापगढ़। भीषण गर्मी के बीच दिन व रात की पाली में बिजली की रोजमर्रा कटौती को लेकर ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्र में त्राहि त्राहि मची हुई है। लालगंज तहसील क्षेत्र में प्रमुख बाजारों के साथ गांवों मे इस समय लोकल फाल्ट व ट्रांसफार्मर फुंकने से विद्युत आपूर्ति बद से बदतर हो उठी है। नगरीय क्षेत्र की बाजार लालगंज तक में दिन व रात भारी कटौती से लोग हलाकान हो उठे हैं। यहां टाउन एरिया के मानक के अनुरूप विद्युत आपूर्ति के प्रबन्ध चरमरा उठे हैं। गर्मी के चलते लोग परेशान है। वहीं विद्युत आपूर्ति में दिन की कटौती से सरकारी कार्यालयों में कामकाज पर भी विपरीत असर देखा जा रहा है। बाजारों में इलेक्ट्रानिक कारोबारी को भी घाटे में बताया जा रहा है। पुरूषोत्तम माह होने के कारण

बाबा घुइसरनाथ धाम समेत विभिन्न धार्मिक स्थलों पर भी विद्युत कटौती से श्रद्धालु भी त्रस्त देखे जा रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रो में तार टूटने तथा लोकल फाल्ट व ट्रांसफार्मर फुंकने से कई दिनों तक घुप अंधेरा लोगों में आक्रोश का माहौल बना रहा है। उद्योग व्यापार मण्डल के अध्यक्ष उदयशंकर दुबे, संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राजेशचंद्र तिवारी आदि ने विद्युत आपूर्ति में बदहाली को लेकर आक्रोश जताया है। वहीं अधिवक्ताओं तथा व्यापारियों के साथ आम लोगों में भी आपूर्ति व्यवस्था के लगभग ध्वस्त हो उठने से आक्रोश देखा जा रहा है।

मंगलवार 26 मई को श्री राघव जी हनुमान मंदिर में विशाल भंडारे का आयोजन

चुनार, मीरजापुर। गंगेश्वर नाथ स्थित श्री राघव जी हनुमान मंदिर में मंगलवार 26 मई सायं सात बजे से को विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। सभी श्रद्धालुओं से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर प्रसाद ग्रहण करें।

संक्षिप्त खबरें

'मां बनना गुनाह नहीं, बदले की भावना से काम न करें'; विनेश फोगाट मामले में दिल्ली HC की WFI को फटकार

दिल्ली। पहलवान विनेश फोगाट को घरेलू इवेंट्स में खेलने से अयोग्य घोषित करने लिए दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को भारतीय कुश्ती संघ को कड़ी फटकार लगाई। इसके साथ ही कोर्ट ने केंद्र को एक पैनल तैयार करने को कहा जो विनेश का मूल्यांकन करेगा। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय और जस्टिस तेजस करिया ने कहा कि कुश्ती संघ पहले जिस तरह से प्रतिष्ठित एथलीट्स को भाग लेने की अनुमति देता था, उस प्रथा से संघ का पीछे हटना 'बहुत कुछ कहता है'। इसके साथ ही कोर्ट ने केंद्र से कहा कि वो सुनिश्चित करे कि विनेश फोगाट जो मैटरनिटी लीव के बाद एशियन गेम्स के ट्रायल में हिस्सा लेना चाहती हैं, वो ले सकें। पीठ ने इस बात पर भी जोर दिया कि 'हमारे देश में मां बनने को सेलिब्रेट किया जाता है, ये कोई गुनाह नहीं है और कुश्ती संघ को बदले की भावना से काम नहीं करना चाहिए।' सरकार के वकील द्वारा यह प्रस्तुत किए जाने के बाद कि भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा प्रदान किया गया ढांचा कुछ मामलों में पात्रता मानदंडों में छूट की अनुमति देता है, इसने केंद्र से फोगाट का मूल्यांकन करने के लिए एक विशेषज्ञ पैनल गठित करने का अनुरोध किया।

गाजियाबाद: मोबाइल हैक कर क्रेडिट कार्ड व खातों से निकाले 4.70 लाख रुपये

साहिबाबाद। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र के वसुंधरा निवासी एक व्यक्ति का मोबाइल फोन हैक कर साइबर ठगों ने क्रेडिट कार्ड व बैंक खातों से 4.70 लाख रुपये निकाल लिए। आरोपितों ने 4.30 लाख रुपये अमेजन ई-गिफ्ट कार्ड व 40 हजार रुपये यूपीआइ के जरिये ट्रांसफर किए। दोस्त को रकम ट्रांसफर करने के दौरान जब पीड़ित को खाता खाली मिला तो ठगी का पता चला। पीड़ित ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। वसुंधरा सेक्टर तीन निवासी चेतन कुमार का कहना है कि 18 अप्रैल को वह अपने दोस्त को कुछ पैसे ट्रांसफर कर रहे थे। इस दौरान पता चला कि उनका खाता खाली है।

सभी खातों व क्रेडिट कार्ड से उड़ाए रुपये

उन्होंने अपने सभी खाते व क्रेडिट कार्ड चेक किए तो पता चला कि इनमें से रकम ट्रांसफर हो चुकी है। इसके बाद बैंक जाकर उन्होंने जानकारी की और शिकायत दर्ज कराई। पता चला कि साइबर ठगों ने उनका मोबाइल फोन हैक कर ठगी की वारदात को अंजाम दिया। इसके बाद उन्होंने आनलाइन शिकायत दर्ज कराई। उनका कहना है कि साइबर ठगों ने आरोपितों ने 16 अप्रैल को उनके क्रेडिट कार्डों व खातों से लेनदेन किया। एसीपी इंदिरापुरम अभिषेक श्रीवास्तव का कहना है कि मामले में रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

सड़क हादसों में तीन की मौत, टैंकर से गिरे सरसों के तेल को लूटने के लिए लगी भीड़; बाल्टी में भरकर ले गए लोग

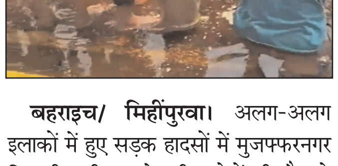

बहराइच/ मिहींपुरवा। अलग-अलग इलाकों में हुए सड़क हादसों में मुजफ्फरनगर निवासी क्लीनर समेत तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। बहराइच-लखीमपुर मार्ग पर टैंकर और ट्रेलर की टक्कर से सरसों का तेल टैंकर से गिरने लगा, जिसे एकत्र करने के लिए काफी संख्या में ग्रामीण पहुंच गए। बाल्टी व अन्य बर्तन में लोग तेल भरकर ले गए। हरदी के बेल्हौरा निवासी 60 वर्षीय रामजस मौर्य साइकिल से गुरुवार शाम को गेहूं पिसवाने के लिए चक्की पर गए थे। महसी पेट्रोल पंप के निकट अज्ञात वाहन ने साइकिल में टक्कर मार दी। हादसे में बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। मटेरा के बुलबुल नेवाज निवासी 50 वर्षीय अकील खां अपनी पत्नी ताजरुनिशा के साथ शुक्रवार दोपहर में जिला मुख्यालय से बाइक से अपने घर जा रहे थे। रामगांव के सोहरवा के पास बाइक में तेज रफ्तार चार पहिया ने ठोकर मार दी। हादसे में दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को एंबुलेंस से मेडिकल कालेज अस्पताल पहुंचाया गया। यहां पर चिकित्सक ने महिला को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। दरगाह के श्रावस्ती मार्ग पर बाइक सवार अनियंत्रित होकर गिर गया। जिसमें दोनक्का निवासी राम सिंह घायल हो गए। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया।

'भारत हमारा बेहतरीन दोस्त, जितना तेल चाहिए हम देने को तैयार'; अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो का बड़ा बयान

● अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भारत को बेहतरीन साझीदार बताया और कहा कि अमेरिका भारत को जितना ईंधन चाहिए, बेचने को तैयार है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने गुरुवार को भारत को बेहतरीन साझीदार बताया और कहा कि भारत जितना ईंधन खरीदना चाहता है, अमेरिका बेचने को तैयार है। अपनी पहली भारत यात्रा के बारे में उन्होंने कहा कि यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उन्हें क्वाड देशों के मंत्रियों से मिलने का मौका मिलेगा। रूबियो 23-26 मई तक भारत में रहेंगे और कोलकाता, आगरा, जयपुर व नई दिल्ली का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा, 'वे (भारत) हमारे बेहतरीन सहयोगी और साझीदार हैं। हम उनके साथ मिलकर बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। इसलिए यह महत्वपूर्ण यात्रा है।

क्वाड देशों के प्रतिनिधियों से भी मिलेंगे रूबियो

मुझे लगता है कि हमारे पास बातचीत करने के लिए बहुत सारे मुद्दे होंगे। हम वहां क्वाड देशों के प्रतिनिधियों से भी मिलेंगे, जो बहुत महत्वपूर्ण है। इस वर्ष के आखिर में भी हम एक और क्वाड बैठक करेंगे।' रूबियो ने बताया कि वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज भी अगले हफ्ते भारत आने वाली हैं और इस दौरान नई दिल्ली के साथ मिलकर काम करने के कई अवसर उपलब्ध होंगे।

वेनेजुएला के तेल पर नजर और भारत का रुख

रुबियो की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी रिफाइनरियों में वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल (हेवी क्रूड ऑयल) की आवक में भारी वृद्धि देखी गई है। फरवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका को वेनेजुएला से 80 मिलियन बैरल से ज्यादा तेल मिला है। रुबियो ने यह भी घोषणा की कि वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज तेल बेचने पर चर्चा करने के लिए अगले सप्ताह भारत की यात्रा करेंगी। उन्होंने कहा, 'हमें यह भी लगता है कि वेनेजुएला के तेल को लेकर भी कई अवसर हैं। मेरी जानकारी के मुताबिक, वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति भी अगले हफ्ते भारत की यात्रा पर होंगी।'

होर्मुज पर ईरान को चेतावनी

ईरान के मुद्दे पर रुबियो ने स्पष्ट किया कि रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण करने या उसकी पहुंच के जरिए पैसे कमाने की तेहरान की किसी भी कोशिश को वाशिंगटन बर्दाश्त नहीं करेगा। यह चेतावनी उन रिपोर्ट्स के बीच आई है जिनमें कहा गया है कि ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों के लिए ओमान के साथ एक स्थायी टोल व्यवस्था पर चर्चा कर रहा है। रुबियो ने इस कदम को वैश्विक व्यापार और नौपरिवहन की स्वतंत्रता के लिए सीधा खतरा करार दिया।

तेल की बढ़ती कीमतें

भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग आधा हिस्सा और अपना अधिकांश तेल आयात करता है। ईरान में चल रहे मौजूदा संघर्ष ने एक बड़े ऊर्जा संकट को जन्म दिया है, जिसका असर अब दुनिया भर में महसूस किया जा रहा है। इसके कारण डीजल, पेट्रोल और एलएनजी की कीमतों में भारी उछाल आया है। इसके जवाब में, भारत ने अपनी तेल विपणन कंपनियों (OMCs) पर वित्तीय दबाव को कम करने के उद्देश्य से चार दिनों के भीतर दो बार ईंधन की कीमतों में वृद्धि की, पहले 3 रुपये और फिर 90 पैसे की बढ़ोतरी की गई।

जबलपुर कोर्ट में सरेंडर करने पहुंचा त्विषा शर्मा का पति समर्थ, पुलिस ने रखा था 30 हजार का इनाम

● त्विषा शर्मा डेथ केस के मुख्य आरोपी समर्थ सिंह आज जबलपुर कोर्ट में सरेंडर करने वाले हैं। उनके वकील जयदीप कौरव ने इस बात की पुष्टि की है, हालांकि अभी तक वह कोर्ट परिसर नहीं पहुंचे हैं।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। त्विषा शर्मा डेथ केस में मुख्य आरोपी उनके पति समर्थ सिंह आज जबलपुर कोर्ट के सामने सरेंडर करने वाले हैं। समर्थ सिंह के वकील जयदीप कौरव ने शुक्रवार को पत्रकारों को यह जानकारी दी। इससे पहले मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने त्विषा शर्मा के पिता और राज्य सरकार द्वारा दायर याचिकाओं पर नोटिस जारी कर दिया। इन याचिकाओं में निचली अदालत द्वारा त्विषा की सास गिरिबाला सिंह को दी गई अग्रिम जमानत को चुनौती दी गई है। हाईकोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई 25 मई को तय की है। त्विषा शर्मा के परिवार के वकील अंकुर पांडे ने ANI को बताया कि हाईकोर्ट ने त्विषा का दूसरा पोस्टमॉर्टम कराने की अनुमति भी दे दी है। कोर्ट ने AIIMS दिल्ली के डायरेक्टर को विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम गठित करने और उन्हें AIIMS भोपाल भेजने का निर्देश दिया है, जो भोपाल में रखे शव का दूसरा पोस्टमॉर्टम करेंगे। पांडे ने कहा, 'परिवार की याचिका पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने यह फैसला लिया। शुरू में दिल्ली ले जाने की चर्चा हुई थी, लेकिन सहमति से भोपाल में ही दूसरा पोस्टमॉर्टम करने का निर्णय लिया गया।' उन्होंने यह भी बताया कि समर्थ सिंह ने हाईकोर्ट में अपनी अग्रिम जमानत याचिका वापस ले ली है। समर्थ सिंह 12 मई से फरार चल रहे थे। इस मामले में मध्य प्रदेश सरकार ने CBI जांच की सिफारिश कर दी है। गृह विभाग ने भोपाल के कटारा हिल्स थाने में दर्ज अपराध संख्या 133/2026 की जांच CBI को सौंपने की सहमति दे दी है। यह सहमति साजिश से जुड़े अन्य अपराधों पर भी लागू होगी।नोएडा निवासी त्रिशा शर्मा ने दिसंबर 2025 में समर्थ सिंह से शादी की थी। 12 मई को भोपाल स्थित ससुराल में उनका शव मिला था। परिवार ने पति और ससुराल पक्ष पर दहेज उत्पीड़न व मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पुलिस ने SIT गठित कर जांच शुरू की थी।

'धोनी के फॉर्मूले पर आप नहीं जीत सकते', लगातार तीसरे साल CSK के फ्लॉप होने पर भड़के अश्विन

● आईपीएल 2026 में चेन्नई सुपर किंग्स का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। इसके बाद अब रविचंद्रन अश्विन ने टीम मैनेजमेंट को खूब फटकार लगाई है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए आईपीएल 2026 निराशाजनक रहा। टीम प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई नहीं कर सकी। इसके बाद रविचंद्रन अश्विन ने टीम को लेकर सवाल खड़े किए हैं। उनका कहना है कि चेन्नई को टीम बनाने के तरीके में बदलाव करना होगा। उन्होंने ये भी तर्क दिया कि सीएसके को एमएस धोनी के फॉर्मूले से बाहर निकलना होगा, जिससे उन्होंने टीम को सफलता दिलाई थी। चेन्नई की टीम ने आखिरी बार 2023 में आईपीएल का खिताब अपने नाम किया था। इसके बाद धोनी ने टीम की कप्तानी छोड़ी और ऋतुराज गायकवाड़ को जिम्मेदारी सौंपी गई। गायकवाड़ ने 2024, 2025 और 2026 में टीम की अगुवाई की लेकिन सीएसके प्लेऑफ में एक भी बार क्वालीफाई नहीं कर सकी। ऐसे में अब अश्विन ने टीम को सलाह दी है कि वे क्वालिटी खिलाड़ियों में निवेश करें और उसके बाद ही टीम अच्छा प्रदर्शन कर सकती है।

रविचंद्रन अश्विन ने दी सलाह

अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए अश्विन ने कहा, 'सीएसके को क्वालिटीम प्लेयर्स में निवेश करना होगा। मेरा मतलब ये है कि अनुभव के साथ एक क्वालिटी टीम बनाओ। अनुभवी गेंदबाज शामिल हों। तेज गेंदबाजों और स्पिनरों में वैरायटी हो। टीम को सही तरीके से बनाया जाना चाहिए। ये धोनी की चेन्नई नहीं है। अब समय बदल चुका है। आपको ये ध्यान में रखना होगा कि सफलता जरूरत मिलेगी लेकिन धीरे-धीरे मिलेगी।' पूर्व भारतीय दिग्गज का मानना है कि चेपॉक में टीम सही से नहीं खेल रही है, 'जो उनके खराब प्रदर्शन का मुख्य कारण है। अश्विन ने कहा, शिवम दुबे की बैटिंग अच्छी थी लेकिन मुझे लगता है कि जो टीम चेपॉक के लिए चुनी गई है, वह उन्हें रास नहीं आ रही है।'

चेन्नई की टीम प्लेऑफ से बाहर

गुजरात टाइटंस के खिलाफ गुरुवार को चेपॉक में खेले गए मुकाबले में 89 रनों से हार का सामना करना पड़ा। इसी के साथ उनकी प्लेऑफ की उम्मीदें खत्म हो गई और लगातार तीसरे सीजन प्लेऑफ में क्वालीफाई नहीं कर सकी। सीएसके आईपीएल 2023 में चैंपियन बनी थी और उसके बाद से लगातार टॉप-4 में जगह नहीं बना सकी। वे अपने घर यानी एमए. चिदंमबरम स्टेडियम में संघर्ष करते हुए दिखाई दिए, जो उनके बाहर होने का मुख्य कारण भी रहा।

भारत-नेपाल में फिर कड़वाहट, लिपुलेख व भंसार के बाद गंडक में एकतरफा खनन से बढ़ा तनाव

●भारत और नेपाल के बीच गंडक नदी में नेपाल द्वारा एकतरफा खनन से तनाव बढ़ गया है, जो अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन है। यह विवाद लिपुलेख दर्रे और नेपाल के सख्त भंसार नियमों जैसे मौजूदा कूटनीतिक मुद्दों को और गहरा कर रहा है।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

भारत और सदियों पुराने मित्र देश नेपाल के द्विपक्षीय संबंधों में इन दिनों स्थिरता का अभाव साफ देखा जा रहा है। पड़ोसी देश नेपाल में हाल ही में नई सरकार के गठन के बावजूद सीमावर्ती और कूटनीतिक मुद्दों पर कोई सकारात्मक बदलाव महसूस नहीं हो रहा है। उत्तराखंड सीमा से सटा ऐतिहासिक लिपुलेख विवाद अभी पूरी तरह शांत भी नहीं हुआ था कि अब बिहार और उत्तर प्रदेश की सीमा पर बहने वाली गंडक नदी में नेपाल की तरफ से किए जा रहे एकतरफा उत्खनन (माइनिंग) ने दोनों देशों के बीच कड़वाहट को और ज्यादा बढ़ा दिया है।

बिना समन्वय गंडक नदी में अंधाधुंध माइनिंग

ताजा विवाद नेपाल के पश्चिम नवलपरासी जिला अंतर्गत आने वाली सुस्ता गांवपालिका की एकतरफा प्रशासनिक कार्रवाई से शुरू हुआ है। सुस्ता गांवपालिका ने स्थापित अंतरराष्ट्रीय नियमों और भारतीय पक्ष से बिना किसी आपसी समन्वय या पूर्व सूचना के, गंडक नदी की मुख्य धारा से बालू, पत्थर और ग्रेवल (नदी जन्य पदार्थों) को निकालने का एक बड़ा ठेका जारी कर दिया है। 'बी गैप बांध' के बेहद संवेदनशील सुरक्षा जोन के पास चल रहे इस भारी उत्खनन कार्य को लेकर उत्तर प्रदेश के सिंचाई विभाग (महराजगंज खंड) ने अपनी गंभीर और आधिकारिक आपत्ति दर्ज कराई है।

सीमावर्ती बांधों को पहुंचा भारी खतरा

उत्तर प्रदेश सिंचाई खंड द्वितीय (महराजगंज) के सहायक अभियंता रंजीत सिंह के अनुसार, सुस्ता गांवपालिका ने सभी स्वीकृत मापदंडों को ताक पर रखकर 'बज्र गुरु महालक्ष्मी जे.भी.' नामक निजी कंपनी को इस खनन का जिम्मा सौंपा है। यह कदम 'भारत-नेपाल जॉइंट कमेटी ऑन कोशी गंडक प्रोजेक्ट' की काठमांडू में 30 अप्रैल 2026 को हुई उच्चस्तरीय बैठक के फैसलों का खुला उल्लंघन है। उस बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया था कि बिना एक संयुक्त समन्वय समिति के गठन के गंडक नदी क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति से छेड़छाड़ करने वाला कोई भी कार्य नहीं किया जाएगा।

संयुक्त टीम का औचक निरीक्षण

बी गैप बांध के ठोकर नंबर 15 और 16 के पास जब भारतीय और नेपाली इंजीनियरों की संयुक्त टीम औचक निरीक्षण के लिए पहुंची, तो वहां बड़े पैमाने पर हाईवा गाड़ियों से उत्खनन किया जा रहा था। भारतीय अधिकारियों ने मौके पर मौजूद सुस्ता गांवपालिका के अध्यक्ष (मेयर) टेक नारायण उपाध्याय को दोटूक शब्दों में सचेत किया कि इस बेतरतीब खनन के कारण गंडक नदी की प्राकृतिक धारा बदल जाएगी, जिससे सुस्ता बांध, गंडक मुख्य बांध और भारत के सीमावर्ती मैदानी इलाके बाढ़ के भारी जोखिम में आ जाएंगे। पिछले साल भी इसी तरह के खनन के चलते नदी का तेज बहाव सुस्ता और नरसही क्षेत्र की तरफ मुड़ गया था, जिससे बड़ी तबाही की स्थिति बन गई थी। इस हठधर्मी रुख के बाद उत्तर प्रदेश सिंचाई विभाग के शीर्ष अधिकारियों ने भू-आर्जन कार्यालय के लाइजन ऑफिसर शोभित हलुवाई के साथ मिलकर नेपाल के नवलपरासी जिला के जिलाधिकारी (सीडीओ) से मुलाकात की है और इस विवादित खनन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने की मांग की है।

संप्रभुता के मसले पर भड़की कूटनीतिक चिंगारी

गंडक नदी के इस ताजे तनातनी के समानांतर ही दोनों देशों के बीच सामरिक रूप से बेहद संवेदनशील 'लिपुलेख दर्रा' विवाद भी दोबारा सुलग उठा है। विशेष रूप से अप्रैल-मई 2026 में नेपाल की बागडोर नई सरकार के हाथों में आने के बाद से इस मुद्दे पर कूटनीतिक तल्खी बढ़ गई है। भारत, चीन

(तिब्बत) और नेपाल के त्रि-जंक्शन पर स्थित लिपुलेख को भारत जहां उत्तराखंड के पिथौरागढ़ जिले का अटूट हिस्सा मानता है, वहीं नेपाल का नया राजनीतिक नेतृत्व इस पर अपना दावा जता रहा है।

मई 2026 में उपजा कूटनीतिक तनाव

इस ठंडे पड़े विवाद को हवा तब मिली जब अप्रैल 2026 के अंतिम सप्ताह में भारत और चीन के बीच लिपुलेख दर्रे के पारंपरिक मार्ग से 'कैलाश मानसरोवर यात्रा' को पूर्ण रूप से पुनर्जीवित करने पर एक महत्वपूर्ण सहमति बनी।

भंसार विवाद से भारी आर्थिक गतिरोध

भौगोलिक सीमाओं के इन विवादों के बीच, जमीनी स्तर पर दोनों देशों के बीच सीमा शुल्क यानी 'भंसार नियमों' को लेकर चल रही आर्थिक रार ने आग में घी का काम किया है। इस नीतिगत टकराव ने सीमावर्ती इलाकों के स्थानीय व्यापार को भारी नुकसान पहुंचाया है। हालांकि कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद इस पर रोक लग गई है।

दशहरे पर नहीं थमेगी बॉक्स ऑफिस की 'रफ्तार', हुंकार भरने को तैयार हैं राजकुमार

● अभिनेता राजकुमार राव की फिल्म 'रफ्तार' की रिलीज डेट में बदलाव किया गया है। अब यह फिल्म दशहरे 2026 के मौके पर आएगी।

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

दिल्ली। अभिनेता राजकुमार राव अपनी संजीदगी भरी एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। अभिनेता के पास इस वक्त कई बड़ी फिल्में हैं, जिनकी वह शूटिंग कर रहे हैं और अब लीजि राजकुमार की फिल्म रफ्तार की रिलीज डेट में बदलाव हो गया है।

कब आएगी 'रफ्तार'?

दरअसल राजकुमार राव की फिल्म रफ्तार की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। अब फिल्म की रिलीज डेट में बदलाव किया गया है। अमेज़न स्त्नरूस्टूडियोज की ओरिजिनल और राजकुमार राव की फिल्म 'रफ्तार' अब 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मतलब दशहरे के मौके पर राजकुमार की ये फिल्म अब रिलीज होगी। आदित्य निंबालकर के निर्देशन में बनी और काम्पा फिल्म के बैनर तले पत्रलेखा द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म के एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर तरुण बाली हैं। हालांकि मेकर्स ने दशहरे के मौके पर फिल्म की रिलीज डेट का एलान कर दिया है, जबकि इस दौरान कई और फिल्में भी रिलीज होंगीं।

राजकुमार ने शेयर किया पोस्ट

आपको बता दें कि फिल्म की नई रिलीज डेट का एलान करते हुए खुद राजकुमार ने इसकी जानकारी सोशल मीडिया के जरिए दी है। राजकुमार ने लिखा है कि, लोग कहते हैं कि सपना देखने और उसे बुनने में समय लगता है, लेकिन उसे जीने के लिए और भी ज्यादा मेहनत और लगन की जरूरत होती है! 'रफ्तार' सिर्फ एक फिल्म नहीं है, बल्कि सिनेमाई दुनिया में हमारा पहला कदम है; यह हमारे विश्वास, हिम्मत और अनगिनत सपनों की मेहनत का नतीजा है। जब कोई चीज दिल के इतने करीब और खास होती है, तो उसे कुछ बेहद यादगार बनने के लिए वक्त देना सही होता है। इसीलिए अब हम 16 अक्टूबर को दशहरे के लंबे वीकेंड पर सिनेमाघरों में आ रहे हैं। जब आप 'रफ्तार' देखेंगे, तो आप सिर्फ एक फिल्म नहीं देख रहे होंगे, बल्कि आप उस संघर्ष, महत्वाकांक्षा, डर और उम्मीद को महसूस करेंगे जो हर सपने को पूरा करने की ताकत देती है। हमारी ताकत बनने के लिए आपका शुक्रिया। हम बस मंजिल के बेहद करीब हैं।

क्या है फिल्म की कहानी?

भारत के तेजी से बढ़ते एड-टेक सेक्टर

की गलाकाट कॉम्पिटिशन वाली दुनिया पर आधारित, 'रफ्तार' एक स्टार्टअप की आसमान छूती कामयाबी और उसके केंद्र में मौजूद एक जुनूनी रिश्ते की कहानी है, जहां एक दृढ़ संकल्पी पुरुष और एक महत्वाकांक्षी महिला किसी भी कीमत पर सफलता पाना चाहते हैं।

अब यह सफलता उन्हें आसानी से मिल पाएगी या नहीं, यही उठा-पटक फिल्म में देखने को मिलेगी। इस बीच उनके रास्ते में कई मुश्किलें भी होंगीं। आपको बता दें कि रफ्तार की कहानी और स्क्रीनप्ले रोहन नरूला ने लिखा है। फिल्म को राजकुमार प्रोड्यूस कर रहे हैं और यह फिल्म एक प्रोड्यूसर के तौर पर राजकुमार राव के बिजनेस सफर की शुरुआत भी है। राजकुमार राव और कीर्ति सुरेश की मुख्य भूमिकाओं वाली इस फिल्म में अनुराग ठाकुर, रोहन वर्मा, तान्या मानिकतला और रजत कपूर जैसे कई स्टार्स दिखेंगे।

ग्रेटर नोएडा में लिफ्ट देने के बहाने यूपी पुलिस के सिपाही से लूट, मारपीट कर सुनसान सड़क पर फेंका

ग्रेटर नोएडा। कोतवाली दादरी क्षेत्र में कार सवार तीन बदमाशों ने यूपी पुलिस के एक सिपाही को लिफ्ट देने के बहाने लूट लिया और मारपीट कर घायल अवस्था में बोड़ाकी गांव के पास फेंककर फरार हो गए। पीड़ित सिपाही मथुरा जिले में तैनात हैं और अवकाश पर घर जा रहे थे। सिपाही अनुज कुमार निवासी बदौनिया रजपुर, अमरोहा, यूपी पुलिस में थाना जमुनापार मथुरा में तैनात हैं। 20 मई को वह एक दिन के अवकाश पर अपने घर जा रहे थे। रात करीब 9 बजे वह सेक्टर-62, नोएडा पहुंचे और जोया अमरोहा जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रहे थे। तभी एक कार उनके पास आकर रुकी। कार में पहले से ड्राइवर समेत दो लोग बैठे थे। कार सवारों ने सिपाही से पूछा कि कहां जाना है। जोया बताने पर ड्राइवर ने उन्हें बैठा लिया। कुछ दूर चलने के बाद कार में बैठे दोनों युवकों ने सिपाही से गाली-गलौज शुरू कर दी। विरोध करने पर तीनों ने मिलकर उनके साथ मारपीट की और गला दबाने की कोशिश की। बदमाशों ने सिपाही का बैग, मोबाइल फोन, पर्स, बैंक आफ बड़ौदा, ग्रामीण बैंक का एटीएम कार्ड और नगदी लूट ली। इसके बाद आरोपितों ने सिपाही को दादरी क्षेत्र के बोड़ाकी गांव के पास सुनसान जगह पर फेंक दिया और फरार हो गए। घायल अवस्था में सिपाही ने राहगीरों की मदद से पुलिस को सूचना दी। उपचार के बाद अनुज कुमार ने दादरी कोतवाली में अज्ञात बदमाशों के खिलाफ तहरीर दी। दादरी कोतवाली प्रभारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ लूट और मारपीट की धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। बोड़ाकी और सेक्टर-62 के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। कार और आरोपितों की पहचान के लिए सर्विलांस टीम को भी लगाया गया है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

गुवाहाटी हाईकोर्ट की स्थायी बेंच हेतु मुख्य न्यायाधीश को सौंपा ज्ञापन

● बराक वैली के लोगों को न्याय दिलाने के लिए स्थायी बेंच की मांग

न्याय के लिए 400 किमी दूर गुवाहाटी जाने की मजबूरी

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: असम के बराक वैली में गुवाहाटी हाईकोर्ट की स्थायी बेंच स्थापित करने की मांग एक बार फिर जोर पकड़ने लगी है। इसी क्रम में All Cachar Medicine Retail and Wholesalers Association ने हाल ही में गुवाहाटी हाईकोर्ट के माननीय मुख्य न्यायाधीश को ज्ञापन सौंपकर बराक वैली में स्थायी बेंच स्थापित करने की मांग की है। संगठन ने अपने ज्ञापन में कहा कि बराक वैली के किसी भी उपयुक्त स्थान पर हाईकोर्ट की स्थायी बेंच स्थापित की जानी चाहिए, ताकि क्षेत्र के लोगों को न्याय प्राप्त करने में सुविधा मिल सके। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि Cachar, Sribhumi, Hailakandi तथा Dima Hasao जिलों के लोगों को उच्च न्यायालय से जुड़े मामलों के लिए लगभग 400 किलोमीटर दूर गुवाहाटी जाना पड़ता है। इससे आम नागरिकों, वकीलों और संबंधित पक्षों पर अतिरिक्त आर्थिक एवं शारीरिक बोझ पड़ता है। साथ ही न्यायिक प्रक्रिया में भी अनावश्यक देरी होती है। संगठन का कहना है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रत्येक नागरिक को न्याय पाने का अधिकार प्राप्त है। ऐसे में बराक वैली में स्थायी बेंच की स्थापना समय की आवश्यकता बन चुकी है। इससे न्याय व्यवस्था का विकेंद्रीकरण होगा और लोगों को सुलभ एवं त्वरित न्याय मिल सकेगा। ज्ञापन में यह उम्मीद भी जताई गई कि माननीय मुख्य न्यायाधीश इस लंबे समय से लंबित और न्यायोचित मांग पर सकारात्मक कदम उठाएंगे। यह ज्ञापन संगठन के अध्यक्ष करुणा सिंधु दे और महासचिव मंतोष पाल के हस्ताक्षर के साथ भेजा गया।

खोड़ा में चार दिन बाद बिजली आपूर्ति बहाल, डेढ़ लाख लोगों को मिली बड़ी राहत

साहिबाबाद। खोड़ा में चार दिन बाद बृहस्पतिवार को ट्रांसफार्मर बदले जाने के बाद चार कालोनियों की बिजली आपूर्ति सामान्य हो गई। शाम करीब चार बजे बिजली आई। इससे करीब डेढ़ लाख लोगों ने राहत की सांस ली। ट्रांसफार्मर खराब होने से चार दिन से चार कालोनियों के लोग बिजली के लिए परेशान थे। बार-बार ट्रांसफार्मर बदला जा रहा था, लेकिन लोड न उठा पाने के कारण बिजली आपूर्ति ठप हो जा रही थी। इससे करीब डेढ़ लाख लोग प्रचंड गर्मी में बिजली के लिए परेशान थे। बिन बिजली के सबमर्सिबल नहीं चल पाने के कारण लोग पानी के लिए भी परेशान थे। घरों में एसी, पंखे व कूलर नहीं चल पा रहे हैं। दिनभर लोग पानी का इंतजाम करने में लगे थे। स्थानीय लोगों ने बताया कि इन्वर्टर भी कुछ देर में ही डाउन हो गए थे। स्थानीय निवासी उमेश पांडे ने बताया कि ट्रांसफार्मर बदला गया। उसके बाद करीब शाम चार बजे बिजली आई। उसके बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर में गैस सिलेंडर की गंभीर किल्लत, जनता परेशान

● प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से हस्तक्षेप की अपील, क्षेत्रीय लोगों में बढ़ा असंतोष

स्वतंत्र प्रभात संवाददाता

श्रीभूमि: असम के श्रीभूमि जिले के रामकृष्णनगर क्षेत्र में पिछले कुछ हफ्तों से घरेलू गैस सिलेंडर की गंभीर किल्लत बनी हुई है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई है कि आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है और दैनिक कार्य लगभग ठप पड़ गए हैं। स्थानीय उपभोक्ताओं का आरोप है कि पहले जहां गैस बुकिंग के 24 से 72 घंटे के भीतर ओटीपी और डिलीवरी की पुष्टि मिल जाती थी, वहीं अब यह पूरी व्यवस्था बाधित हो चुकी है। कई उपभोक्ताओं को निर्धारित समय बीत जाने के बाद भी न तो ओटीपी प्राप्त हो रहा है और न ही गैस आपूर्ति की कोई स्पष्ट जानकारी मिल पा रही है। इससे क्षेत्र में भारी असंतोष और अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। लोगों का कहना है कि यह देरी और अव्यवस्था असामान्य है तथा उपभोक्ताओं को अनावश्यक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पहले इस प्रकार की समस्या इतनी गंभीर नहीं थी, लेकिन अब बार-बार उत्पन्न हो रही दिक्कतों ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। लगातार बारिश और खराब मौसम ने स्थिति को और भी गंभीर बना दिया है। कई परिवारों के पास खाना बनाने के लिए वैकल्पिक ईंधन तक उपलब्ध नहीं है, जिससे उन्हें गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विशेष रूप से बच्चे और बुजुर्ग सबसे अधिक प्रभावित हैं। स्थानीय लोगों का यह भी कहना है कि आसपास के क्षेत्रों में सामान्य गैस आपूर्ति होने के

बावजूद रामकृष्णनगर में बार-बार इस प्रकार की समस्या क्यों उत्पन्न हो रही है, यह जांच का विषय है। उन्होंने आशंका जताई है कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही या अनियमितता हो सकती है, जिसकी उच्च स्तरीय जांच आवश्यक है। क्षेत्रीय जनता ने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री से इस मामले में त्वरित हस्तक्षेप की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही गैस आपूर्ति व्यवस्था सामान्य नहीं की गई, तो जनआक्रोश और अधिक बढ़ सकता है।